हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 264, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 27 मार्च, 2024 दिन बुधवार | गाजीपुर/वाराणसी

सीएम योगी ने उतारी भगवान नरसिंह की आरती, जमकर खेली होली, अबीर-गुलाल और फूलों की पंखुड़ियां उड़ाईं

गोरखपुर। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सनातन धर्म शोक-संताप में नहीं बल्कि उमंग और उत्साह में विश्वास करता है। होली का पर्व इसी का संदेश देता है। इस पर्व में समरस समाज की स्थापना का भाव निहित है तो साथ ही यह संदेश भी है कि सनातन धर्म सह अस्तित्व में, वसुधैव कुटुम्बकम और सर्वे संतु निरामया में विश्वास करता है। सीएम योगी मंगलवार को होली के पवित्र पर्व पर गोरखपुर के घंटाघर से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और श्री होलिकोत्सव समिति की ओर से निकलने वाली "भगवान नरसिंह की रंगभरी शोभायात्रा" के शुभारंभ अवसर पर उपस्थित विशाल जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। सभी नागरिकों को होली की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि होली का पर्व उत्साह और उमंग का है। उत्साह और उमंग सुरक्षित, सुखी और समृद्ध समाज में होता है। हमारा समाज सुरक्षित और समृद्ध है, इसीलिए हम सभी उत्साह और उमंग से होली की हजारों वर्षों पुरानी परम्परा को मनाने के साथ अपनी इस विरासत के प्रति कृतज्ञता भी व्यक्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म पर जब भी कोई संकट आया, समाज में दुष्प्रवृत्तियां बढ़ीं तो कोई ना कोई ईश्वरीय अवतार भी हुआ है और दुष्प्रवृत्तियों को दूर कर समाज आगे बढ़ता रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि होली का त्यौहार समतामूलक और समरस समाज की स्थापना का भी संदेश है। आपसी वैरभाव को समाप्त कर, सत्य-न्याय के मार्ग पर चलकर ही हम समाज को शक्तिशाली बना सकते हैं। जहां विभाजन होगा वहां समाज शक्तिशाली नहीं हो सकता। सीएम योगी ने कहा कि इस बार की होली पर उत्साह और उमंग एक नई ऊंचाई पर है। अयोध्या में 495 वर्ष बाद रामलला ने भी होली खेली और आशीर्वाद व कृपा लोगों पर बरसाई। उन्होंने लोगों से अनुरोध किया कि बीमार व्यक्तियों को और जो मना करे, उसे रंग न लगाएं। साथ ही नब्बे वर्ष से अधिक समय से निकलने वाली भगवान नरसिंह की रंगभरी शोभायात्रा के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तारीफ की।

लोगों को होली की बधाई देने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भगवान नरसिंह की विधि विधान से आरती उतारी। उन्हें नारियल, गुझिया के साथ फूल, रंग, अबीर, गुलाल अर्पित किया। भगवान नरसिंह की पूजा करने के बाद योगी पूरी तरह होलीयाना मूड में आ गए। उन्होंने लोगों के ऊपर जमकर फूल की पंखुड़ियां, अबीर, गुलाल पंखुड़ियां उड़ाईं। देखते ही देखते योगी समेत समूचा जनमानस रंगों में सराबोर हो गया। इस दौरान जय श्रीराम के नारों के बीच उत्सवी उल्लास आसमान पर था। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत संघचालक डॉ महेंद्र अग्रवाल, प्रांत प्रचारक रमेश जी, सांसद रविकिशन शुक्ल, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के ओम जालान, सुरजीत, आत्मा जी, श्री होलिकोत्सव समिति के अध्यक्ष मनोज जालान, काशी से आए महामंडलेश्वर संतोष दास उर्फ सतुआ बाबा, कालीबाड़ी के महंत रविंद्रदास आदि भी मौजूद रहे।

अनुसूचित जाति के परिवारों पर हमला करने के मामले में मायावती ने जताया दुख, सरकार से की कार्रवाई की मांग

मेरठ। यूपी के बिजनौर के नजीबाबाद के मुख्तियापुर गांव में दबंगों द्वारा अनुसूचित जाति के परिवारों पर जानलेवा हमला करने के मामले में बसपा सुप्रीमो मायावती ने पोस्ट किया है। सोशल मीडिया पर मायावती ने दुख जताया है, साथ ही सरकार से सख्त कार्रवाई की मांग की है। मंगलवार को मायावती ने पोस्ट करते हुए लिखा, जिला बिजनौर में नजीबाबाद के मुखत्यारपुर गांव में सामंती तत्वों द्वारा दलित परिवारों पर जानलेवा हमले में अनेक लोगों के घायल होने की घटना गंभीर व अति-दुःखद है। सरकार एससी/एसटी एक्ट के तहत दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे ताकि चुनावी माहौल न बिगड़े। चुनाव आयोग भी इसका संज्ञान ले। ज़िला बिजनौर में नजीबाबाद के मुखत्यारपुर गाँव में सामंती तत्वों द्वारा दलित परिवारों पर प्राणघातक हमले में अनेक लोगों के घायल होने की घटना गंभीर व अति-दुःखद। सरकार एससी/एसटी एक्ट के तहत दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे ताकि चुनावी माहौल न बिगड़े। चुनाव आयोग भी इसका संज्ञान ले। नजीबाबाद के गांव मुख्तियापुर में होली के दिन मामूली विवाद को लेकर दो पक्ष आपस में भिड़ गए। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच जमकर खूनी संघर्ष हुआ।

सोनभद्र में युवक की हत्या : साथ में बैठकर पी शराब, फिर सिर कूचकर उतारा मौत के घाट; खेत में खून से लथपथ मिला शव

सोनभद्र। सोनभद्र जिले में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। सदर कोतवाली क्षेत्र के बसौली गांव में मंगलवार को खेत में युवक का खून से लथपथ शव मिलने से हड़कंप मच गया। भारी वस्तु से प्रहार कर हत्या के बाद शव खेत में फेंक दिया गया था। घटना के पीछे शराब पीने के दौरान हुए विवाद को कारण माना जा रहा है। पुलिस शव कब्जे में लेकर छानबीन में जुट गई है। एक युवक को हिरासत में भी लिया गया है। बसौली गांव के बैगा टोला निवासी नंदू (40) मंगलवार की सुबह गांव के ही एक युवक के साथ बैठकर शराब पी रहा था। शराब पीने के दौरान दोनों में कहासुनी हुई, जो मारपीट में बदल गई। इसी विवाद में नंदू के सिर पर किसी भारी वस्तु से वार कर साथी युवक ने हत्या कर दी। शव को पास के रामसूरत के खेत में फेंककर फरार हो गया। सूचना पाकर परिजन व ग्रामीण मौके पर पहुंचे। इसके साथ ही घटना की जानकारी पुलिस को दी। एएसपी कालू सिंह, सदर कोतवाली सत्येंद्र राय फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। शव को कब्जे में लेकर छानबीन शुरू कर दी। एएसपी ने बताया कि शराब पीने को लेकर विवाद में हत्या की आशंका जताई जा रही है। संदेह के आधार पर एक युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। शीघ्र ही घटना का खुलासा किया जाएगा। उधर, घटना के बाद से परिजनों में कोहराम मच गया। नंदू खेती व मजदूरी करता था। उसकी तीन बेटियां व एक बेटा है। पत्नी और बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है।

'जमानत की शर्त में राजनीतिक गतिविधि पर रोक शामिल नहीं'; सुप्रीम कोर्ट ने पलटा हाईकोर्ट का आदेश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मौलिक अधिकारों और जमानत की शर्तों पर बड़ा आदेश दिया है। जस्टिस बीआर गवई और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि निचली अदालतों में जमानत देने की शर्तों में 'राजनीतिक गतिविधि में शामिल नहीं होने' को नहीं गिना जा सकता। अदालत ने साफ किया कि किसी शख्स पर ऐसी रोक लगाए जाने से उसके मौलिक अधिकारों का हनन होता है। सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश उड़ीसा हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर पारित किया। ओडिशा के बहरामपुर नगर निगम के पूर्व मेयर सिबा शंकर दास ने उड़ीसा हाईकोर्ट के 18 जनवरी को पारित आदेश को चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने जमानत की शर्त को वापस लेने की मांग करने वाली याचिका खारिज कर दी थी। अदालत ने साफ किया था कि सिबा शंकर दास सार्वजनिक रूप से कोई अप्रिय स्थिति पैदा नहीं करेंगे। हाईकोर्ट ने कहा था कि दास प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी भी राजनीतिक गतिविधि में भी शामिल नहीं होंगे। अगस्त, 2022 में जमानत पर रिहाई का आदेश देते समय उड़ीसा हाईकोर्ट ने दास पर शर्त लगाई थी। इस आदेश को दोषपूर्ण बताते हुए सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ ने कहा, 'ऐसी शर्त लगाने से अपीलकर्ता के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन होगा। जमानत देते हुए ऐसी कोई शर्त नहीं लगाई जा सकी।' बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने 22 मार्च को यह आदेश पारित किया।

राम मंदिर में पैसा लेकर दर्शन कराने की जांच करेगी पुलिस, चंपत राय बोले- ऐसे लोगों से लेना-देना नहीं

अयोध्या। अयोध्या में पैसा लेकर रामलला के दर्शन कराने की शिकायतों की जांच की जाएगी। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने मंगलवार को बयान जारी कर कहा कि श्री रामजन्मभूमि मंदिर में पैसा लेकर या टाइम स्लॉट देकर दर्शन की व्यवस्था नहीं है लेकिन कुछ दुर्घटनाएं सामने आयी हैं, जिसकी जांच पुलिस करेगी। ट्रस्ट का इससे कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि जो भक्त लाइन में लगकर सहजता से श्री रामलला के दर्शन करते हैं, उन्हें अच्छे दर्शन होते हैं। बीते कई दिनों से ऐसी खबरें आ रही थीं जिसमें कहा जा रहा था कि कुछ लोग पैसे लेकर और टाइम स्लॉट देकर अयोध्या में रामलला के दर्शन करवा रहे हैं जबकि वहां पर इस तरह की कोई व्यवस्था नहीं है। इस पर चंपत राय ने वीडियो बयान भी जारी किया है। उन्होंने कहा कि सहज रूप से किसी भी श्रद्धालु को रामलला के दर्शन करने में एक से डेढ़ घंटे का समय लगता है और अगर दर्शन सुबह सात बजे या फिर रात को आठ बजे के बाद किए जाएं तो

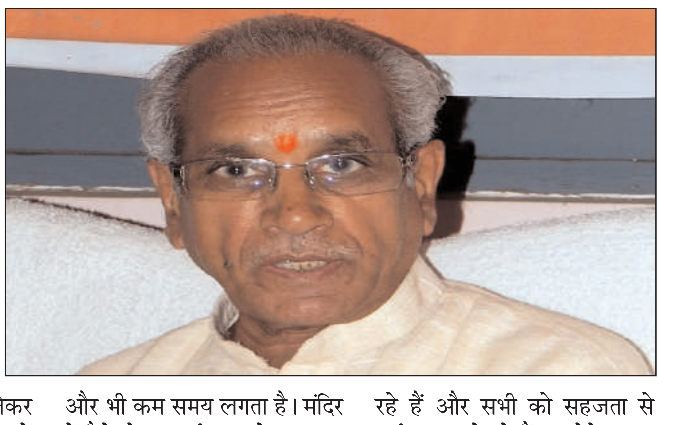

और भी कम समय लगता है। मंदिर में पैसे लेकर दर्शन कराने या टाइम स्लॉट देकर दर्शन कराने की व्यवस्था नहीं है। हालांकि, इस तरह की शिकायतें मिली हैं ऐसे लोगों की जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि रामलला के दरबार में प्राण प्रतिष्ठा के बाद से ही हर रोज करीब सवा लाख से डेढ़ लाख लोग दर्शन कर रहे हैं। मंदिर में सुबह साढ़े छह बजे से लेकर रात साढ़े नौ बजे तक दर्शन कराए जा रहे हैं और सभी को सहजता से दर्शन प्राप्त हो रहे हैं। उन्होंने जनता से सहजता से दर्शन करने की अपील की है और कहा कि पैसे लेकर दर्शन कराने वालों की जांच की जाएगी।

केजरीवाल के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे की मांग को लेकर भाजपा का प्रदर्शन, सिरसा बोले- वो ड्रामा कर रहे

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे की मांग को लेकर भाजपा ने दिल्ली में विरोध प्रदर्शन किया। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता अरविंद केजरीवाल के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। भाजपा नेता मनजिंदर सिंह सिरसा का कहना है कि वे शराब घोटाले से ध्यान भटकाना चाहते हैं, वे कहते रहते हैं कि उन्हें (जेल से) आदेश मिल रहे हैं। अरविंद केजरीवाल ईडी की हिरासत में ड्रामा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैंने एलजी और ईडी निदेशक को लिखित शिकायत दी है कि उन्होंने जो झूठा पत्र पेश किया है, उस पर कार्रवाई की जानी चाहिए। जिस तरह से गैंगस्टर और जबरन वसूली करने वाले जेल से गिरोह संचालित करते हैं, वे सीएम कार्यालय को संचालित करना चाहते हैं। अरविंद केजरीवाल जैसा भ्रष्ट व्यक्ति सीएम नहीं बन सकता। उन्हें इस्तीफा देना होगा। भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. हर्षवर्धन ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जेल में हैं। ऐसे में उन्हें

नैतिक रूप से इस्तीफा दे देना चाहिए। यह उनकी अपनी जिम्मेदारी है। बीजेपी सांसद हर्ष वर्धन आगे कहा कि अरविंद केजरीवाल अभी भी अपने पद पर बने हुए हैं, इससे पता चलता है कि वह लालची हैं और अपनी असुरक्षा के कारण अपनी कुर्सी नहीं छोड़ना चाहते हैं।

बाल्टीमोर में हादसा! मालवाहक जहाज के टकराने से ढहा पुल, नदी में गिरीं गाड़ियां, कई लोगों की मौत की आशंका

बाल्टीमोर। मंगलवार की सुबह अमेरिका के बाहरी बाल्टीमोर हार्बर क्षेत्र में एक हादसा हो गया। दरअसल यहां एक मालवाहक जहाज बाल्टीमोर हार्बर को पार करने वाले पुल से टकरा गया। इस हादसे के बाद पुल ढह गया और घटना में कई लोगों की मौत की आशंका है। बाल्टीमोर तटरक्षक बल के अधिकारी मैथ्यू वेस्ट ने कहा कि मंगलवार की सुबह पुल के आंशिक ढहने की सूचना मिली थी। बाल्टीमोर के अग्निशमन विभाग ने भी पुल के ढहने की पुष्टि की। इसके बाद मैरीलैंड परिवहन प्राधिकरण ने पुल पर आवाजाही रोक दी है। तटरक्षक बल, अग्निशमन विभाग समेत कई एजेंसियों का कहना है कि हादसे में कई लोगों के हताहत होने की आशंका है। यह भी बताया जा रहा है कि पुल ढहने के बाद कई कारें और लोग पानी समा गए। कई लोगों के लापता होने की भी खबर है। कुल मिलाकर यह हादसा एक बड़ी क्षति की ओर इशारा कर रहा

है। बाल्टीमोर के अग्निशमन विभाग के निदेशक केविन कार्टराईट ने इस बात की पुष्टि की है कि लगभग सात लोग और कई वाहन नदी में समा गए। तटरक्षक बल के अधिकारी ने बताया कि जहाज पर सिंगापुर का झंडा लगा था। मालवाहक जहाज का नाम डाली है और वह 948 फीट लंबा है। यह जहाज बाल्टीमोर से कोलंबो श्रीलंका के लिए रवाना हुआ था। इस दौरान जहाज फ्रांसिस स्कॉट पुल से जा टकराया। यह पुल आम जनता केलिए 1977 में खोला गया था। इसका नाम अमेरिका के विख्यात लेखक फ्रांसिस स्कॉट के नाम पर रखा गया था। फ्रांसिस स्कॉट पुल की लंबाई 1.6 मील है।

कांग्रेस नेता की आपत्तिजनक पोस्ट पर कंगना का पलटवार, कहा- हर महिला सम्मान की हकदार है

चंडीगढ़। लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा ने अभिनेत्री कंगना रनौत को हिमाचल प्रदेश के मंडी से अपना उम्मीदवार बनाया है। इसके बाद कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने सोशल मीडिया पर रनौत और मंडी पर अपमानजनक टिप्पणियां पोस्ट कर दी। जिसके कारण एक बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया। इसी पर भाजपा प्रत्याशी कंगना रनौत ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हर महिला सम्मान की हकदार है, चाहे उसकी पृष्ठभूमि और पेशा कुछ भी हो। उन्होंने कहा कि वह विशेष रूप से मंडी पर हुई कांग्रेस नेताओं की टिप्पणियों से दुखी हैं। रनौत ने चंडीगढ़ हवाई अड्डे के बाहर कहा कि मंडी को दुनिया भर में अक्सर छोटा काशी कहा जाता है। दोनों कांग्रेस नेताओं के खिलाफ कोई कार्रवाई को लेकर किए सवाल पर उन्होंने कहा कि उन्हें भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने दिल्ली बुलाया है और वह उनसे मिलने के बाद ही जवाब देंगी। इससे पहले कंगना ने एक एक्स पोस्ट में लिखा था कि प्रिय सुप्रिया जी, एक कलाकार के रूप में अपने करियर के पिछले 20 वर्षों में मैंने सभी प्रकार की महिलाओं की भूमिका निभाई है। क्वीन में एक भोली लड़की से लेकर धाकड़ में एक आकर्षक जासूस तक, मणिकर्णिका में एक देवी से लेकर चंद्रमुखी में एक राक्षसी तक, रज्जो में एक वेश्या से लेकर थलाइवी में एक क्रांतिकारी नेता तक। वहीं, कांग्रेस नेता श्रीनेत ने स्पष्ट किया

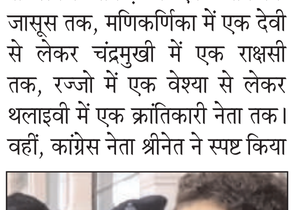

कि उनके फेसबुक और इंस्टाग्राम अकाउंट तक कई लोगों की पहुंच है और उनमें से किसी ने अनुचित पोस्ट किया है। उन्होंने कहा कि जैसे ही मुझे पता चला, मैंने वह पोस्ट डिलीट कर दी। जो भी लोग मुझे जानते हैं, वे भी अच्छी तरह से जानते हैं कि मैं कभी भी किसी महिला के प्रति व्यक्तिगत और अशोभनीय टिप्पणी नहीं कर सकता। मैं जानना चाहता था कि यह कैसे हुआ।

लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा की एक और सूची, राजस्थान के लिए दो और मणिपुर के लिए एक उम्मीदवार का एलान

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा ने छठी सूची जारी कर दी है। इसमें तीन उम्मीदवारों का एलान किया गया है। सूची में राजस्थान के लिए दो और मणिपुर के लिए एक उम्मीदवार का नाम घोषित किया है। जानकारी के मुताबिक, राजस्थान की करौली-धौलपुर (अजा) लोकसभा सीट से इंदु देवी जाटव और दौसा से कन्हैया लाल मीणा को चुनावी मैदान में उतारा गया है। इसके अलावा इनर मणिपुर लोकसभा सीट से थौनाओजम बसंत कुमार सिंह पर दांव लगाया गया है। सूची में बड़ी बात यह है कि दौसा सीट से वर्तमान सांसद जसकौर मीणा का पार्टी ने टिकट काट दिया है। कांग्रेस ने यहां से मुरारी लाल मीणा को उम्मीदवार घोषित किया है। करौली-धौलपुर लोकसभा सीट से वर्तमान सांसद

मनोज राजोरिया हैं। इन्होंने 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में जीत दर्ज की थी। पार्टी ने इस बार उनका भी टिकट काट दिया है। कांग्रेस ने यहां से भजनलाल जाटव को टिकट दिया है। भाजपा ने राजस्थान की 25 लोकसभा सीट में से 24 सीट पर उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं। मणिपुर के इनर मणिपुर संसदीय क्षेत्र से थौनाओजम बसंत कुमार सिंह को पार्टी ने टिकट दिया है। इनर मणिपुर सीट से भाजपा ने केंद्रीय मंत्री राजकुमार रंजन सिंह का भी टिकट काट दिया है। पार्टी ने उनके स्थान पर राज्य सरकार में मंत्री बसंत कुमार सिंह पर भरोसा जताया है। भाजपा ने 543 सदस्यीय लोकसभा चुनाव के लिये अब तक 401 सीट पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। लोकसभा की 543 सीट के लिए 19 अप्रैल से एक जून के बीच सात चरण में चुनाव होना है। मतगणना चार जून को होगी।

छप्पर में सो रहे पति-पत्नी की पिता और दो पुत्रों ने कुल्हाड़ी से काट कर की हत्या, दो हिरासत में

हाथरस। होली पर जहां एक ओर लोग गुलाल और रंगों से एक-दूसरे को रंग रहे थे, वहीं पिता और पुत्रों ने खून की होली खेलने की साजिश रची। होली वाली रात पिता और पुत्रों ने छप्पर में सो रहे पति-पत्नी की कुल्हाड़ी से काट कर हत्या कर दी। शवों के पास खून ही खून नजर आ रहा था। पुलिस ने मामले में पिता और एक पुत्र को हिरासत में लिया है। मामले की रिपोर्ट मृतक के पुत्र ने पिता एवं दो पुत्रों के खिलाफ कोतवाली में दर्ज कराई है। सिकंद्राराऊ कोतवाली के गांव पोरा के बाहर 25 मार्च की रात्रि 45 वर्षीय बॉबी पुत्र महावीर व 36 वर्षीय उनकी पत्नी सुनीता अपने खेत में बने मकान के बाहर छप्पर में चारपाई पर सो रहे थे। तभी रात्रि लगभग 10:30 बजे गांव निवासी नन्नू पुत्र देवीलाल एवं उसके दो पुत्र राजकुमार एवं रामू कुल्हाड़ी-डंडे लेकर छप्पर में आ गए। तीनों ने सोते हुए बॉबी के ऊपर कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ प्रहार किया, जिससे उसकी मौके पर मृत्यु हो गई। पास में सोई पत्नी सुनीता जान बचाने के लिए भागी तो 20 मीटर दूर उसे पगडंडी पर गिराकर कुल्हाड़ी से काट दिया। दोनों की मौके पर ही मृत्यु हो गई। बताया जाता है की बॉबी ने मकान

में ही गुटखा-तंबाकू की दुकान खोल रखी थी। 25 मार्च की दोपहर उसका नन्नू से किसी बात पर झगड़ा एवं मारपीट हो गई थी। पास ही में भट्टे पर काम कर रहे हैं मजदूरों ने नन्नू को बचा लिया। रात होते ही नन्नू के सिर पर खून सवार हो गया। तथा उसने अपने दो पुत्रों के साथ पति-पत्नी की निर्मम हत्या की वारदात को अंजाम दे दिया।

संपादकीय

जहां तक कानून ने देखा

पर्यटन की महफिल में मुसीबतों के पहाड़ का अंदाजा लगाना मुश्किल है, फिर भी अदालती संज्ञान की वजह से हम देख पाते हैं कि कितना काम बाकी और सरकार की हर एजेंसी को इस दिशा में कैसे सोचना होगा। माननीय उच्च न्यायालय ने फोरलेन के किनारे पर मलबे के टीले देखते हुए इन्हें तुरंत प्रभाव से हटाने के निर्देश दिए हैं। यह कालका-शिमला फोरलेन मार्ग का परिदृश्य है जिसे कानून ने देखा तो खामियां संबोधित हो गईं, वरना इन मंजिलों से रोजाना व्यवस्था लांघ कर भी अनजान है। कालका-शिमला फोरलेन को हाई कोर्ट ने जिस तरह परखा, उस पड़ताल के सबूत हर छोटे-बड़े मार्ग पर डराते हुए मिल जाएंगे। रास्ते की चौड़ाई पर मलबों के ढेर लगे हैं, हकीकत में चारों ओर यही हाल है। माननीय अदालत ने कीरतपुर-मनाली फोरलेन के किनारे आराम से बसे हुए अवैध निर्माण को हटाने के भी निर्देश दिए हैं। आश्चर्य यह कि ऐसे विषय प्रशासन की छाती पर तने हैं, फिर भी कानून को ही हर बार बताना और बुलाना पड़ता है। अवैध कब्जाधारी इतने सशक्त और निर्भय हैं कि सामान्य परिस्थितियों में ऐसा कसूर भी बेकसूर है। हमारी नीतियां, शासन पद्धति की बारीकियां और कार्य संस्कृति इस कद्र की जुगलबंदी में शरीक हैं कि अतिक्रमणकारी अब विशेषाधिकारी हो चुके हैं। सरकारी विकास के मार्ग पर अतिक्रमण के पंजे इतने भारी हैं कि हर परियोजना के विरोध में एक दुकानदारी चली है। हिमाचल में विशेष आर्थिक जोन की हर वकालत के विरोध के पीछे अतिक्रमणकारी शक्तियां रही हैं और ये व्यवस्थागत व सियासी शरण में सुरक्षित हैं। हर स्थानीय निकाय के जुर्म में उन्हीं के सदस्य अपना बचाव करते हुए जमीन से संपत्तियों तक कब्जा करते रहे। धर्मशाला के कचहरी अड्डे के करीब स्मार्ट रोड की हर लंबाई और चौड़ाई पर एक दुकान खड़ी है, लेकिन शहर को फुर्सत नहीं कि इस अतिक्रमण की विरासत का विरोध करे। प्रदेश के धार्मिक पर्यटन तथा प्रशासनिक शहरों के ऊपर अतिक्रमण के पांव चल रहे हैं, लेकिन नागरिक समाज इससे प्रेरित होकर खुद भी अवसर ढूंढ रहा है। विकास का संघर्ष नागरिक समाज से भी कहीं अधिक अतिक्रमण से है। कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार के मामले में भी यही तथ्य सामने आया, तो सरकार ने पहली बार अवैध निर्माण के गले में भी मुआवजे का हार डाल दिया। अतिक्रमण के घूमते फिरते दैत्य अब वाहन बने हैं। आप सडकें चौड़ी करते जाइए, लेकिन गांव से शहर तक वाहनों के कब्जे में सारी व्यवस्था ध्वस्त है, इसलिए अगर हाई कोर्ट डीसी कुल्लू को पार्किंग व्यवस्था पर निर्देश दे रहा है, तो यह हुक्म हर शहर की योजना में झांक रहा है। वास्तव में हम यानी नागरिक समाज महज खिलौना है, जो यदा कदा अदालती निदेर्शों में अपनी किस्मत के चिराग ढूंढता है। प्रदेश ने आज तक पार्किंग के लिए कोई नीति नहीं बनाई। प्रदेश में पंजीकृत 22 लाख वाहनों के अलावा इतने ही अगर बाहरी राज्यों से जुड़ रहे हैं, तो इसका अर्थ पार्किंग को दीन हीन बनाने से तभी रोक सकता है, यदि सरकार त्वरित विचार करे। हर शहर की चारों दिशाओं में चार मैदान बनाकर, नालों का चैनलाइजेशन करते हुए इनके ऊपर पार्किंग स्थल बना कर या मलबे को दूरगामी परियोजना के तहत आकार देते हुए समाधान ढूंढा जा सकता है। अगर वाहन पंजीकरण के साथ एकमुश्त पार्किंग शुल्क लगाया जाए तो बाईस लाख वाहनों से मात्र हजार-हजार रुपया वसूल कर भी हम सवा दो सौ करोड़ की पार्किंग परियोजनाओं को अमलीजामा पहना सकते हैं। इसके अतिरिक्त प्रदेश में दर्जन भर ट्रांसपोर्ट नगर बसा कर तथा हर शहर में महापार्किंग परिसर विकसित करके निजात पा सकते हैं। माननीय अदालत की चिंताओं में पर्यटक सहूलियतों का जिक्र व प्रदेश की छवि का गंभीर प्रश्न उभरता है। कहने को हम पांच करोड़ पर्यटकों की राह देख रहे हैं, लेकिन क्या हम इस आवाजाही में वाहनों की कतार व रफ्तार का अंदाजा लगा रहे हैं। भागसूनाथ में पंजाब से आए पर्यटक की मौत के कारण समझे बिना हम पर्यटन की नगरियां नहीं बना सकते। आज हिमाचल की कानून व्यवस्था की सबसे अधिक चुनौतियां पर्यटन मार्ग से ही आ रही हैं और ये मलबे के ढेर से ट्रैफिक जाम तक, पार्किंग की अफरातफरी से पर्यटक की सुरक्षा तक और नशे से व्यभिचार तक फैल रही हैं।

प्रदूषण का देश भारत

भारत तीसरा सबसे अधिक प्रदूषित देश है, जिसकी राजधानी दिल्ली दुनिया की सबसे अधिक प्रदूषित राजधानी है। भारत की करीब 96 फीसदी आबादी जहरीली हवा में जीने को विवश है। प्रदूषण के लिए जिम्मेदार सूक्ष्मतम कण पीएम 2.5 होना चाहिए, लेकिन दिल्ली का पीएम 92.7 है। बांग्लादेश की राजधानी ढाका पीएम 80.2 के साथ दूसरे स्थान पर है। भारत के 7800 शहरों में से मात्र 9 फीसदी ही ऐसे हैं, जो मानकों पर खरे उतरते हैं। सिर्फ यही नहीं, सबसे प्रदूषित 50 शहरों में से 42 शहर भारत के हैं। प्रदूषण का यह स्तर भारत के लिए चुनौती ही नहीं, बल्कि संकट का रूप धारण करता जा रहा है। संकट इसलिए भी गहरा है, क्योंकि बिहार के बेगुसराय, पटना, असम के गुवाहाटी, अपेक्षाकृत छोटे शहर-रोहतक (हरियाणा) और मेरठ (उप्र)-भी प्रदूषित होते जा रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, पीएम 2.5 का सालाना औसत 5 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से अधिक नहीं होना चाहिए, लेकिन बेगुसराय का यह स्तर बीते साल 118.9 था। यह विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों से 23 गुना अधिक था। भारत में प्रदूषण के हालात का खुलासा स्विस एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग संस्था आईक्यूएयर की हालिया रपट में किया गया है। यह डाटा खुद भारत की सरकारों द्वारा दिया गया है, स्विस संस्था ने विश्व-संदर्भ में उन्हें संकलित किया है, लिहाजा संस्था पर आरोप लगाना आत्मघाती होगा। विडंबना है कि हवा, पानी, मिट्टी और जंगल सरीखे मुद्दों पर राजनीति नहीं की जाती। वे चुनाव में गौण ही रहते हैं। हमारी सत्ताओं की प्राथमिकता गरीबी हटाओ और औद्योगिक प्रगति ही रही है। औद्योगिक क्रांति के 200 सालों के दौरान औद्योगिक औजारों ने प्रदूषण को इतना बढ़ा दिया है कि सांस लेना भी मुश्किल हो रहा है। पहले संकट दिल्ली समेत कुछ महानगरों तक ही सीमित समझा जाता था, लेकिन स्विस संस्था की रपट ने पूरे भारत के संकट को बेनकाब किया है। भारत की 130 करोड़ से अधिक आबादी जहरीली हवा के शहरों में बसी है। यदि भारत का सच यही है, तो भारत को प्रदूषण का देश करार देना गलत नहीं होगा। दरअसल जिस गति से भारत का शहरीकरण हुआ है या सरकार स्मार्ट सिटी बनाने की परियोजना पर काम कर रही है, उसमें प्रदूषण प्राथमिकता पर नहीं है। उस गति से प्रदूषण के कारकों का डाटा भी उपलब्ध नहीं है। यदि बेगुसराय, गुवाहाटी, रोहतक, मेरठ आदि अपेक्षाकृत छोटे शहरों में प्रदूषण के खतरनाक कारक सामने आए हैं, तो उस लिहाज से राजधानी दिल्ली जानलेवा गैस चैंबर कही जा सकती है। अक्तूबर से फरवरी के दौरान दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक 400-500 रहता है। उसका औसत भी 250-300 तक रहता है, जो बहुत खराब श्रेणी में आता है। भारत के जो 83 शहर आईक्यूएयर की सूची में हैं, वहां प्रदूषण के स्त्रोतों और कारकों को लेकर शायद ही कोई अधिकृत सूचना उपलब्ध है। बेगुसराय का ही उदाहरण लें। वहां 2022 में पीएम 2.5 का स्तर 20 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर था। एक ही साल में 6 गुना प्रदूषण कैसे बढ़ गया, उसके मद्देनजर कोई अधिकृत बयान, जवाबदेही या रपट नहीं है। संभव है कि स्विस रपट के बाद नेताओं और नौकरशाहों के कान पर कोई जूं रेंगने लगे। भारत के वायु प्रदूषण का यथार्थ यह है कि आधा प्रदूषण तो हानिकारक गैसों के कॉकटेल की वजह से है। कृषि, उद्योग, बिजली के प्लांट, परिवहन और घरेलू श्रेणी में जो प्रदूषण के कारक हैं, वे एक शहर से दूसरे शहर और राज्य-दर-राज्य यात्रा करते हैं। लिहाजा नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम के तहत विभिन्न इलाकों, शहरों, छोटे शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों पर एक लक्ष्यबद्ध हस्तक्षेप किया जाता है।

उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनावों के सात चरणों का चक्रव्यूह पार करना नहीं होगा आसान

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों को लेकर पूरे देश मे कौतुहल दिखाई दे रहा है। लोकसभा सीटों के हिसाब से सबसे बड़े राज्य यूपी में मुकाबला त्रिकोणीय होता नजर आ रहा है। त्रिकोणीय मुकाबले में एक तरफ एनडीए के तले मोदी की सेना जीत की हुंकार भर रही है तो दूसरी ओर राहुल गांधी के अगुवाई में इंडी गठबंधन ताल ठोक रहा है। दोनों गठबंधनों में बस फर्क इतना है कि जहां एनडीए की ओर से मोदी पुनः प्रधानमंत्री पद के दावेदार हैं, वहीं इंडी गठबंधन ने कौन होगा पीएम पर पत्ते नहीं खोले हैं, लेकिन लगता यही है कि यदि इंडी गठबंधन के लिये सत्ता की राह बनी तो राहुल गांधी प्रधानमंत्री पद के सबसे बड़े दावेदार होंगे। खैर, अभी किसी निष्कर्ष पर पहुंचना सही नहीं है। कौन होगा अगल प्रधानमंत्री? यह सात चरणों के मतदान के बाद 04 जून को पता चलेगा, जब वोटों की काउंटिंग होगी। इसी लिये फिलहाल तो सात चरणों के चक्रव्यूह को भेदने के लिये ही सभी पार्टियो मैदान में ताल ठोंक रही हैं। 19 और 26 अप्रैल को प्रथम चरण एवं द्वितीय चरण का मतदान होगा। इन दोनों चरणो में पश्चिमी यूपी की 16 सीटों पर वोटिंग होगी। प्रथम चरण और दूसरे चरण के मतदान में पश्चिमी उत्तर प्रदेश की क्रमशः आठ-आठ सीटों के उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला होगा। 07 मई को भी तीसरे चरण में दस सीटों पर मतदान होगा इसमें भी दस में से पश्चिमी यूपी की चार सीटें शामिल होंगी। इसके बाद 13 मई को चौथे, 20 मई को पांचवें, 25 मई को छठे और 01 जून को सातवें चरण का मतदान होना होगा। शुरू के तीन चरणों में जो राजनैतिक जंग पश्चिमी यूपी से शुरू होगी वह चौथे और पांचवे चरण में रूहेलखंड, अवध की सीटों पर तो छठे और सातवें चरण में पूर्वांचल में पहुंच कर समाप्त हो जायेगी। चार जून को नतीजे आयेंगे।

2024 लोकसभा चुनावों की शुरूआत पश्चिमी यूपी की आठ लोकसभा सीटों पर से होगा। पहले चरण में चुनाव के लिए आठ सीटों में से, भाजपा ने 2014 के चुनावों में सभी सीटें जीती थीं। 2014 में पार्टी ने अकेले प्रदेश भर में 71 सीटें जीतीं थीं। जबकि एनडीए गठबंधन के पास कुल 73 सीटें थीं। 2019 के चुनाव में इन सीटों पर सपा-रालोद और बसपा गठबंधन के खिलाफ लड़ाई में बीजेपी का प्रदर्शन खराब रहा। उन्होंने 8 में से केवल तीन सीटें जीतीं। ऐसे में सपा और बसपा को पूर्वांचल में कई सीटें मिलीं, जबकि बीजेपी को पूरे प्रदेश में सिर्फ 62 सीटें मिलीं थीं।

2024 का चुनाव संग्राम भी फिर पश्चिम यूपी से शुरू होगा। शुरूआत में पश्चिमी यूपी की 8 लोकसभा सीटों पर चुनाव होंगे। पिछले लोकसभा चुनाव के बाद से यहां के राजनीतिक हालात में काफी बदलाव आया है, जिसका असर चुनाव में दिख रहा है। यह चुनाव क्षेत्र में एक प्रमुख व्यक्ति रालोद नेता जयंत चौधरी की स्थिति भी तय करेगा। केंद्रीय मंत्री संजय बालियान की हैट्रिक कोशिशों की परीक्षा होगी। यह चुनाव तय करेगा कि बीजेपी नेता वरुण गांधी का राजनीतिक भविष्य क्या होगा। यह चुनाव यह भी तय करेगा कि नखतौर विधायक ओम कुमार संसद में जा सकेंगे या नहीं। यह क्षेत्र किसान और जाट नेता अजीत सिंह के प्रभाव वाला माना जाता है। चाहे आप जीतें या हारें, जीतने वाला पक्ष हमेशा सोचता है कि उसका पलड़ा भारी है। अजीत को अपनी बदनामी की भारी राजनीतिक कीमत भी चुकानी पड़ी। यह चुनाव अजीत सिंह के बिना होगा। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की ओर से जयंत चौधरी को अजीत का उत्तराधिकारी बनाने की कोशिशें अंत तक जारी रहीं। आखिरकार पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देने की सत्ताधारी पार्टी की चाल सफल रही। पिछले चुनाव में जयंत जाट दलित मुस्लिम गठबंधन छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए थे। यह चुनाव तय करेगा कि जयंत का फैसला कितना सही है। 2019 का लोकसभा चुनाव में जो सपा,बसपा और रालोद एक गठबंधन का हिस्सा थे,वह बिखर चुके हैं। बसपा अकेली चुनाव लड़ रही है तो रालोद ने बीजेपी का दामन थाम लिया है। इस बार पहले चरण की आठ सीटों में से चार पर सपा, तीन पर बसपा और एक पर रालोद को संघर्ष करना पड़ा। बसपा ने अपने हिस्से की तीनों सीटें (सहारनपुर, बिजनौर और नगीना) जीत लीं। सपा ने चार में से दो सीटें (मुरादाबाद और रामपुर) जीतीं। आरएलडी का खाता नहीं खुल सका। बीजेपी ने कैराना, मुजफ्फरनगर और पीलीभीत में सीटें जीती थीं।

बात आजम की चर्चा के बिना पूरी नहीं हो सकती है। प्रथम चरण में ही रामपुर की संसदीय सीट के लिये मुकाबला होना है। 2019 और उसके पहले के चुनाव में कभी समाजवादी पार्टी का मुस्लिम चेहरा माने जाने वाले आजम खान की रामपुर समेत कई सीटों पर जीत तय रहती थी। पिछले पांच वर्षों में कई उतार-चढ़ाव से गुजरने के बाद, आजम खान को जेल हुई, दोषी पाया गया और विधायक के रूप में अयोग्य घोषित कर दिया गया। उपचुनाव हुआ जिसमें बीजेपी के घनश्याम लोधी सांसद बने। इस बार भी रामपुर में जेल में बंद आजम के कहने पर ही सपा चल रही है, अब नतीजे बतायेंगे क्या आजम अभी भी यहां ताकतवर हैं या फिर आजम को वोटर साइड लाइन कर चुके हैं। पहले चरण में ही बिजनौर में भी चुनाव होगा। एसपी-बीएसपी-आरएलडी गठबंधन में 2019 में बिजनौर की एक सीट बीएसपी के खाते में थी और उसके उम्मीदवार मुल्क नागर ने चुनाव जीता था। इस बार अपने चुनाव प्रचार को तेज करने के लिए रालोद ने चंदन चौहान और सपा ने यशवीर सिंह को मैदान में उतारा है। इस बार 2019 में तीनों मित्र दलों के उम्मीदवार अलग-अलग एक-दूसरे से मुकाबला करेंगे। पश्चिमी यूपी की एक और चर्चित सीट मुजफ्फरनगर भी सुखियों में है।यहां भी 19 अप्रैल को मतदान होगा। 2019 के लोकसभा चुनाव में यहां से केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान और आरएलडी प्रमुख अजीत सिंह एक-दूसरे पर नजरें गड़ाए हुए थे। बालियान लगातार दूसरी बार जीते। अजीत सिंह अब नहीं रहे और बदली हुई परिस्थितियों में आरएलडी और बीजेपी एक साथ हैं। ऐसे में रालोद भी इस बार बलियान में अपनी ताकत लगाएगी। सपा ने पूर्व सांसद हरेंद्र मलिक को अपना उम्मीदवार बनाया है।

पिछले चुनाव में बसपा ने महागठबंधन के जरिए सहारनपुर सीट जीती थी। बसपा के हाजी फजलुर्रहमान ने भाजपा के राघव लखनपाल को हराकर चुनाव जीता। इस बार सपा-कांग्रेस गठबंधन में यह सीट कांग्रेस के खाते में चली गई हैं। इसी प्रकार से कैराना की सीट भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। यहां से कभी बीजेपी के दिग्गज नेता हुकुम सिंह चुनाव लड़ा करते थे। उनकी मौत के बाद 2019 के चुनाव में बीजेपी के प्रदीप कुमार चौधरी ने एसपी की तबस्सुम बेगम को हराकर जीत हासिल की। इस चुनाव में सपा ने पूर्व सांसद मनूर हसन की बेटी इकरा हसन और तबसेम बेगम को अपना उम्मीदवार बनाया है।

एसबीआई ने साबित कर दिया सरकारी तंत्र भय से काम करता है

योगेंद्र योगी

सरकारी मशीनरी डंडे के जोर से काम करती है। इसका उदाहरण चुनावी बांड के खुलासे से हो गया। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने इस मामले को टरकाने के प्रयास किए किन्तु सुप्रीम कोर्ट के सामने दाल नहीं गल सकी। बांड के जरिए चुनावी चंदा देने वाले उद्योगपतियों के नाम और राशि छिपाने के एसबीआई के सारे प्रयासों पर सुप्रीम कोर्ट ने पानी फेर दिया। एसबीआई की मंशा थी कि इस चंदे के मामले का खुलासा जून महीने के बाद किया जाए ताकि लोकसभा चुनाव सम्पन्न होने के बाद इस मामले को आने वाली केंद्र सरकार संभाल सके। एसबीआई ने इस बांड खुलासे की अवधि को लंबा खींचने के लिए कई तरह के बहाने बनाए। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में साफ कह दिया कि यदि निर्धारित तारीख तक इसकी जानकारी चुनाव आयोग को नहीं दी गई और चंदे का ब्यौरा सार्वजनिक नहीं किया गया तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद भारतीय चुनाव आयोग ने 14 मार्च को चुनावी बॉन्ड से जुड़े डेटा को जारी किया था। चुनावी बॉन्ड यानी इलेक्टोरल बॉन्ड से जुड़ा डेटा वही डेटा है जिसे चुनाव आयोग के साथ 12 मार्च को एसबीआई ने शेयर किया था। चुनाव आयोग की वेबसाइट पर 2 लिस्ट जारी किए गए हैं। इसमें कुल 763 पन्ने हैं जिनमें चुनावी बॉन्ड खरीदने वाली कंपनियों और लोगों के नाम शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के सामने एसबीआई ने घुटने टेक दिए। जिस विवरण को जुटाने के लिए जून माह तक समय मांगा जा रहा था, उसे एसबीआई ने चंद दिनों में ही पूरा कर दिखाया। इससे जाहिर है कि कार्रवाई के भय से सरकारी तंत्र तूफान की गति से काम कर सकता है। सरकारी मशीनरी में लगी जंग तभी हटती है सुप्रीम कोर्ट जैसे आदेशों की पालना करनी होती है। गौरतलब है कि यह पहला मौका नहीं है जब किसी सरकारी विभाग ने कोर्ट के भय के मारे घोड़े की गति से काम किया है। कोयला घोटाले स्टेटस रिपोर्ट के मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो इसका दूसरा बड़ा उदाहरण है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में कानून मंत्री और पीएमओ की दखलअंदाजी को लेकर नाराजगी जाहिर की थी। नाराजगी जताते हुए सुप्रीम कोर्ट ने तल्ख शब्दों में कहा था कि सीबीआई के कई मास्टर हैं और जांच

एजेंसी पिंजड़े में कैद तोते जैसी है। सरकार को फटकार लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि जब सीबीआई स्वतंत्र ही नहीं है तो वो निष्पक्ष जांच कैसे कर सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सीबीआई वो तोता है जो पिंजरे में कैद है जबकि सीबीआई एक स्वायत्त संस्था है और उसे अपनी स्वायत्ता बरकरार रखनी चाहिए। सीबीआई को एक तोते की तरह अपने मास्टर की बातें नहीं दोहरानी चाहिए। एसबीआई ने भी सीबीआई की तरह व्यवहार किया है। इस पर सुप्रीम कोर्ट को सख्ती दिखाने पर विवश होना पड़ा। एसबीआई फिर भी होशियारी दिखा रही है। अदालत ने बैंक से पूछा है कि बॉन्ड नंबरों का खुलासा क्यों नहीं किया। बैंक ने अल्फा न्यूमिरिक नंबर क्यों नहीं बताया। अदालत ने एसबीआई को बॉन्ड नंबर का खुलासा करने का आदेश दिया है। अदालत का आदेश है कि सील कवर में रखा गया डेटा चुनाव आयोग को दिया जाए, क्योंकि उनको इसे अपलोड करना है। अदालत ने कहा कि बॉन्ड खरीदने और भुनाने की तारीख बतानी चाहिए थी। दरअसल यूनिक आईडी हर एक बॉन्ड का यूनिक नंबर होता है। इसके जरिए आसानी से यह पता लगाया जा सकेगा कि आखिर किस कंपनी या व्यक्ति ने किस पार्टी को चंदा दिया है। चंदा देने वाले और चंदा पाने वालों की सभी जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध रहेगी। इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि बॉन्ड नंबरों से पता चल सकेगा कि किस दानदाता ने किस पार्टी को कितना चंदा दिया है। केंद्र सरकार की इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम शुरू से ही विवादों में घिरी रही है। इस स्कीम के तहत जनवरी 2018 और जनवरी 2024 के बीच 16,518 करोड़ रुपये के इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदे गए थे और इसमें से ज्यादातर राशि राजनीतिक दलों को चुनावी फंडिंग के तौर पर दी गई थी। इस राशि का सबसे बड़ा हिस्सा केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी को मिला था। इन बॉन्ड्स पर पारदर्शिता को लेकर कई सवाल उठ रहे थे और ये आरोप लग रहा था कि ये योजना मनी लॉन्डरिंग या काले धन को सफेद करने के लिए इस्तेमाल हो रही थी। इलेक्टोरल बॉन्ड्स की वैधता पर सवाल उठाते हुए एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर), कॉमन कॉज और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी समेत पांच याचिकाकताओं ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। एडीआर के संस्थापक और ट्रस्टी प्रोफेसर जगदीप छोकर ने कहा कि यह फैसला काबिल-ए तारीफ है। इसका असर ये होगा कि इलेक्टोरल बॉन्ड्स स्कीम बंद हो जाएगी और जो कॉरपोरेट्स की तरफ से राजनीतिक दलों को पैसा दिया जाता था जिसके बारे में आम जनता को कुछ भी पता नहीं होता था, वो बंद हो जाएगा। इस मामले में जो पारदर्शिता इलेक्टोरल बॉन्ड्स स्कीम ने खत्म की थी वो वापस आ जाएगी।

किसानों ने नहीं मनाई होली, धरने पर रहे बैठे

पिंडरा। काशी द्वार के विरोध में लगातार 27 दिनों से धरने पर बैठे किसानों ने होली नही मनाई। होली के दिन भी तहसील में धरने पर बैठे रहे। किसान मजदूर संयुक्त मोर्चा के बैनर तले आयोजित धरने में उपस्थित किसानों ने कहाकि जब तक शासन प्रशासन किसानों की बात नही सुनती, तब तक धरने पर बैठे रहेंगे। मंगलवार को भी किसान धरने पर रहे और शासन प्रशासन के ढुलमूल रवैये पर आक्रोश जताया। इस दौरान फतेहनारायन सिंह, शिवशंकर शास्त्री, रघुवर प्रसाद, रामजी सिंह, श्यामनारायण सिंह, तूफानी, रामजी सिंह,दूधनाथ, सुनील पटेल, जितेंद्र पटेल, अशोक पटेल,मेवालाल, ऋषिनारायन, अजित पटेल व सन्तोष पटेल समेत अनेक लोग रहे। वही दूसरी तरफ कुआर बजार के पूर्व ग्राम प्रधान संजय जायसवाल के परिवार वालो ने भी पीडब्ल्यूडी और तहसील प्रशासन पर अड़ियल और गैर जिम्मेदाराना बयानबाजी और हाईकोर्ट को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए होली का पर्व नही मनाया। बताते चलें कि बाबतपुर जमालापुर मार्ग के चौड़ीकरण की जद में पूर्व ग्राम प्रधान का मकान भी आ रहा है। पीडब्ल्यूडी उसे एक तरफ अतिक्रमण बता कर तोड़ रहा है तो दूसरी तरफ हाईकोर्ट में यह हलफनामा दिया कि उनके मकान को नही तोड़ा जा रहा है। इसी बात को लेकर लोग आक्रोशित है।

सिकुड़ता वसंत पारिस्थितिकी तंत्र के लिए चुनौती

दीपिका अरोड़ा

यह चिंता का विषय है कि मनुष्य की लिप्साओं ने वायुमंडलीय पर्यावरण को प्रदूषित करते हुए धरती को संकट के कगार पर ला छोड़ा है। विगत वर्षों से अनवरत बढ़ता वायुमंडलीय तापमान आज एक चिंताजनक मुद्दा बन चुका है। विगत वर्ष ग्रीन हाउस गैसों, भूमि व जलीय तापमान तथा ग्लेशियरों एवं समुद्री बर्फ के पिघलने में हुई रिकार्डतोड़ वृद्धि का उल्लेख करते हुए, हाल ही में संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने ग्लोबल वार्मिंग के संबंध में रेड अलर्ट जारी किया। इसके तहत, वर्ष 2023 को अब तक का सर्वाधिक गर्म वर्ष घोषित किया गया। विशेषज्ञों के मुताबिक, गत वर्ष ग्रीष्मकालीन अवधि अन्य वर्षों की अपेक्षा अधिक रही। ग्लेशियरों के स्वास्थ्य पर इसका प्रतिकूल प्रभाव देखने में आया, ध्रुवीय बर्फ पिघलने के समस्त रिकार्ड ध्वस्त होते दिखाई पड़े। विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने ह्यवैश्विक जलवायु की स्थितिह्व रिपोर्ट पर चिंता जताते हुए, बहुप्रतीक्षित जलवायु लक्ष्य को खतरे में बताया। यूरोपीय संघ की कॉपरनिकस क्लाइमेट सर्विस के अनुसार, मार्च 2023 से फरवरी 2024 तक, 12 माह की अवधि में तापमान 1.5 डिग्री सीमा से आगे निकल गया, जो औसतन 1.56 सैल्सियस (2.81 फॉरेनहाइट) रहा है। 2023 में वर्ष की रिकॉर्ड गर्म शुरूआत ने 12 महीने के औसत स्तर में वृद्धि कर दी। तापमान का निरंतर बढ़ना, धरती पर संकट के संदर्भ में एक स्पष्ट चेतावनी है। जीवाश्म ईंधन जलने से कार्बन डाइऑक्साइड का बढ़ता स्तर इसका प्रमुख कारण रहा। 2023 के मध्य 90 फीसदी से अधिक महासागरीय जल में कम से कम एक बार लू का अनुभव किया गया। गौरतलब है, 1950 के बाद से ग्लेशियरों में बर्फ रिकॉर्ड स्तर पर गायब हो रही है। अंटार्कटिक समुद्री बर्फ घुलकर, अब तक के सबसे छोटे आकार में पहुंच गई है। इस वायुमंडलीय विक्षोभ के विषय में भारतवर्ष भी अपवाद नहीं। 1970 के बाद से ग्लोबल वार्मिंग को लेकर, अमेरिका स्थित क्लाइमेट सेंट्रल के शोधकर्ताओं द्वारा भारत के संदर्भ में किए गए विश्लेषण के मुताबिक, भारत में सर्दियों का मौसम तेजी से गर्म हो रहा है; वसंत ऋतु की अवधि लगातार सिमट रही है। देश के कई भागों में तो वसंत ऋतु जैसे गायब ही हो चुकी है। शोधकर्ताओं के अनुसार, सिकुड़ता वसंत भविष्य में पारिस्थितिकी तंत्र के लिए नई चुनौतियां उत्पन्न कर सकता है।

ग्रामीण क्षेत्रों में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया होली का पर्व

पिंडरा। ग्रामीण क्षेत्रों में हर्षोल्लास के साथ होली का पर्व सोमवार मनाया गया और लोगों ने एक दूसरे को रंग व अबीर गुलाल लगाकर गले मिले। इस दौरान जगह जगह छिटपुट मारपीट व गली की घटनाएं हुई। क्षेत्र के पिंडरा, फूलपुर, मंगारी, सिंधोरा, गरथमा,कठिराव, कुआर व ताड़ी नेवादा में जोश के साथ होली का त्योहार मनाया गया। डीजे व ढोल नगाड़ों के साथ युवा खूब बस्ती करते दिखे। युवाओं को देख बच्चो ने जमकर होली खेली। कई जगह फगुवा गीत व होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया।

राशन डीलरों की कमीशन वृद्धि को लेकर हाईकोर्ट जायेगा संगठन : गिरीश तिवारी

प्रखर वाराणसी। आल इंडिया फेयर प्राइज शाप डीलर्स फेडरेशन उत्तर प्रदेश जनपद वाराणसी के ब्लाक बड़ागांव के कोटेदार भाइयों की बैठक साधोगज बाजार जिला सचिव आनन्द जायसवाल के आवास पर हुई बैठक की अध्यक्षता प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष गिरीश तिवारी जी ने किया बैठक में कमीशन वृद्धि को लेकर हाईकोर्ट में याचिका पर विचार विमर्श किया जो पूर्व में दाखिल किया गया तथा संगठन को मजबूत करने की दिशा में चर्चा किया गया बैठक में जिला अध्यक्ष लक्ष्मीकांत पाण्डेय जिला उपाध्यक्ष संदीप मिश्रा जिला महासचिव अशोक कुमार जिला उपाध्यक्ष आलोक दूबे जिला सचिव आनन्द जायसवाल ब्लाक अध्यक्ष दिवाकर दूबे जिला सचिव सजीव कुमार हाकिम सिंह शिव तिवारी फखरूद्दीन तमाम कोटेदार साथी उपस्थित रहे।

समस्त देशवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएं

सत्येंद्र सिंह (पर्यावरणविद्)
संयोजक- भाजपा सोशल मीडिया
प्रदेश अध्यक्ष-लॉ ऑफ लेबर
एडवाइजर्स एसोसिएशन उ.प्र.
औद्योगिक श्रम कानून सलाहकार
एवं सोशल ऑडिटर, अध्यक्ष -
उत्थान समिति

समस्त देशवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएं

संजय सिंह
संस्थापक एवं प्रबंध
निदेशक- सेंट जेवियर्स
वर्ल्ड स्कूल पट्टीनरेंद्रपुर
शाहगंज जौनपुर

कलाकारों ने ताजा कीं बचपन की यादें

रंगों का त्यौहार होली सर्दियों के समापन और वसंत के आगमन का प्रतीक है। इस त्यौहार के अवसर पर, टीवी के कलाकारों ने बताया कि वे बचपन में इस त्यौहार को कैसे मनाते थे और वे इस साल इसे कैसे मनाने की योजना बना रहे हैं -

रोहित सुचंती : होली प्यार और रंगों का त्यौहार है। मुझे बहुत अच्छा लगता है कि पूरे शहर का माहौल बदल जाता है। जश्न मनाना और फिर रंगों के साथ मजेदार उत्सव मनाना। जब मैं बच्चा था, मैं अपनी मां के साथ होलिका दहन के लिए जाता था और भुने हुए नारियल, मूंगफली और रेवड़ी का आनंद लेता था। अगले दिन दोस्तों के साथ पानी के गुब्बारों और रंगों के साथ होली खेलने जाते थे, मुझे सचमुच वो दिन बहुत याद आते हैं। इस साल, छोटे-से होली मिलन समारोह में दोस्तों से जरूर मिलूंगा और उनके साथ कुछ समय बिताऊंगा। जी में एक बार मथुरा के मशहूर होली में जरूर जाना चाहता हूं। यह मेरी बकेट लिस्ट में है, उम्मीद है कि अगले साल मैं अपने माता-पिता को ले जाऊंगा।

अंगद हसीजा : होली मेरे पसंदीदा त्यौहारों में से है। यह बचपन की ढेर सारी यादों से भरा हुआ है। दोस्तों के घर जाना, रंग-बिरंगे गुलाल उड़ाना और पानी के गुब्बारे फेंकना याद है। यह मौज-मस्ती का समय था, जिसमें परिवार और दोस्त साथ आए थे। मैं होली पार्टियों के लिए तैयार होता था, मेरी मां मेरी त्वचा और बालों की सुरक्षा के लिए तेल लगाती थीं। सुबह उठकर गुब्बारों में रंगीन पानी भरना और उन मजेदार मुकाबलों का इंतजार करना था। ये पल सचमुच खास थे!

मोनिका खन्ना : होली हमें सिखाती है कि अच्छाई हमेशा बुराई पर जीतती है इसलिए सच्चा रहना हमेशा मदद करेगा। यह त्यौहार हर जीवन में प्यार और खुशियां लाता है। जब हम छोटे थे तो हम होली से एक हफ्ते पहले होली मनाना शुरू कर देते थे। हम अपनी बिल्डिंग की छतों पर जाते थे, गुब्बारों में पानी भरते थे और दोस्तों के साथ गुब्बारों से मुकाबला करते थे। शो के सेट पर मिठाइयां, दाल पकवान, बिरयानी, पूरन पोली और अन्य व्यंजन लाने और दावत करने का फैसला किया है।

शक्ति आनंद : होली यानी रंगों का त्यौहार, बहुत सारी मौज-मस्ती और उत्साह का प्रतीक है। हर साल, मैं होली पार्टी में जाता हूं या घर पर पार्टी करता हूं। हमने हमेशा खीर पूड़ी, आलू की सब्जी और अचार जैसा स्वादिष्ट भोजन किया है लेकिन इस साल, छुट्टी की योजना बनाई है, हम इको-फ्रेंडली होली मनाने वाले हैं। मैं फैंस को प्रातिक रंगों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करता हूं जो त्वचा के लिए सुरक्षित हैं।

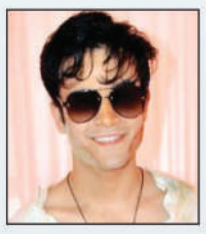

कृष्णा कौल : होली रंगों जीवन में प्यार और प्रकाश लाने की दिव्य शक्ति है। बचपन में, मैं होलिका दहन के लिए बहुत उत्साहित रहता थाए अगली सुबह रंगों के साथ दोस्तों और पड़ोसियों के साथ इसे मनाता था! इस साल, होली मुंबई में दोस्तों के साथ मनाऊंगा क्योंकि वे सभी अब मेरा परिवार हैं। मैं केवल हर्बल रंगों का उपयोग करने की कोशिश करता हूं।

निक्की शर्मा : मैं अपनी मां के साथ होली मनाती हूं। मुझे होली बहुत पसंद है क्योंकि यह दोस्तों को रंग लगाने और मस्ती करने के बारे में है। सभी ऐसे रंगों का उपयोग कर जो हानिकारक न हों!

मनित जौरा : होली बहुत ही प्यारा त्यौहार है। यह मजेदार है लेकिन अच्छा सबक भी सिखाता है। यह दिन भगवान विष्णु के नरसिम्हा नारायण अवतार की हिरण्यकश्यप पर जीत का जश्न मनाता है, जो बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है। मैं स्कूल में सेलिब्रेट करता थाए अगले दिन सुबह अपनी सोसाइटी के दोस्तों के साथ जश्न मनाता था। मां हमें स्वादिष्ट भोजन खिलाने के साथ-साथ, चिंता भी करती रहती थी कि पानी में भीगने के कारण मुझे सर्दी या बुखार न हो जाए। पुराना दौर कुछ और ही था।

येशा रुघानी : मेरे लिए, इस त्यौहार का मतलब सुंदर रंगों के साथ-साथ गुजिया, दही वड़ा और मालपुआ जैसे स्वादिष्ट पकवान हैं। यह रंगों का त्यौहार है लेकिन किसी पर भी रंगों का उपयोग करने के लिए सामने वाले की सहमति बहुत जरूरी है। सभी को जानवरों के प्रति विचारशील होना चाहिए और सुनिश्चित करना चाहिए कि हम उन्हें रंग न लगाएं, या उन्हें परेशान न करें। यदि कोई ऐसा करता है तो हमें उसे रोकना चाहिए।

विभव रॉय : होली मै माँ और पापा के मनाऊंगा। वो ज्यादा होली नहीं खेलते पर हम एकदूसरे को गुलाल जरूर लगाएंगे, साथ मिलकर खाना खाएंगे और खूब गप्पे लड़ाएंगे। होली वाला दिन चीट डे होता है और इसदिन मै डायट की परवाह नही करता, जमकर गुजिया, मालपुआ खाता हूँ। होली में पार्टियों में जाता हूँ और होली खेलता हूँ। बचपन के दिनों में मेरी मम्मी बहुत स्ट्रिक्ट थी, हम मम्मी को रंग लगाते थे।

अंकित बठला : मुझे होली वाले दिन तीन चीजों से बहुत प्यार है- गुजिया, कलर और रेनडांस। मम्मी सुबह उठकर पूरी बॉडी पर तेल लगाती थी, चेहरे पर क्रीम लगाती थी ताकि रंग हमपर ना चढ़े। .खास सफ़ेद कपडे .खरीदते थे और रंग बाज़ार से लेते थे और दोस्तों के साथ खाना खाएंगे, रेन डांस करेंगे।

अनेरी वजानी : मुझे सबसे पहले 'रंग बरसे भीगे चुनर वाली रंग बरसे' गाने की याद आती है। होली हो बहुत एन्जॉय करते थे और रंगों से भरे गुब्बारों से मारते थे। मै अपनी होली हमेशा सूखे रंगों से खेलती हूँ क्योंकि हमें पानी की बचत करनी चाहिए।

अंश बागरी : जीवन में हर रंग का अपना महत्व है, जो विभिन्न भावनाओं का प्रतिनिधित्व करते है। जहाँ काला रंग अंधेरे को, वही सफ़ेद रंग शांति का प्रतीक होता है। मै भावनाओं में डूब जाता हूं प्यार के लिए थोड़ा सा लाल रंग रखता हूं। बचपन की पानी से होली याद करके .खुशी मिलती है। सुखी होली खेलें।

गीतांजलि मिश्राः होली उत्तर प्रदेश के महत्वपूर्ण त्यौहारों में से है, जिसे बड़े ही उत्साह से मनाया जाता है। यूपी के अलग-अलग हिस्सों में अनोखी परंपराएं और उत्सव होते हैं। मथुरा में महिलाएं राधा रानी मंदिर की मशहूर "लठ मार होली" के दौरान पुरुषों को लाठियों से पीटती हैं। भजन भी गाती हैं। कानपुर में होली का रंग सात दिनों तक चढ़ा रहता है और शानदार गंगा मेला के साथ उसका समापन होता है। वाराणसी में होली की शुरूआत होलिका दहन से होती है और गंगा घाटों पर उत्सव मनाया जाता है। रंगों से भरे मिलन समारोह होते हैं। ठंडाई और गुझिया से त्यौहार का मजा बढ़ जाता है।

शुभांगी अत्रे : "मध्यप्रदेश होली उत्सवों के लिये काफी मशहूर है, जो लगातार दो दिन तक चलते हैं। पहले दिन विभिन्न मंदिरों में अलाव जलाये जाते हैं। दूसरे दिन लोग एक-दूसरे पर चटकीले रंग लगाकर बसंत ऋतु का उत्सव मनाते हैं। पारंपरिक पकवानों पर टूट पड़ते हैं, जैसे गुझिया और लड्डू। उत्सव के दौरान गाने, जोश से भरा डांस और ढोल की थाप देख सकते हैं।

हितेन तेजवानी : जल संरक्षण और प्राकृतिक रंगों को अपनाकर इस उत्सव को यादगार बनाएं। सुरक्षित रहें और प्रियजनों के साथ बिताए पलों को संजोएं।

अंजलि तत्रारी : होली जीवन में खुशी और विविध रंग लाती है। मै परिवार और दोस्तों के साथ बिताए पलों का भरपूर आनंद लेती हूं। रंगों और हंसी के साथ जीवन का जश्न मनाएं।

अदिति राठौर : पानी बचाकर ज़िम्मेदारीपूर्वक जश्न मनाएं। हम शूटिंग के दौरान कई दिनों तक रंगों से खेलते है। मुझे रंगीन उत्सवों में खो जाना पसंद है।

समर वरमानी : होली घर पर पारिवारिक समारोह के रूप में मनाई जाती थी, अब दोस्तों के साथ आनंद लेने के बारे में हो गई है। मुझे सावधान रहना पड़ता है इसलिए मै अपनी त्वचा को रंगों से बचाने के लिए रूटीन का पालन करता हूं। प्राकृतिक रंगों के साथ खेलना जरूरी है।

गिरीश सहदेव : कविता से भावनाओं को व्यक्त करना चाहूंगाः

आया रंगों का त्यौहार, लाया उम्मीदों की बौछार।
खेलो संग सखी और सखा, पर ना हो कोई तुमसे खफा।
ध्यान रहे कोई रूठे ना, ना चोट लगे कोई हड्डी टूटे ना।

होली के लिए त्वचा की देखभाल

होली बेहद आनंद और खुशी का समय है। उत्साह के बीच, त्वचा को सिंथेटिक रंगों से होने वाले संभावित नुकसान से बचाने के लिए त्वचा की देखभाल के महत्व को याद रखना महत्वपूर्ण है। कलाकारों ने त्वचा की देखभाल की रूटीन के बारे में बताया-

अदिति राठौर - होली के चमकीले रंगों में त्वचा की सुरक्षा करना महत्वपूर्ण है। मै सरल लेकिन दमदार रूटीन पर भरोसा करती हूंः मॉइस्चराइज़र और सनस्क्रीन की पर्याप्त परत।

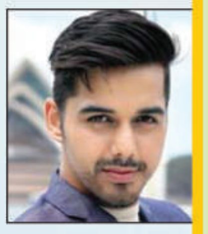

समर वरमानी - हर किसी की तरह मै भी रंगों से भरे इस उत्सव का बेसब्री से इंतज़ार कर रहा हूं। मुझे अपनी त्वचा का काफी ज्यादा ख्याल रखना पड़ता है। होली से पहले, मै ढेर सारा मॉइस्चराइजर और सनस्क्रीन लगाता हूं। मै दाढ़ी पर जैतून का तेल या दाढ़ी का तेल लगाकर उसकी खास देखभाल करता हूं। टैनिंग से बचने के लिए धूप में होली खेलते समय पूरी बांह के कपड़े पहनना भी ज़रूरी है। रंग हटाने के लिए माइल्ड क्लींज़र, माइल्ड साबुन और गुनगुने पानी का उपयोग करता हूं फिर इसे और मॉइस्चराइज़ करता हूं।

गरिमा परिहार - मै हमेशा चेहरे पर नारियल का तेल लगाकर होली उत्सव की शुरुआत करती हूं। यह रंग के खिलाफ मेरा सीक्रेट हथियार है, जिससे मौज-मस्ती से भरे उत्सव के बाद रंगों को साफ करना आसान हो जाता है।

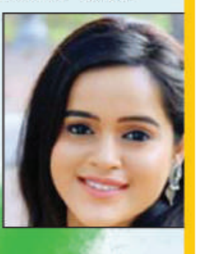

चिन्मयी साल्वी - मेरी त्वचा बहुत कुछ झेलती है, खासकर होली जैसे सीज़न के दौरान। रंगों और उत्सवों के बीच, मै हमेशा प्रभावी स्किन केयर रूटीन पर भरोसा करती हूं। मै पर्याप्त मात्रा में नारियल तेल लगाती हूं। फिर, हाइड्रेटिंग मॉइस्चराइज़र से सील करती हूं, जिससे त्वचा कोमल और चमकदार बनी रहे। ■

बॉलीवुड

बोमन की 'द मेहता बॉयज' है विचारोत्तेजक

प्रशंसित अभिनेता बोमन ईरानी ने लंबे समय से प्रतीक्षित निर्देशन की पहली फिल्म 'द मेहता बॉयज़' की घोषणा कर दी। इस जुनूनी प्रोजेक्ट के लिए काफी समय के बाद, अभिनेता ने न केवल निर्देशन किया बल्कि ऑस्कर विजेता लेखक एलेक्स डिनेलारिस के साथ पटकथा भी लिखी। फिल्म की घोषणा के तुरंत बाद स्टार पृथ्वीराज सुकुमारन ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके बोमन ईरानी की पहली फिल्म के लिए समर्थन दिखाया। सुकुमारन ने साझा किया- "मुझे स्क्रिप्ट पढ़ने का सौभाग्य मिला। बेहद विचारोत्तेजक! इसके लिए बोमन के दृष्टिकोण को देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकता।" जिस पर अभिनेता ने जवाब दिया- "भाई, आप इसका अनुभव करने वाले पहले व्यक्ति होंगे। साझा करने के लिए इंतजार नहीं कर सकते। आपकी पोस्ट से प्रभावित हुआ।" दो कलाकारों को कला में एक-दूसरे का समर्थन करते हुए देखना सुखद है, जो उनके संबंधित क्षेत्रों से परे विशेष बंधन को दर्शाता है। 'द मेहता बॉयज़' पिता-पुत्र के रिश्ते की जटिल गतिशीलता पर प्रकाश डालता है, जो 48 घंटे की तनावपूर्ण अवधि में सामने आता है। अपने आशाजनक टीज़र के साथ, फिल्म बोमन के पात्रों के उत्कृष्ट चित्रण की झलक पेश करती है, जो उनके सार को सटीकता के साथ पकड़ती है। अनुभवी कहानीकार के रूप में, बोमन ने सम्मोहक कथाएँ गढ़ने की अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है, जिससे रिलीज़ का बेसब्री से इंतजार है। 'द मेहता बॉयज़' आगामी वर्ष के शो और फिल्मों की रोमांचक श्रृंखला के हिस्से के रूप में अमेज़न प्राइम वीडियो पर प्रीमियर के लिए तैयार है। बहुप्रतीक्षित में 'सिटाडेल हनी बन्नी', 'कॉल मी बे', 'मटका किंग' और 'अश्वतमा' शामिल है।

रहस्यमय और कई शेड्स हैं- बेहजाद

सोनी सब का वंशज में एक साल का लीप आया है, और युविका की हमशक्ल युक्ति की एन्ट्री हुई है। बेहजाद खान ने मिस्टर मुल्तानी की भूमिका में प्रवेश किया है । बेहज़ाद ने गहराई से बात की-

ये सिग्नेचर अंगूठियां, हैट और ट्रेंच कोट - हर एक्सेसरीज़ और परिधान मेरी भूमिका के लिए आवश्यक है। ये केवल ड्रेसअप होने से कहीं बढ़कर है, ये लाइफस्टाइल के प्रतीक है - स्टाइलिश, विशाल व्यक्तित्व जो मेरी भूमिका से मेल खाता है। हर शॉट मास्टरपीस जैसा लगता है। किसी रहस्यमय किरदार को निभाना बहुत दिलचस्प और चुनौतीपूर्ण होता है क्योंकि किसी सीन के अंत में, संवादों के अंत में, आप हमेशा मन में संदेह, रहस्य की भावना छोड़ देते है। मुल्तानी रहस्यमयी है, जिसमें कई शेड्स हैं । जबकि अधिकांश किरदार या तो अच्छे या बुरे है, मेरा किरदार रहस्यमय बना हुआ है। न तो पूरी तरह से अच्छा और न ही पूरी तरह से बुरा, मै कहानी में कई शेड्स और पहलू लाता हूं। यह जटिलता ही मेरे किरदार को अनूठा बनाती है, कहानी में गहराई लाती है। मुल्तानी की एंट्री बहुत सारे छिपे रहस्यों और सच्चाइयों को उजागर करेगी। हंगामा मचाएगी। किरदारों और उनके अतीत के बारे में और जानकारी देगा।

बच्चे को गले लगाना सबसे अच्छा - दीपिका

कलर्स का नवीनतम शो, 'मंगल लक्ष्मी' दो बहनों की कहानी है, जो अपने रिश्तों में गरिमा बनाए रखने का प्रयास करती है। मंगल (दीपिका सिंह) मां, पत्नी, और आदर्श बहू है। अपने वास्तविक जीवन में, वह मां के कर्तव्य, अभिनय और पेशेवर डांस के बीच संतुलन बना रही है। दीपिका ने कहा- "मातृत्व, एक्टिंग और डांस के बीच संतुलन बनाना चुनौतीपूर्ण है लेकिन यह मेरे लिए फायदेमंद है, मुझे अपने बच्चे की परवरिश करते हुए अपने जुनून को आगे बढ़ाने का अवसर मिला। कड़ी मेहनत ही सफलता की कुंजी है। जब मैं लेट शिफ्ट के बाद घर जाती हूं और अपने बच्चे को गले लगाती हूं, तो यह मेरे लिए सबसे अच्छा एहसास होता है। मेरे बच्चे को को-कुरिकुलर्स पसंद है इसलिए उसने स्वेच्छा से उन कक्षाओं में जाने के लिए कहा है ,जो उसे व्यस्त रखती है। मां और कलाकार का किरदार निभाने से मुझे व्यक्तिगत और व्यावसायिक रूप से आगे बढ़ने में मदद मिली है।"

अपनी मां को सेट पर ले गए माहिर

सोनी सब का वंशज में दिग्विजय उर्फडीजे की भूमिका निभाने वाले माहिर पांधी अपनी मां को शो के सेट के टूर पर ले गए। सेट पर ही अपनी नई कार लाकर उन्हें सरप्राइज़ दिया। पांधी ने कहा- "कई सालों से, मेरे परिवार ने मुझे कभी सेट पर काम करते नहीं देखा। जब आप अपनी मां की आंसुओं से भरी आंखों में खुशी देखते है, तो हर चीज़ बस समझ में आ जाती है; कड़ी मेहनत रंग लाती है और आपको पता चलता है कि यह सब इसके लायक है। मां ने पहली बार देखा कि सब कुछ कैसे होता है, और पूरे दिल से खुशी हुई। मैने उन्हें नई कार से सरप्राइज़ दिया। उनकी आंखों में खुशी की चमक देखना, बेहद भावनात्मक था।"

एकेडमी अवार्ड्स में सर्वाधिक पुरस्कार जीतने वाली ओपेनहाइमर

स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म जिओसिनेमा, 2023 की बहुचर्चित बायोलॉजिकल लिंर, ओपेनहाइमर को प्रदर्शित कर रहा है। फिल्म को 96वें एकेडमी अवार्ड्स के लिए तेरह श्रेणियों में नामांकित किया गया था, इसने बेस्ट पिक्चर, बेस्ट डायरेक्टर, बेस्ट एक्टर और बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर सहित अवार्ड नाइट के सबसे बड़े पुरस्कारों हासिल की थी। ओपेनहाइमर न केवल बॉक्स-ऑफिस पर काफी सफल थी बल्कि समीक्षकों की पसंदीदा भी थी।

क्रिस्टोफर नोलन द्वारा निर्देशित और सिलियन मर्फी, एमिली ब्लंट, मैट डेमन, फ्लोरेंस पघ, रॉबर्ट डाउनी जूनियर और कई अन्य द्वारा अभिनीत, यह मूवी हिंदी और अंग्रेजी में है।यह मनोरंजक लिंर द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान परमाणु बम के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले, प्रतिभाशाली अमेरिकी सैद्धांतिक भौतिक विज्ञानी, जे. रॉबर्ट ओपेनहाइमर के जीवन पर है। जिन्हें "परमाणु बम के जनक" के रूप में जाना जाता है। इसने गोल्डन ग्लोब्स में बेस्ट ड्रामा मोशन पिक्चर, बेस्ट डायरेक्टर ऑफ अ मोशन पिक्चर और बेस्ट एक्टर ऑफ अ मोशन पिक्चर सहित 8 पुरस्कार जीते। बाफ्टा फिल्म अवार्ड्स में, ओपेनहाइमर ने बेस्ट फिल्म और बेस्ट डायरेक्टर सहित सात पुरस्कार जीतें। इसके अलावा, इसने क्रिटिक्स च्वाइस अवार्ड्स 2024 में आठ श्रेणियों में जीत हासिल की। फ्लोरेंस पघ, रॉबर्ट डाउनी जूनियर, गैरी ओल्डमैन, रामी मालेक और केनेथ ब्रानघ जैसे शानदार कलाकारों ने दिल जीता है।

परीक्षा का बुखार और देशना अध्ययन मंत्र

15 वर्षीय युवा कलाकार, देशना दुगड़ सोनी सब के पुष्पा इम्पॉसिबल में राशि पटेल की भूमिका निभा रही हैं।ऑफ-स्क्रीन, देशना शिक्षा के प्रति प्रतिबद्ध रहने के बीच भी संतुलन बना रही हैं। अपनी 10वीं बोर्ड की परीक्षा देते हुए, ऑन-स्क्रीन और वास्तविक जीवन दोनों भूमिकाओं में समर्पण और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया है, संक्षिप्त बातचीत में अध्ययन मंत्र साझा किया -

अपनी बोर्ड परीक्षाओं के दौरान, मैंने परीक्षा से पहले शूटिंग से छुट्टी लेकर अपना समय प्रबंधित किया। मुझे पढ़ाई करने के लिए शूटिंग के दौरान 2 से 3 घंटे का विशिष्ट स्लॉट दिया, जिससे मुझे दोनों में संतुलन बनाने में मदद मिली। सच कहूं, तो मैंने कोई विशेष रणनीति नही बनाई। मै सिर्फअपनी 10वी की परीक्षा पास करने पर ध्यान दिया। मै पिछले दो महीनों में ज्यादा बाहर नहीं गई, सिर्फअपनी पढ़ाई और शूटिंग पर ध्यान दिया। गणित चुनौतीपूर्ण था, लेकिन मै दृढ़संकल्पित रही और मेरा पेपर अच्छा रहा।बोर्ड परीक्षाओं और शूटिंग दोनों की तैयारी के लिए, मैंने बहुत सारे सैंपल पेपर हल किए। इससे मुझे अपने कमज़ोर टॉपिक्स को पहचानने और ध्यान देने में मदद मिली। मेरा स्कूल बेहद सहायक था। मेरे शिक्षक किसी भी सवाल या समस्या में मदद के लिए हमेशा उपलब्ध थे। मै आभारी हूं। परीक्षा के दौरान पढ़ाई और अभिनय में संतुलन बना रहे अन्य युवा कलाकारों से, मै कहना चाहूंगी कि समझदारी से प्राथमिकताएं तय करें।

मेरी दो मांएं- श्रुति चौधरी

कलर्स का 'मेरा बलम थानेदार' - बुलबुल (श्रुति चौधरी) और वीर (शगुन पांडे) की कहानी है।

सुप्रिया शुक्ला (सुलक्षणा) के साथ काम करने के बारे में श्रुति टिप्पणी करती है कि उन्हें अपनी ऑनस्क्रीन सास से बेटी की तरह लाड़-प्यार मिलता है, जो उन्हें बेहद पसंद है।श्रुति कहती है- "मुझे लगता है जैसे मेरी दो मांएं है। सुप्रिया मैम सेट पर घर का बना खाना लाती है, हम साथ में खाने का आनंद लेते है। मुझे बहुत लाड़-प्यार दिया जाता है। मुझे उनमें गुरु दिखता है, मैं लगातार उनके मार्गदर्शन और समर्थन से प्रभावित होती हूं। वह मुझसे अपनी बेटी की तरह प्यार करती है।"

काव्या का रीबूट सुम्बुल

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन की कहानी, 'काव्या - एक जज़्बा, एक जुनून' में ओमी की मौत हो जाती है जबकि काव्या कोमा में है। खान कहती है - "9 महीने के लीप के साथ काव्या ज्यादा बेबाक और ज्यादा साहसी है। जो कुछ भी उसका है उसे वापस पाने का उसका दृढ़ संकल्प उसे अजेय बना देगा! हर स्थिति आपको कुछ न कुछ सिखाती है; काव्या ने यह सब सहा है लेकिन उसने हमेशा सही काम किया है।"

■

टॉप 15 प्रतियोगी

देश भर से प्रतिभाओं का स्वागत करते हुए, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का बच्चों का देसी सिंगिंग रियलिटी शो, सुपरस्टार सिंगर 3 की शुरुआत हो चुकी है! 'टॉप 15' प्रतियोगियों का खुलासा किया, जिन्हें हर कैप्टन की टीम में 3 प्रतियोगियों के साथ 5 टीमों में विभाजित किया। चंडीगढ़ की 14 वर्षीय गायिका लाइसेल राय ने नेहा कक्कड़ को इतना भावुक कर दिया कि कक्कड़ ने कहा कि लाइसेल का वर्शन उनसे बेहतर है। नई दिल्ली की 8 वर्षीय पीहू शर्मा ने 'वो तेरे मेरे इश्क का', बेंगलुरु की 13 वर्षीय देवानासरिया कूमुल्लिल हिंदी में पारंगत नहीं है, लेकिन 'तेरे मेरे बीच में' का उनका गायन मनमोहक था। महाराष्ट्र के 11 साल के अथर्व बख्शी ने 'पत्ता पत्ता बूटा बूटा' गाकर कक्कड़ का दिल जीत लिया। पंजाब के 13 वर्षीय मास्टर आर्यन ने 'दिल्लगी' , पश्चिम बंगाल के 14 वर्षीय शुभोदीप सूत्रधार की आवाज ने प्रभावित किया। गुरुग्राम के 10 वर्षीय निशांत गुप्ता ने 'अलबेला सजन' , यूपी के 13 वर्षीय क्षितिज सक्सेना ने 'सतरंगा' गाने के साथ प्रभावित किया। यूपी की 14 वर्षीय खुशी नागर के साथ नेहा और कप्तानों ने गाया। कोच्चि की 11 साल की वैष्णवी पणिक्कर ने 'पल भर में ये क्या हो', कोलकाता के 13 वर्षीय राजदीप घोष की 'जिंदगी कैसी ये पहेली' ने भावुक कर दिया। छोटा पैकेट बड़ा धमाका, बेंगलुरु के 7 वर्षीय अनिर्भव एस ने 'ओ साथी रे' की प्रस्तुति से प्रभावित किया। अनिर्भव की 'ओके' ने सभी को 'ओके' कर दिया। बेंगलुरु की 11 साल की चुलबुली दीया हेगड़े ने 'एक दो तीन' , कोच्चि की मिया महक ने 'पूछो ज़रा पूछो' भुवनेश्वर के 9 वर्षीय शांतनु मोहंती ने 'जबरा फैन' गाया।

आखिरी एपिसोड प्रसारित

दो प्रेमियों, पश्मीना (ईशा शर्मा) और राघव (निशांत मलकानी) की कहानी बताने वाला, सोनी सब का शो 'पश्मीना - धागे मोहब्बत के' इस सप्ताह समाप्त हो रहा है। कश्मीर की खूबसूरत पृष्ठभूमि पर आधारित, दर्शकों को न केवल लैंडस्केप से, बल्कि मुख्य जोड़ी से भी प्यार हो गया, जिनकी केमिस्ट्री ने उन्हें महीनों तक स्क्रीन से बांधे रखा। एक लिमिटेड सीरीज़ के रूप में लॉन्च किया गया, यह शो अपने समापन पर पहुंच गया है। इसके कलाकारों ने दर्शकों के प्रति अपना हार्दिक आभार व्यक्त किया। ईशा शर्मा ने कहा- "कुछ ऐसा है, जिसे मैं हमेशा याद रखूंगी। कश्मीर में निशांत मलकानी, हितेन तेजवानी और गौरी प्रधान के साथ काम करना शानदार रहा है। सभी को बहुत-बहुत धन्यवाद।" निशांत मलकानी ने कहा- "मुझे मुख्य भूमिका निभाने का मौका देने के लिए। कश्मीर में शूटिंग करना अविश्वसनीय अनुभव था। यहां ठंड बहुत थी, जिससे शूटिंग मुश्किल हो गया।" हितेन तेजवानी कहते है- "जब हमने शुरुआत की थी तो हमें पता था कि यह लिमिटेड सीरीज़ होगी, हालांकि, जब कोई शो समाप्त होता है तो आपको दुख महसूस होता है। यह अद्भुत सफर और अनुभव रहा है।"

तन्वी मल्हारा का डर

पूर्व मिस इंडिया मल्टीनेशनल तन्वी मल्हारा, स्टार भारत के 'सावधान इंडियाः अपनी खाकी' शो में बहादुर, जांबाज और उग्र सब-इंस्पेक्टर प्रगति देशमुख का किरदार निभा रही है। तन्वी ने कहा- "जब मैने ऑडिशन दिया तो मुझे डर था कि मै सख्त पुलिसकर्मी का किरदार निभा पाऊंगी या नहीं लेकिन अभिनय के प्रति मरे जुनून ने मेरे इस काम को बहुत आसान बना दिया। प्रगति की ताकत को अपनाने का मतलब अपनी कमजोरियों का सामना करना था। प्रगति कभी चुनौतियों से पीछे नहीं हटती है और वह मेरे किरदार में झलकता है। प्रगति का चित्रण युवा महिलाओं के लिए सशक्तिकरण का प्रतीक है। मै अपना फैसला लेने के लिए दूसरों पर खासकर पुरुषों पर भरोसा करती थी। लेकिन अब, मै अपनी पसंद खुद चुनने और परिणामों का डटकर सामना करने की ताकत को समझती हूं।"

गहरे पानी के जैकेट प्लेटफॉर्म हैजी नंबर 2 की स्थापना शुरू

बीजिंग। लगभग 37 हज़ार टन के कुल वजन के साथ एशिया के सबसे बड़े गहरे पानी की जैकेट 'हैजी नंबर 2' ने 24 मार्च को अपतटीय स्थापना कार्य शुरू कर दिया है। यह एशिया में पहली बार है कि 300 मीटर से अधिक पानी में फिक्स्ड जैकेट इंस्टॉलेशन ऑपरेशन चलाया गया है। सफल स्थापना के बाद यह पानी की गहराई, ऊंचाई और वजन जैसे कई नये एशियाई रिकॉर्ड बनाएगा। इंस्टॉलेशन प्रक्रिया तीन दिन तक चलेगी।

रेलवे की बड़ी लापरवाही गलत रूट पर दौड़ी ट्रेन

जालंधर। पंजाब में जालंधर के सुच्ची पिंड में आईओसी पर आने वाली मालगाड़ी वहां रुकने के बजाए पठानकोट-जम्मू रूट पर निकल गई। लिहाजा जब ये सब हो रहा था तो, बिना किसी जानकारी के पठानकोट-जम्मू रूट पर मालगाड़ी देखी गई तो वहां मौजूद अधिकारियों के हाथ पैर फूल गए। जिसके बाद आनन-फानन में मालगाड़ी को होशियारपुर के मुकेरियां रेलवे स्टेशन के पास रुकवा दिया गया, और वहां से दोबारा वेगन को जालंधर के लिए रवाना किया गया।

दवाई, भोजन की कमी से इजरायली बंधक की मौत

काहिरा। फिलिस्तीनी आंदोलन हमास की सैन्य शाखा अल-कसम ब्रिगेड ने कहा कि 34 वर्षीय एक इजरायली बंधक की मौत दवा और भोजन की कमी से हुई। अल-कसम ब्रिगेड ने कहा कि हम एक 34 वर्षीय इजरायली बंधक जायोनी के बारे में सूचित करते हैं कि दवा और भोजन की कमी से उसकी मौत हो गई। अक्टूबर 2023 में, हमास ने गाजा पट्टी से इजराइल के खिलाफ बड़े पैमाने पर रॉकेट हमले शुरू किए।

ट्रांसफार्मर विस्फोट मामले में एक और मुंशी की मौत

पटना। बिहार के पटना व्यवहार न्यायालय में हुए ट्रांसफर्मर विस्फोट हादसे में गंभीर रूप से घायल एक और मुंशी की इलाज के दौरान मौत होने के बाद इस दुर्घटना में मृतकों की संख्या बढ़कर चार हो गई है। ट्रांसफार्मर में हुए विस्फोट और उसके खौलते तेल से लगी भीषण आग में गंभीर रूप से झुलसे अपील कोर्ट के वकील लिपिक जितेन्द्र कुमार की बीती रात्रि इलाज के दौरान मौत हो गई। जितेंद्र के निधन के साथ ही इस हादसे मे मरने वालों की संख्या चार हो गई है।

मौत का कारण जानने खोदी गई 11 साल की बच्ची की कब्र

ऊना। गांव रामपुर में 11 वर्षीय प्रवासी किशोरी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई लेकिन परिजनों ने पुलिस को सूचित किए बिना ही किशोरी के शव को एक खड्ड में दफना दिया। मामले की भनक लगते ही ऊना पुलिस हरकत में आई और घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी। वहीं खड्ड में दफनाएशव को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में भेज दिया है। पुलिस द्वारा फोरेंसिक टीम से भी घटनास्थल का निरीक्षण करवाया गया ताकि मौत के कारणों का खुलासा हो सके।

स्पेन में टेलीग्राम एप पर राष्ट्रव्यापी रोक का आदेश

मैड्रिड। स्पेन की राष्ट्रीय अदालत ने मीडिया कंपनियों के अनुरोध पर एहतियात तौर पर देश में मैसेजिंग ऐप टेलीग्राम को निलंबित करने का आदेश दिया है। यह जानकारी स्पैनिश मीडिया ने दी। ला वैनगार्डिया समाचारपत्र ने शनिवार को कहा कि प्रमुख स्पेनिश मीडिया समूहों मेडियासेट, एट्रेसमीडिया और मूविस्टार ने इस प्लेटफॉर्म पर बिना अनुमति के कॉपीराइट सामग्री छापने का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज की थी।

राजनाथ सिंह ने लेह में जवानों संग मनाई होली

भारत की बहादुरी व वीरता की राजधानी है लद्दाखः रक्षामंत्री

● नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को लेह में सैनिकों के साथ रंगों का त्योहार होली हर्षोल्लास के साथ मनाया। थल सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे और फायर एंड फ्यूरी कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल रशिम बाली भी इस मौके पर उनके साथ थे। रक्षा मंत्री ने सैनिकों को संबोधित करते हुए दुर्गम इलाकों और प्रतिकूल मौसम में मातृभूमि की रक्षा करने के लिए उनकी वीरता, दृढ़ संकल्प और बलिदान की सराहना की। उन्होंने कहा, ऊंचाई वाले इलाकों में तैनात सैनिकों की सकारात्मक प्रतिबद्धता शून्य से भी कम तापमान से भी ज्यादा मजबूत होती है।

उन्होंने कहा कि जैसे दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी है, मुंबई वित्तीय राजधानी है और बेंगलुरु प्रौद्योगिकी राजधानी है उसी तरह लद्दाख भारत की वीरता और बहादुरी की राजधानी है। श्री सिंह ने कहा कि पूरा देश सुरक्षित महसूस करता है, क्योंकि हमारे बहादुर सैनिक सीमाओं की रक्षा कर रहे हैं। हम प्रगति कर रहे हैं और खुशहाल जीवन जी रहे हैं क्योंकि हमारे सतर्क सैनिक सीमाओं पर तैयार खड़े हैं।

प्रत्येक नागरिक को सशस्त्र बलों पर गर्व है क्योंकि वे अपने परिवारों से बहुत दूर रहते हैं ताकि हम होली और अन्य त्योहार अपने परिवारों के साथ शांतिपूर्वक मना सकें। राष्ट्र सदैव हमारे सैनिकों का ऋणी रहेगा और उनका साहस और बलिदान आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा।

रक्षा मंत्री ने कहा कि उन्होंने एक दिन पहले ही सैनिकों के साथ होली मनाने का फैसला किया, क्योंकि उनका मानना है कि त्योहारों को सबसे पहले देश के रक्षकों के साथ मनाया जाना चाहिए। उन्होंने तीनों सेनाओं के प्रमुखों से एक दिन पहले सैनिकों के साथ त्योहार मनाने की नई परंपरा शुरू करने का आग्रह किया।

जवानों के परिवार के कल्याण में लगी है मोदी सरकार

उन्होंने सशस्त्र बलों तथा उनके परिवारों के कल्याण के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नीत केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता दोहरायी। उन्होंने कहा, ''आपकी, आपके बच्चों और माता-पिता की देखभाल करना हमारा कर्तव्य है। जिस उत्साह से आप इस देश के लिए काम कर रहे हैं, हमारी सरकार उसी उत्साह से देश की ताकतों के लिए काम कर रही है।

होली पर खूब बरसा रंग-गुलाल

हिमाचल प्रदेश के शहर मंडी में आमजन रंगों का पर्व होली को धूमधाम से मनाते हुए।

रूसी हमलों से दहला यूक्रेन, लड़ाकू विमान से 29 क्रूज मिसाइलें दागीं

नाटो देश पोलैंड का हवाई क्षेत्र के उल्लंघन का दावा

कीव। यूक्रेन में रविवार सुबह कई धमाके हुए। रूस ने चार दिन में यह तीसरा हमला किया है। अधिकारियों ने यहां यह जानकारी दी। यूक्रेनी वायु सेना ने कहा कि रूस ने यूक्रेन पर 14 टीयू-95एमसी लड़ाकू विमानों से 29 क्रूज मिसाइलें दागीं और हमले में 28 शहीद ड्रोनों का इस्तेमाल किया। दक्षिणी, उत्तरी, मध्य और पश्चिमी यूक्रेन में वायु रक्षा प्रणाली ने 18 मिसाइलों और 25 ड्रोनों को मार गिराया। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, यूक्रेन की राजधानी पर हुए हमले में कोई हताहत नहीं हुआ। लविव क्षेत्र के गवर्नर मक्सिम कोजत्स्की ने टेलीग्राम पर कहा कि मिसाइलों और ड्रोनों से हमले के बाद पश्चिमी लविव क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा सुविधा में आग लग गई। पश्चिमी खमेलनित्सकी और वोलिन क्षेत्रों में हवाई अलर्ट के दौरान विस्फोटों की आवाज सुनई दी। पोलैंड के विदेश मंत्रालय ने रविवार को दावा किया कि उसके हवाई क्षेत्र का रात में उल्लंघन हुआ है और वह इस मामले पर मॉस्को से स्पष्टीकरण मांगेगा। 39 मिनट रूसी मिसाईल पोलैंड की सीमा में रही। जिस पर पोलैंड ने आपात बैठक की। सेना ने एक्स पर लिखा, रूसी संघ की वायु सेना द्वारा रात में दागी गई क्रूज मिसाइलों में से एक ने पोलिश हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया।

कर्नाटक सरकार केंद्र के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची

नई दिल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शनिवार को कहा कि पानी की कमी से जूझ रहे राज्य को केंद्र सरकार से फंड नहीं मिल रहा है। केंद्र से नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फंड (एनडीआरएफ) रिलीज करवाने के लिए राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई है। सिद्धारमैया ने कहा कि हम पिछ्ले 5 महीने से फंड का इंतजार कर रहे हैं। हम चाहते हैं कि हमारी पानी की किल्लत दूर करने के लिए सुप्रीम कोर्ट केंद्र को फंड रिलीज करने का निर्देश दें।

कहा- हमारी पानी की किल्लत दूर करने के लिए केंद्र को फंड रिलीज करने का निर्देश दें

सुप्रीम कोर्ट में होली के चलते एक हफ्ते की छुट्टी है। हमारी याचिका पर अब अगले हफ्ते ही सुनवाई होगी। हमने राज्य के 236 तालुकों में से 223 तालुकों में सूखा घोषित किया था। हमने इसका चार बार इवेल्यूएशन भी किया। 48 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में कृषि फसलें बर्बाद हो गईं। हमने केंद्र को फंड के लिए तीन बार ज्ञापन भेजे, लेकिन हमें अब तक एक पैसा भी नहीं मिला। हम अपने राज्य के ट्रेजरी से 650 करोड़ रुपए सूखे के लिए रिलीज कर चुके हैं। इससे 33.44 लाख किसानों को 2-2 हजार रुपए पहुंचाए गए हैं। हमें और फंड की जरूरत है, इसलिए केंद्र से मांग कर रहे हैं।

पूर्व वायु सेना प्रमुख भदौरिया व नवीन जिंदल भाजपा में आए

नई दिल्ली। भारतीय वायु सेना के पूर्व अध्यक्ष एयर चीफ मार्शल (सेवानिवृत्त) राकेश कुमार सिंह भदौरिया और (वाईएसआर) नेता वरप्रसाद राव वेलागापल्ली ने रविवार को यहां भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

भाजपा के केंद्रीय कार्यालय में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े, केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर एवं राष्ट्रीय मीडिया सह प्रभारी डॉ. संजय मयूख ने उन्हें भाजपा सदस्यता दिलाई। केंद्रीय मंत्री ठाकुर ने एयर चीफ मार्शल भदौरिया और श्री वेलागापल्ली का भाजपा में स्वागत करते हुए कहा कि पीएम नरेन्द्र मोदी की नीतियों से प्रभावित होकर आज 'मोदी का परिवार' और भी बड़ा हो गया है। श्री ठाकुर ने कहा कि पिछले चार दशकों से एयर चीफ मार्शल भदौरिया ने भारतीय वायु सेना में अपनी सेवाएं दी हैं।

कुरुक्षेत्र से ताल ठोंकेंगे जिंदल

वहीं लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को तगड़ा झटका लग गया है। कांग्रेस के नेता रहे नवीन जिंदल ने कांग्रेस का साथ छोड़कर बीजेपी ज्वाइन कर ली है। नवीन जिंदल कुरुक्षेत्र से पूर्व कांग्रेस सांसद और देश के बड़े उद्योगपति हैं। नवीन जिंदल कुरुक्षेत्र से 2004 से 2009 और 2009 से 2014 तक कांग्रेस से सांसद रहे हैं। नवीन जिंदल का भाजप ने कुरुक्षेत्र से लोकसभा चुनाव में उतारा है।

होली पर 100 बरस बाद चंद्र ग्रहण, भारत में नहीं होगा सूतक

यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, जापान, रूस में दिखेगा

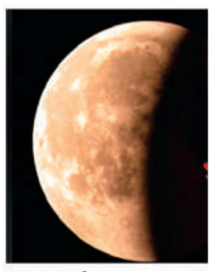

नई दिल्ली। होली पर चंद्र ग्रहण का संयोग करीब 100 साल बाद बना है। ज्योतिष गणना के अनुसार, साल का पहला चंद्र ग्रहण 25 मार्च को होली के दिन लगेगा। चंद्र ग्रहण सुबह 10 बजकर 24 मिनट से लेकर दोपहर 03 बजकर 01 मिनट तक रहेगा। यानी चंद्र ग्रहण की कुल अवधि 4 घंटे 36 मिनट की होगी। साल का पहला चंद्र ग्रहण सोमवार को लगने वाला है। यह एक खंडग्रास चंद्र ग्रहण होगा।

देशभर में होली का त्योहार भी इसी दिन मनाया जाएगा। चंद्र ग्रहण एक खगोलीय घटना है, लेकिन इसे ज्योतिषविदों के नजरिए से भी महत्वपूर्ण माना जाता है। फाल्गुन पूर्णिमा पर लगने वाला यह चंद्र ग्रहण कन्या राशि में लगेगा। 25 मार्च 2024 का चंद्र ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा, इसलिए इसका सूतक काल भी मान्य नहीं है। सूतक काल में देवी-देतवाओं की पूजा या अनुष्ठान जैसे शुभ कार्य नहीं किए जाते हैं। लेकिन इस चंद्र ग्रहण में आप इसके लिए बाध्य नहीं हैं। यह चंद्र ग्रहण उत्तर-पूर्व एशिया, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, जापान, रूस, आयरलैंड, इंग्लैंड, स्पेन, पुर्तगाल, इटली, प्रशांत, अटलांटिक और आर्कटिक महासागर जैसी जगहों से दिखाई पड़ेगा।

बसपा की 5 घंटे में दूसरी लिस्ट, 9 नाम का ऐलान

कानपुर से कुलदीप भदौरिया, आगरा से पूजा अमरोही, मथुरा से कमलकांत को उतारा

लखनऊ। लोकसभा चुनाव के लिए मायावती ने बसपा प्रत्याशियों की दूसरी लिस्ट जारी कर दी है। इसमें नौ नाम हैं। इसमें चार एससी, दो ब्राह्मण और 3 ओबीसी हैं। कानपुर से कुलदीप भदौरिया, आगरा से पूजा अमरोही और मथुरा से कमलकांत को टिकट दिया है। हाथरस से हेमबाबू धनगर, फतेहपर सीकरी से राम निवास शर्मा, फिरोजाबाद से सतेंद्र जैन सौली, इटावा से सारिका सिंह बघेल, अकबरपुर से राजेश कुमार द्विवेदी और जालौन से सुरेश चंद्र गौतम को मैदान में उतारा है। इससे 5 घंटे पहले पश्चिमी यूपी के 16 नाम की पहली लिस्ट जारी की थी। पहली लिस्ट में 7 मुस्लिम चेहरे थे। रामपुर से जीशान खां, सहारनपुर से माजिद अली और मुरादाबाद से इरफान सैफी, संभल से शौलत अली, अमरोहा से मुजाहिद हुसैन, आंवला से आबिद अली, पीलीभीत से अनीस अहमद खां उर्फ फूलबाबू हैं। मायावती ने पश्चिमी यूपी में मुस्लिम प्रत्याशियों पर दांव लगाया है। इस चुनाव में बसपा ने किसी पार्टी के साथ गठबंधन नहीं किया। मायावती ने अकेले ही सभी सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान किया था। 2019 में बसपा ने सपा और रालोद के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ा था, जिसमें बसपा ने 10 सीटों पर जीत दर्ज की थी।

बसपा ने 2 सिटिंग सांसदों का टिकट बदला: पहली सूची में बसपा ने अपने 2 सिटिंग सांसदों का टिकट बदल दिया है। बिजनौर से बसपा के सांसद मलूक नागर का टिकट काट दिया गया है। उनके स्थान पर बसपा ने बिजनौर से बिजेंद्र सिंह को प्रत्याशी बनाया है। वहीं, बिजनौर की नगीना सीट के सांसद गिरीश चंद्र जाटव को भी इस बार नगीना से नहीं उतारा गया है।

पश्चिम उप्र में 16 में सात मुस्लिम चेहरे क्यों उतारे

पश्चिमी यूपी की ज्यादातर सीटें मुस्लिम बाहुल्य हैं। इसलिए, मायावती ने 16 सीटों पर 7 मुस्लिम चेहरे उतारे हैं। 2019 की बात की जाए, तो इन 16 सीटों में तब भी बसपा-सपा-रालोद गठबंधन ने 7 मुस्लिम प्रत्याशी उतारे थे। इनमें बसपा की टिकट पर 4 मुस्लिम कैंडिडेट थे। मुरादाबाद और सहारनपुर जिले में 55 फीसदी मुस्लिम वोटर्स हैं। वहीं, रामपुर में 60 फीसदी मुस्लिम मतदाता हैं। इसी तरह संभल में 77.67 फीसदी, अमरोहा में 40.78 फीसदी, पीलीभीत में 25 फीसदी मुस्लिम आबादी है।

तपेदिक के टीके एमटीबीवैक का क्लीनिकल परीक्षण शुरू

नई दिल्ली। भारतीय दवा निर्माता कम्पनी भारत बॉयोटेक इंटरनेशनल लि. ने कहा है कि भारत में व्यस्कों पर तपेदिक के टीके एमटीबीवैक का क्लीनिकल टेस्ट आरम्भ किया है। भारत बॉयोटेक ने बयान में कहा कि तपेदिक का यह पहला टीका है जो स्पेन की बॉयोफार्मास्यूटिकल कम्पनी- बॉयोफेब्री ने मानव स्त्रोत से बनाया है। भारत बॉयोटेक ने कहा है कि भारत में टीके के टेस्ट बॉयोफेब्री के सहयोग से किए गए हैं। टेस्ट के पहले चरण में एचआईवी से प्रभावित व्यस्कों को खुराक दी गई। दूसरे चरण में एचआईवी प्रभावित व्यस्कों को भी टीके की खुराक दी गई। 2024 में शुरू किए इस टेस्ट का उद्देश्य आबादी के लिए एमटीबीवैक की सुरक्षा और प्रभावशीलता जानना है। कम्पनी ने उम्मीद जताई है कि नया टीका वैश्विक स्तर पर टीका विनिर्माण प्रक्रिया में मील का पत्थर साबित होगा।

महुआ का दावा-चुनाव प्रचार में बाधा पहुंचा रही सीबीआई

कोलकाता/नई दिल्ली। टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा का दावा है कि केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई चुनाव प्रचार में बाधा पहुंचा रही है। महुआ ने चुनाव आयोग (ईसी) को चिट्ठी लिखी है, इसके मुताबिक सीबीआई लोगों में उनके खिलाफ नकारात्मक धारणा बनाने का काम कर रही है।

टीएमसी ने महुआ को पश्चिम बंगाल की कृष्णानगर सीट से उम्मीदवार बनाया है। महुआ को सवाल के बदले पैसे (कैश फॉर क्वेरी) मामले में लोकसभा की एथिक्स कमेटी ने दोषी पाया था, जिसके बाद बाद उन्हें लोकसभा की सदस्यता से बर्खास्त कर दिया गया था। महुआ मोइत्रा ने चुनाव आयोग के लिखे लेटर में लिखा- सीबीआई मुझे परेशान और मेरे चुनाव अभियान को दबाने की कोशिश कर रही।

॥ आज का इतिहास ॥

- **412:** इटली के वेनिस शहर की स्थापना।
- **1306:** रॉबर्ट ब्रूस को स्कॉटलैंड का नया राजा बनाया गया।
- **1410:-** योंगले सम्राट ने मंगोलों के खिलाफ अभियान चलाया, मंगोल खानबुनशिरी का पतन हुआ।
- **1655:** शनि के सबसे बड़े उपग्रह टाइटन की खोज हुई।
- **1668:** अमेरिका में पहली बार घुड़दौड़ का आयोजन।
- **1669:** सिसदी द्वीप पर स्थित ज्वालामुखी माउंट एटना में हुए भीषण विस्फोट में 20000 से ज्यादा लोगों की मौत।
- **1700:** लंदन ने फ्रांस, इंग्लैंड और हॉलैंड की संधियों पर हस्ताक्षर किए।

Filmi तड़का

अभिनेता मनोज वाजपेयी की फिल्म 'साइलेंस-2' का टीजर रिलीज

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता मनोज वाजपेयी की आने वाली फिल्म साइलेंस 2 का टीजर रिलीज हो गया है। मनोज वाजपेयी ने वर्ष 2021 में प्रदर्शित फिल्म 'साइलेंसः कैन यू हियर इट?' में काम किया था। इस फिल्म में मनोज वाजपेयी ने एसीपी अविनाश का किरदार निभाया था। मनोज बाजपेयी अब 'साइलेंसः कैन यू हियर इट?' के सीक्वल 'साइलेंस 2 : नाइट आउल बार शूटआउट' में नजर आएंगे। इस फिल्म का टीजर रिलीज कर दिया गया है। मनोज बाजपेयी ने 'साइलेंस 2 : नाइट आउल बार शूटआउट' का टीजर सोशल मीडिया पर शेयर किया है। वीडियो के साथ मनोज वाजपेयी ने कैप्शन में लिखा, क्रिमिनल्स को दोबारा साइलेंट करने, एसीपी अविनाश फिर से आ रहा है। वीडियो की शुरुआत एक सवाल से होती है, 'अपराध अपने चरम पर है, कहां हैं एसीपी अविनाश?' मनोज बाजपेयी के हाथ में एक पेपर होता है, जिसमें उनका ही आर्टिकल छपा हुआ है। इस पर मनोज बाजपेयी मुड़कर कहते हैं, मुंबई को क्राइम कैपिटल बना दिया है।

10 अप्रैल को ईद पर रिलीज होगी अजय देवगन की फिल्म 'मैदान'

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन की आने वाली फिल्म मैदान ईद के अवसर पर 10 अप्रैल को रिलीज होगी। फिल्म मैदान फुटबॉल कोच सैय्यद अब्दुल रहमान के जीवन पर आधारित है। अमित शर्मा द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अजय देवगन ने 1952 से 1962 तक रहे भारतीय फुटबॉल कोच सैयद अब्दुल रहीम की भूमिका निभाई है। उन्हें आधुनिक भारतीय फुटबॉल का वास्तुकार भी कहा जाता है। यह फिल्म सैयद अब्दुल रहीम की सच्ची कहानी की झलक पेश करेगी, जिन्होंने अपना जीवन फुटबॉल के लिए समर्पित कर दिया और भारत को बहुत गौरव दिलाया। अजय देवगन ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फिल्म मैदान का नया पोस्टर जारी किया, जिसमें वह फुटबॉल खेलते नजर आ रहे हैं। अजय देवगन ने पोस्ट साझा करते हुए कैप्शन में लिखा,'असली खिलाड़ी दिखेंगे, असली मैदान में। आइए, खुश होइए और हमारे साथ 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में ही जश्न मनाइए। फिल्म मैदान में प्रियामणि, रुद्रनील घोष और गजराज राव भी हैं। बोनी कपूर, आकाश चावला, अरुणव जॉय सेनगुप्ता और जी स्टूडियो द्वारा निर्मित फिल्म मैदान ईद के अवसर पर 10 अप्रैल को रिलीज होने वाली है।

आतंकवाद के बचाव पर बरसे एस जयशंकर आतंकी किसी भी भाषा में आतंकी ही होता है

सिंगापुर में भारतीय समुदाय सदस्यों से वार्ता में विदेश मंत्री बोले

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने आतंकवाद को लेकर रविवार को बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी भाषा में एक आतंकवादी आतंकवादी ही होता है। अलग-अलग व्याख्या के आधार पर आतंकवाद का बचाव नहीं करने दिया जाना चाहिए। जयशंकर ने यह टिप्पणी सिंगापुर में भारतीय समुदाय के सदस्यों के साथ वार्ता के दौरान की।

उन्होंने कहा कि कूटनीति में, विभिन्न देश अपनी संस्कृति, परंपराओं और कभी-कभी अपनी भाषा या अवधारणाओं को चर्चा में लाते हैं। यह भी स्वाभाविक है कि अलग-अलग दृष्टिकोण होंगे। कुछ मुद्दे ऐसे होते हैं जब स्पष्टता होती है और कोई भ्रम नहीं होता है। उन्होंने आतंकवाद का उदाहरण देते हुए कहा कि आप इसे किसी भी भाषा में ले सकते हैं, लेकिन आतंकवादी किसी भी भाषा में आतंकवादी ही होता है। उन्होंने किसी भी देश का उल्लेख किए बिना कहाकि आतंकवाद जैसी किसी चीज का केवल इसलिए कभी भी बचाव नहीं करने दें क्योंकि वे एक अलग भाषा का उपयोग कर रहे हैं या एक अलग स्पष्टीकरण दे रहे हैं।

खबर संक्षेप

बीते सप्ताह सभी तेल की कीमतों में रही गिरावट

नई दिल्ली। देश की प्रमुख मंडियों में सरसों की नई फसल की आवक बढ़ने के बीच बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में सभी तेल-तिलहनों पर दबाव रहा और इनकी कीमतें हानि दर्शाती बंद हुईं। बाजार के जानकार सूत्रों ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान मंडियों में लगभग 13 लाख से 16 लाख बोरी तक सरसों की आवक हुई। हालांकि यह आवक ज्यादातर छोटी जोत वाले किसानों की थी जिन्हें पैसों की आवश्यकता थी। बड़े किसान अब भी सरकार की ओर से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर सरसों की खरीद होने का इंतजार करते दिखे।

हिंदुस्तान जिंक के विभाजन की योजना हुई खारिज

नई दिल्ली। खान मंत्रालय ने वेदांता समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड द्वारा कंपनी को विभिन्न इकाइयों में विभाजित करने के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। सरकार के पास कंपनी में 29.54 प्रतिशत हिस्सेदारी है। 'हम प्रस्ताव से सहमत नहीं हुए।' हिंदुस्तान जिंक ने पहले अपने बाजार पूंजीकरण को बढ़ाने के लिए जस्ता और चांदी के कारोबार को अलग-अलग इकाइयों में विभाजित करने की योजना की घोषणा की थी।

यूनो मिंडा का स्टारचार्ज एनर्जी के साथ गठजोड़

नई दिल्ली। ऑटो कलपुर्जा निर्माता यूनो मिंडा ने शुक्रवार को कहा कि उसने देश में इलेक्ट्रिक वाहन आपूर्ति उपकरणों के निर्माण और बिक्री के लिए स्टारचार्ज एनर्जी के साथ गठजोड़ किया है। कंपनी ने घरेलू चार्जिंग के लिए डिजाइन किए गए वॉल-माउंटेड एसी चार्जर के लिए स्टारचार्ज एनर्जी पीटीई के साथ एक तकनीकी लाइसेंस समझौता किया है। ''यह सहयोग ''मेक इन इंडिया'' के प्रति हमारे समर्पण और एक टिकाऊ और विद्युतीकृत भविष्य के लिए हमारे समर्पण को और मजबूत करता है।

क्रिएटिव ग्राफिक्स का 28 मार्च को खुलेगा आईपीओ

नई दिल्ली। पैकेजिंग क्षेत्र की कंपनी क्रिएटिव ग्राफिक्स सॉल्यूशंस इंडिया लिमिटेड ने कहा कि उसका प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 28 मार्च को खुलेगा। आईपीओ का आकार 54.4 करोड़ रुपये है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि सार्वजनिक निर्गम चार अप्रैल को बंद होगा। एंकर निवेशकों के लिए बोली 27 मार्च को एक दिन के लिए खुलेगी। आईपीओ के बाद, कंपनी के शेयरों को एनएसई के इमर्ज पर सूचीबद्ध किया जाएगा - जो छोटे और मध्यम उद्यमों के लिए एक मंच है।

बायजू ने अपने 30 ट्यूशन सेंटर को बंद किया

नई दिल्ली। वित्तीय संकट का सामना कर रहे बायजू ब्रांड का स्वामित्व रखने वाली कंपनी थिंक एंड लर्न लिमिटेड ने अपने 292 ट्यूशन सेंटर में से 30 को बंद कर दिया है। कंपनी ने शुक्रवार को एक बयान में यह जानकारी दी। शिक्षा प्रौद्योगिकी फर्म ने कहा कि बायजू ने खर्च कम करने के उपायों के तहत इन ट्यूशन सेंटर को बंद करने का फैसला किया है। कंपनी ने अपने संचालन के तीसरे वर्ष में अधिकांश केंद्रों को मुनाफे में लाने का लक्ष्य रखा है। बायजू ने एक बयान में कहा कि उसे अपने शिक्षकों के समर्पण और अपने छात्रों के प्रदर्शन पर बेहद गर्व है।

सोने में तेजी का भारतीयों ने उठाया फायदा, 53 लाख किलो सोने पर लिया गोल्ड लोन

एजेंसी ▸▸ मुंबई

- 15 लाख करोड़ रुपए का देश में गोल्ड लोन का बाजार है

2020 में देश में कोरोना महामारी के दस्तक देने के बाद सभी प्रकार के लोन सस्ते हो गए थे जिसमें गोल्ड लोन भी शामिल है। तब सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक 7.50 फीसदी के दर पर गोल्ड लोन ऑफर कर रहा था।

एक तरफ गोल्ड लोन सस्ते दर पर मिल रहा था तो सोने की कीमतों में रिकॉर्ड तेजी देखी जा रही थी।तब सस्ते दर पर गोल्ड लोन का लोगों ने जमकर फायदा उठाया। बैंकिंग सेक्टर के रेग्यूलेटर भारतीय रिजर्व बैंक ने सोने को लेकर हाल ही में एक रिपोर्ट जारी किया है। रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय परिवारों ने 5300 टन यानि 53 लाख किलो सोना गिरवी रखकर वित्तीय संस्थानों से गोल्ड लोन लिया है।

भारतीय परिवारों के पास 27,000 टन सोना होने का अनुमान

60 फीसदी बाजार पर असंगठित क्षेत्र का कब्जा

देश में गोल्ड लोन मार्केट में संगठित क्षेत्र की हिस्सेदारी केवल 40 फीसदी है जो कि 6 लाख करोड़ रुपए के करीब है। जबकि बाकी 60 फीसदी गोल्ड लोन बाजार पर असंगठित क्षेत्र का कब्जा है। यानि देश में ज्यादातर लोग गोल्ड लोन के लिए अभी भी सुनार या साहूकारों पर निर्भर हैं। कुल 9 लाख करोड़ रुपए के गोल्ड लोन मार्केट पर इनका कब्जा है।

गोल्ड लोन पोर्टफोलियो ने बढ़ाई सरकार की चिंता : गोल्ड लोन की डिमांड बढ़ी है लेकिन बैंकों के गोल्ड लोन पोर्टफोलियो ने सरकार और वित्त मंत्रालय की चिंता भी बढ़ा दी है। सरकार ने बैंकों की ओर से गोल्ड लोन देने में रेग्यूलेटरी नियमों के अनुपालन में उल्लंघन का मामला पाया है। हाल ही में वित्त मंत्रालय ने सभी सरकारी बैंकों को गोल्ड लोन पोर्टफोलियो के समीक्षा करने के आदेश दिए हैं।

गोल्ड लोन लेने का बढ़ा चलन

भारतीय परिवारों के पास 27,000 टन सोना होने का अनुमान है। जिसमें से करीब 20 फीसदी सोना बैंकों के पास गिरवी पड़ा है जिसपर लोगों ने गोल्ड लोन लिया है। 15 लाख करोड़ रुपए का देश में गोल्ड लोन का बाजार है जो सालाना 17 फीसदी के दर से ग्रोथ दिखा रहा है और अगले 5 वर्षों यानि 2029 तक इसके 12.22 फीसदी के दर से बढ़ने का अनुमान है।

बैंकों ने जमकर बांटे गोल्ड लोन

31 दिसंबर 2023 तक एसबीआई का गोल्ड लोन पोर्टफोलियो 30,881 करोड़ रुपए का रहा है। पंजाब नेशनल बैंक का 5315 करोड़ रुपए और बैंक ऑफ बड़ौदा का 3682 करोड़ रुपए का गोल्ड लोन पोर्टफोलियो है। आरबीआई के नियमों के मुताबिक बैंक या फिर एनबीएफसी सोने की ज्वैलरी के कुल वैल्यू का 75 फीसदी तक गोल्ड लोन दे सकते हैं।

सरकार दे रही पर्यावरण अनुकूल परिवहन नीति को प्रोत्साहन

कई बड़ी कंपनियां आगामी वर्षों में नए इलेक्ट्रिक वाहन उतारने की तैयारी में

- मारुति, हुंडई, टाटा और महिंद्रा जैसी कंपनियां कर रही मांग पूरी
- महिंद्रा आने वाले पांच वर्षों में नए बैटरी वाहन पेश करेगी
- मारुति बिजली चालित वाहनों के लिए गंभीर निवेश कर रही

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

सरकार द्वारा नई नीति के अनावरण के जरिये पर्यावरण अनुकूल परिवहन को प्रोत्साहन देने की वजह से आज भारतीय वाहन उद्योग तेजी से इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) मॉडल उतारने की तैयारी कर रहा है।

वाहन क्षेत्र की मारुति सुजुकी, हुंडई, महिंद्रा एंड महिंद्रा और टाटा मोटर्स जैसी बड़ी कंपनियां विभिन्न खंडों की मांग को पूरा करने के लिए नए बिजलीचालित मॉडल लाने की तैयारी में हैं। महिंद्रा एंड महिंद्रा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) वाहन क्षेत्र नलिनीकांत गोलागुंटा ने कहा कि कंपनी आने वाले वर्षों में पांच नए बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन पेश करेगी।

सभी वर्ग के उपभोक्ताओं की जरूरत होगी पूरी

इसकी शुरुआत जनवरी, 2025 से होगी। उन्होंने कहा, ये इलेक्ट्रिक स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहन (एसयूवी) महिंद्रा के नवोन्मेषी आईएनजीएलओ मंच पर बनाए जाएंगे। हमारा लक्ष्य विविधता वाली श्रृंखला के जरिये विभिन्न वर्गों के उपभोक्ताओं की जरूरत को पूरा करना है।

मारुति पोर्टफोलियों बढ़ाने पर देगी ध्यान

इन एसयूवी को उतारने का मकसद इलेक्ट्रिक वाहन खंड में अपनी स्थिति को मजबूत करना है। 2027 तक हमारे पोर्टफोलियो का 20 से 30 प्रतिशत इलेक्ट्रिक वाहनों का होगा। मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) के कार्यकारी अधिकारी (कॉरपोरेट मामले) राहुल भारती ने कहा कि हम बिजलीचालित वाहन क्षेत्र में 'गंभीर' निवेश कर रहे हैं।

हुंडई दस साल में करेगी 26 हजार करोड़ का निवेश

कंपनी की योजना तमिलनाडु में अगले 10 साल में 26,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की है। इस निवेश में राज्य में बैटरी असेंबली संयंत्र की स्थापना भी शामिल है। टाटा मोटर्स के एक प्रवक्ता ने कहा कि कंपनी का लक्ष्य 2026 तक अपने बिजलीचालित मॉडल की संख्या को 10 करने का है।

ईवी की हिस्सेदारा 2030 तक होगी 20 फीसदी : गर्ग ने कहा कि कई उद्योग अनुमानों के अनुसार, ईवी का 2030 तक भारत के वाहन बाजार में हिस्सा लगभग 20 प्रतिशत पर पहुंच जाएगा। उन्होंने कहा कि हमें भरोसा है कि बिजलीचालित वाहन जल्द मुख्यधारा का हिस्सा होंगे।

लक्जरी कंपनियां भी ईवी क्षेत्र में दिखा रही रूचि

कंपनी की योजना कर्व ईवी और हैरियर ईवी सहित चार और ईवी मॉडल पेश करने की है। लक्जरी वाहन कंपनियां भी ईवी क्षेत्र में रुचि दिखा रही है। मर्सिडीज-बेंज इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि हमारी योजना 2024 में 12 नए उत्पाद उतारने की है। इनमें से तीन नए बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन (बीईवी) होंगे।

550 किमी रेंज की ईवी उतारेगी मारुति

भारती ने कहा, 'हम वित्त वर्ष 2024-25 में 550 किमी रेंज के साथ ईवी के रूप में नए सिरे से डिजाइन हाई-स्पेक बिजलीचालित वाहन का उत्पादन शुरू करेंगे। अगले सात-आठ साल में हमारे छह इलेक्ट्रिक वाहन होंगे।'

सभी प्रौद्योगिकियों पर काम करने प्रतिबद्ध

भारती ने कहा कि कार्बन और कच्चे तेल के आयात में कटौती करने के लिए देश को हाइब्रिड-इलेक्ट्रिक, सीएनजी, बायो-सीएनजी, एथनॉल फ्लेक्स ईंधन आदि जैसी कई और प्रौद्योगिकियों की जरूरत होगी। उन्होंने कहा, 'हम ऐसी सभी प्रौद्योगिकियों पर भी काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'

हुंडई ने लंबी रेंज की एसयूवी कोना उतारी

हुंडई मोटर इंडिया के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) तरुण गर्ग ने कहा कि हम देश में पहले मूल उपकरण विनिर्माताओं (ओईएम) में से है जिसने पूर्ण लंबी रेंज वाली एसयूवी 'कोना' 2019 में उतारी थी। पिछले साल कंपनी ने अपनी प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी आईओएनआईक्यू 5 पेश की थी।

भारत का कोयला आयात बढ़कर 21.22 करोड़ टन

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

- सालाना आधार पर 1.65 फीसदी की मामूली वृद्धि

चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जनवरी अवधि में देश में कोयला आयात सालाना आधार पर 1.65 प्रतिशत की मामूली वृद्धि के साथ 21.22 करोड़ टन हो गया है। अंतरव्यापारिक ई-कॉमर्स मंच एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड द्वारा जुटाए आंकड़ों के अनुसार, पिछले वित्त वर्ष (2022-23) की इसी अवधि में भारत का कोयला आयात 20.87 करोड़ टन था। आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जनवरी अवधि के दौरान, गैर-कोकिंग कोयले के आयात की मात्रा 13.64 करोड़ टन थी, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के दौरान आयातित 13.69 करोड़ टन से थोड़ा कम है। अप्रैल-जनवरी 2023-24 के दौरान कोकिंग कोयले का आयात 4.73 करोड़ टन था, जो बीते वित्त वर्ष की समान अवधि में दर्ज 4.60 करोड़ टन से अधिक है। कोयला आयात बढ़कर 1.98 करोड़ टन हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष के समान महीने में 1.69 करोड़ टन से अधिक था।

ताप बिजली संयंत्रों के लिए पर्याप्त कोयला

खदानों और ताप बिजली संयंत्रों में घरेलू कोयले की पर्याप्त उपलब्धता को देखते हुए उम्मीद है कि यह प्रवृत्ति मार्च में भी जारी रहेगी। सरकार के अंतरिम आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-जनवरी अवधि में देश का कोयला उत्पादन 78.41 करोड़ टन हो गया है, जो 2022-23 में इसी अवधि के दौरान 69.89 करोड़ टन से कहीं अधिक है।

महिलाओं की कुल 37 प्रतिशत आबादी रोजगार में : रिपोर्ट

एजेंसी ▸▸ मुंबई

- प्रतिभा समाधान प्रदाता करियरनेट ने जारी की रिपोर्ट
- पिछले वर्ष दो से पांच फीसदी की वृद्धि देखी गई

भारत में लगभग 69.2 करोड़ महिलाओं की कुल आबादी में से 37 प्रतिशत सक्रिय रूप से रोजगार में हैं। प्रतिभा समाधान प्रदाता करियरनेट की 'भारत में महिला रोजगार की स्थिति।' रिपोर्ट के अनुसार, हैदराबाद, पुणे और चेन्नई जैसे शहर महिलाओं को रोजगार देने के मामले में शीर्ष पर हैं। इसमें कहा गया कि 2023 में कनिष्ठ पेशेवर भूमिकाओं और कार्यकारी बोर्ड में महिलाओं के प्रतिनिधित्व में पिछले वर्ष की तुलना में दो से पांच प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। रिपोर्ट कहती है कि 2023 में शिक्षण संस्थानों से भर्ती होने वाले नए कर्मियों में 40 प्रतिशत महिलाएं हैं। इसमें कहा गया कि 0-3 वर्ष और 3-7 वर्ष का अनुभव रखने वाली महिला अभ्यार्थियों की संख्या उनके संबंधित कार्यक्षेत्र की कुल नियुक्तियों में 20-25 प्रतिशत है।

सबसे ज्यादा भर्ती हैदराबाद में

रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) को छोड़कर अधिकांश शहरों में महिलाओं के नियुक्ति अनुपात में मामूली वृद्धि हुई है। दिल्ली-एनसीआर में गिरावट देखी गई है। भर्ती अनुपात सबसे ज्यादा 34 प्रतिशत हैदराबाद में, इसके बाद पुणे में 33 प्रतिशत, चेन्नई में 29 प्रतिशत है। वहीं, दिल्ली-एनसीआर में यह अनुपात 2022 की तुलना में दो प्रतिशत गिरकर 20 प्रतिशत रह गया है।

एफपीआई ने मार्च में शेयरों में 38,000 करोड़ रुपए डाले

नई दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने अबतक भारतीय शेयर बाजारों में 38,000 करोड़ रुपये से अधिक डाले हैं। वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में सुधार और घरेलू मोर्चे पर मजबूत वृहद आर्थिक परिदृश्य के बीच एफपीआई भारतीय शेयर बाजारों में निवेश कर कर रहे हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, इससे पहले फरवरी में एफपीआई ने शेयरों में 1,539 करोड़ रुपये डाले थे। वहीं जनवरी में उन्होंने 25,743 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे। कुल मिलाकर इस साल अबतक एफपीआई भारतीय शेयर बाजार में 13,893 करोड़ रुपये डाल चुके हैं। इस दौरान उन्होंने ऋण या बॉन्ड बाजार में 55,480 करोड़ रुपये का निवेश किया है। एफपीआई मार्च में उल्लेखनीय खरीदारी कर रहे हैं।

वैश्विक संकेतकों से तय होंगी शेयर बाजार की गतिविधियां

- विदेशी निवेशकों की भूमिका होगी महत्वपूर्ण
- बाजार में भी कुछ उतार-चढ़ाव रह सकता है

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

शेयर बाजारों की दिशा आगामी कम कारोबारी सत्रों वाले सप्ताह में वैश्विक रुझानों तथा विदेशी निवेशकों की गतिविधियों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है।

विश्लेषकों ने कहा कि गुरुवार को मासिक डेरिवेटिव्स अनुबंधों के निपटान की वजह से भी बाजार में कुछ उतार-चढ़ाव रह सकता है। इस सप्ताह बाजार में सिर्फ तीन कारोबारी सत्र होंगे। शेयर बाजार सोमवार को 'होली' के मौके पर और शुक्रवार को 'गुड फ्राइडे' के अवसर पर बंद रहेंगे। स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लि. के शोध प्रमुख संतोष मीणा ने कहा, 'छुट्टियों की वजह से इस सप्ताह में कारोबार की मात्रा कम रहेगी। हालांकि, वित्त वर्ष का अंतिम सप्ताह होने तथा वायदा एवं विकल्प खंड में निपटान की वजह से बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है।' बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 188.51 अंक या 0.25 प्रतिशत के लाभ में रहा। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 73.4 अंक या 0.33 प्रतिशत चढ़ गया। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के खुदरा शोध प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा, 'यह सप्ताह कम कारोबारी सत्रों का है।

एसएलईएल नया संयंत्र चालू करने की तैयारी में ...

नई दिल्ली। ट्रांसफॉर्मर बनाने वाली कंपनी शिरडी साई इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (एसएसईएल) जुलाई-सितंबर तिमाही तक आंध्र प्रदेश में 300 करोड़ रुपये का अपना नया संयंत्र चालू करना चाहती है। कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) एन विश्वेश्वर रेड्डी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एसएसईएल 300 करोड़ रुपये की लागत से आंध्र प्रदेश के वाईएसआर जिले में कंडक्टर बनाने का संयंत्र लगा रही है। उन्होंने कहा कि 300 टन की वार्षिक क्षमता वाला संयंत्र आठ एकड़ में स्थापित किया जा रहा है। रेड्डी ने बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 की जुलाई-सितंबर तिमाही तक संयंत्र को चालू करने की योजना है। कंडक्टर पारेषण लाइन परियोजना का एक प्रमुख तत्व हैं। उन्होंने आगे कहा कि एसएसईएल पारेषण ईपीसी परियोजनाओं में भी शामिल है और उक्त संयंत्र से कंडक्टर उत्पादन का लगभग 50 प्रतिशत कंपनी के पारेषण व्यवसाय में इस्तेमाल होगा।

मदर डेयरी गर्मियों में 30 नए उत्पाद करेगी पेश

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

- मांग में बढ़ोतरी की उम्मीद : प्रबंध निदेशक
- उपभोक्ता मांग में 30 फीसदी वृद्धि की उम्मीद

मदर डेयरी इन गर्मियों में मुख्य रूप से आइसक्रीम और दही श्रेणियों में 30 नए उत्पाद पेश करेगी। कंपनी को उपभोक्ता मांग में 25 से 30 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने यह बात कही।

दिल्ली-एनसीआर की अग्रणी दुग्ध आपूर्तिकर्ता मदर डेयरी के पास कंपनी के स्वामित्व वाले नौ डेयरी प्रसंस्करण संयंत्र हैं जिनकी कुल क्षमता 50 लाख लीटर प्रतिदिन से अधिक की है। मदर डेयरी फ्रूट्स एंड वेजिटेबल्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक मनीष बंदलिश ने साक्षात्कार में कहा, 'गर्मी हमारे कारोबार के लिए सबसे प्रतीक्षित मौसम है, खासकर आइसक्रीम, दही और पेय पदार्थों जैसी श्रेणियों के लिए। उन्होंने कहा, 'भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) की इस साल सामान्य से अधिक तापमान और भीषण गर्मी के पूर्वानुमान के साथ हम इन श्रेणियों की मांग में कई गुना वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं। बंदलिश ने कहा कि पिछले वर्ष की तुलना में आइसक्रीम की बिक्री में पहले की वृद्धि देखनी को मिल रही है। उन्होंने कहा कि कंपनी इस बढ़ती मांग से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार है और इसने अपने उत्पादों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने और क्षमता बढ़ाने के लिए 50 करोड़ रुपये तक का निवेश किया है। एमडी ने कहा, 'जैसे ही हम सीजन में प्रवेश कर रहे हैं, हम अपने उपभोक्ताओं को स्वर्ण जयंती वर्ष में 30 से अधिक नए आनंददायक उत्पादों की श्रृंखला की पेशकश के लिए तैयार हैं।

आगामी श्रृंखला में लगभग 20 नए आइसक्रीम उत्पाद शामिल होंगे। बंदलिश ने कहा, हमें उम्मीद है कि हमारे डेयरी उत्पादों की मांग पिछले साल की तुलना में 25-30 प्रतिशत तक अधिक रहेगी।'

एफएंडवी में विस्तार की घोषणा

मदर डेयरी ने डेयरी और फलों और सब्जियों (एफएंडवी) व्यवसाय के लिए अपनी विस्तार योजना की भी घोषणा की है। कंपनी दूध और फल-सब्जियों के प्रसंस्करण के लिए दो नए संयंत्र स्थापित करने के लिए 650 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। यह अपने मौजूदा संयंत्रों की क्षमता का विस्तार करने के लिए अतिरिक्त 100 करोड़ रुपये का निवेश करेगा, जिससे कुल पूंजीगत व्यय 750 करोड़ रुपये हो जाएगा।

नए फीचर का नाम एआई स्पैम ब्लॉकिंग दिया गया

ट्रूकॉलर लाया कॉल ब्लॉक करने का जबर्दस्त फीचर

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

- स्पैम कॉल्स को एआई की मदद से ऑटोमैटिकली ब्लॉक किया जाएगा

कॉलर आईडी और स्पैम ब्लॉकिंग ऐप ट्रूकॉलर यूजर्स के लिए बड़े काम का फीचर लाया है। इस नए फीचर का नाम- एआई स्पैम ब्लॉकिंग है। यह फीचर यूजर्स के फोन पर आने वाले सभी स्पैम कॉल्स को एआई की मदद से ऑटोमैटिकली ब्लॉक करेगा। ट्रूकॉलर का यह 'मैक्स' अपडेट केवल ऐंड्रॉयड डिवाइसेज के लिए रोलआउट हुआ है। कंपनी ने इस फीचर को अभी अपने प्रीमियम सब्सक्राइबर्स के लिए रोलआउट किया है। यह फीचर एआई की मदद से स्पैम कॉल्स करने वाले उन नंबर्स को भी ब्लॉक कर देता है, जो ट्रूकॉलर के डेटाबेस में मौजूद नहीं हैं।

अपडेट करना होगा ऐप

ट्रूकॉलर के नए फीचर के लिए आपको इस ऐप के वर्जन नंबर 13.58 की जरूरत पड़ेगी। फीचर को ऐक्टिवेट करने के लिए ऐप की सेटिंग्स में दिए गए ब्लॉक ऑप्शन में जाना होगा। ट्रूकॉलर ने कुछ हफ्तों पहले की एआई पावर्ड कॉल रिकॉर्डिंग फीचर को रोलआउट किया था। यह फीचर इंडियन यूजर्स के लिए आया है।

लगेगा सब्सक्रिप्श चार्ज

आईओएस कॉलर आईडी ऐप्स को स्पैम कॉल्स की ऑटोमैटिक ब्लॉकिंग की परमिशन नहीं देता। ट्रूकॉलर के इस फीचर के लिए यूजर्स को प्रीमियम प्लान को सब्सक्राइब कराना होगा। भारत में ट्रूकॉलर का मंथली सब्सक्रिप्शन चार्ज 75 रुपए है। वहीं, इसके ऐनुअल सब्सक्रिप्शन के लिए आपको 529 रुपए खर्च करने होंगे।

आईओएस के लिए रोलआउट किया गया

नए फीचर को लेकर ऐसी संभावना भी है कि यह नॉन-स्पैम कॉल्स को भी ब्लॉक कर सकता है। इस बारे में कंपनी ने कहा कि ऐसा नहीं होगा और इसे पक्का करने के लिए यूजर इनपुट का भी सहारा लिया जाएगा। यह फीचर आईओएस के लिए रोलआउट नहीं किया जा रहा।

बातचीत रिकॉर्ड कर सेव कर सकेंगे

इसे कंपनी आईओएस के साथ ही ऐंड्रॉयड डिवाइसेज पर भी ऑफर कर रही है। इस फीचर की मदद से यूजर ट्रूकॉलर ऐप के अंदर ही यूजर इनकमिंग और आउटगोइंग कॉल्स को रिकॉर्ड कर सकते हैं। इस फीचर की मदद से यूजर जरूरी बातचीत को रिकॉर्ड करके सेव कर सकते हैं।

आएगा सत्यप्रेम की कथा का सीक्वल

मुंबई। कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी की फिल्म 'सत्यप्रेम की कथा' पिछले साल प्रदर्शित हुई थी। इस फिल्म को दर्शकों का अच्छा प्रतिसाद मिला था, जिसकी बदौलत इसने न सिर्फ अपनी लागत वसूलने में कामयाबी पाई अपितु निर्माता और वितरकों को मुनाफा भी हुआ। इस फिल्म से पहले कार्तिक और कियारा 'भूल भुलैया 2' में भी साथ काम कर चुके थे। उनकी केमेस्ट्री सबको अच्छी लगी। यह जोड़ी 'सत्यप्रेम की कथा' के सीक्वल में दोबारा दिखाई दे सकती है। फिल्म की प्रोड्यूसर शरीन मंत्री ने अपने एक इंटरव्यू में फिल्मों के कई पहलुओं पर चर्चा की और 'सत्यप्रेम की कथा 2' के बारे में भी बात की।

लाइफ Style

उर्वशी

ऋषभ संग शादी पर दिया जवाब

बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेले का नाम जब भी लिया जाता है, तो अपने आप ही लोगों की जुबान पर क्रिकेटर ऋषभ पंत का नाम आ जाता है। उर्वशी ने अपने काम से ज्यादा क्रिकटर संग अपनी कंट्रोवर्सी से सुर्खियां बटोरी है। मिस यूनिवर्स इंडिया 2015 का टाइटल जीतने वाली उर्वशी जल्द ही फिल्म जेएनयू में नजर आने वाली है और एक्ट्रेस अपनी फिल्म का जमकर प्रमोशन कर रही हैं।

मुंबई। इस फिल्म के प्रमोशन के बीच उर्वशी ने हाल ही में दिए इंटरव्यू में सुष्मिता सेन के उनसे मिस यूनिवर्स इंडिया 2012 का टाइटल छीनने को लेकर बड़ा खुलासा किया था। इसी बीच अब एक्ट्रेस ने भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ी ऋषभ पंत से शादी के सवाल पर रिएक्शन दिया है। दरअसल, उर्वशी ने हाल ही में इंटरव्यू के दौरान अपने फैंस के सवालों के जवाब दिए। इस दौरान एक्ट्रेस से वो सवाल पूछे गए, जो अक्सर ही फैंस उनसे करते रहते हैं। पहले तो उर्वशी रौतेला ने काफी आराम से होस्ट को उनका सवाल पूरा करने दिया। इस सवाल पर हर कोई उर्वशी के जवाब का इंतजार कर रहा था। होस्ट से लेकर फैंस सभी उम्मीद लगाकर बैठे थे कि एक्ट्रेस क्रिकेटर संग शादी के सवाल पर क्या बोलेंगी। मगर उर्वशी ने सभी की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। उर्वशी ने ऋषभ पंत संग शादी के सवाल पर जवाब में बोली, 'कोई कमेंट नहीं।' उर्वशी और ऋषभ का रिश्ते की सच्चाई क्या है, ये तो दोनों स्टार्स ही अच्छे से जानते हैं। मगर एक समय पर दोनों के रिलेशनशिप की खबरों ने खूब तूल पकड़ा था। लेकिन तब दोनों ने ही इन्हें अफवाह बताया था। साल 2018 में इन दोनों कई बार एक जगह पर स्पॉट किया गया है, फिर उस साल के बाद दोनों ने एक-दूसरे को व्हाट्सएप पर ब्लॉक तक दिया था। सोशल मीडिया पर दोनों क्रिप्टिक नोट लिखकर एक-दूसरे पर अपनी भड़ास भी निकालते रहे हैं, लेकिन जब ऋषभ का एक्सीडेंट हुआ था।

एमिली ने शो की डाइवोर्स रिंग

लॉस एंजेलिस। आपने इंगेजमेंट रिंग के बारे में तो सुना है, लेकिन क्या कभी डाइवोर्स रिंग के बारे में सुना है। बदलते ट्रेंड में अब ये अब ये एक चीज भी जुड़ गई है। इसका श्रेय जाता है एक्ट्रेस एमिली रताजकोस्की को। एमिली ने अपनी क्रिएटिविटी का इस्तेमाल करते हुए इंगेजमेंट की अंगूठी को नया लुक देकर उसे अपने तलाक से जोड़ा है। बता दें कि एक्ट्रेस ने 2022 में तलाक लिया था। वहीं, अलग होने के बाद अब एमिली अपनी बिखरी शादीशुदा जिंदगी को लेकर खुलकर बात कर रही हैं। उन्होंने हाल ही में एक फोटो शेयर की, जिसमें उन्हें सगाई की अंगूठी को नए तरह की डिजाइन देकर सेलिब्रेट करते देखा जा सकता है। इस वायरल फोटो पर एक्ट्रेस ने बताया कि ये अंगूठियां उनके व्यक्तिगत विकास का प्रतिनिधित्व करती हैं। एमिली ने कहा, मुझे नहीं लगता कि किसी महिला को सिर्फ इसलिए उसे दिया गया डायमंड नहीं पहनना चाहिए क्योंकि वह किसी शख्स से अलग हो गई है। एमिली ने कहा कि इन अंगूठियों को पहन उसे ऐसा एहसास होता है, जैसे वह खुद को उस तरह से खुश रख सकती हैं, जैसे उन्होंने पहले कभी सोचा भी नहीं था।

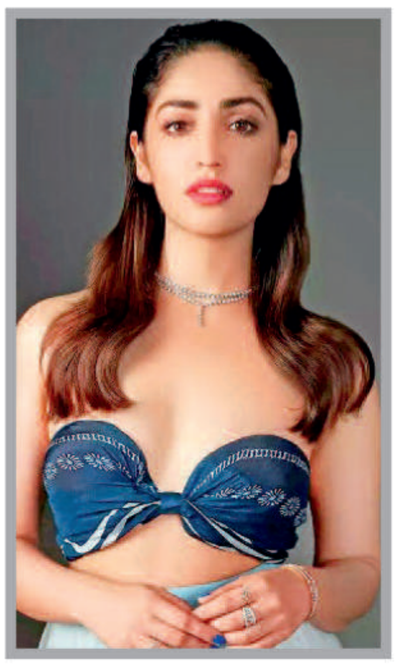

होली के रंगों में रंगी यामी

मुंबई। आम जनता से लेकर बॉलीवुड में होली त्योहार की धूम देखने को मिल रही है। वहीं इन दिनों प्रेग्नेंसी पीरियड एंजॉय कर रही एक्ट्रेस यामी गौतम पर तो होली से पहले ही इसका रंग चढ़ गया है। हाल ही में यामी की कुछ तस्वीरें सामने आईं हैं, जिसमें वह होली के रंग में रंगी नजर आ रही हैं। उन्होंने व्हाइट सूट पेयर किया है। तस्वीरों में यामी के हाथों में येलो रंग देखने को मिल रहा है। इसके साथ ही उन्होंने अपने गालों पर भी पीला और गुलाबी रंग लगाया है। यामी के चेहरे पर बड़ी सी मुस्कान देखने को मिल रही है। फैंस उनकी इन तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं। काम की बात करें तो यामी हाल ही में फिल्म 'आर्टिकल 370' में नजर आईं थीं। फिल्म ने दबे पांव वर्ल्डवाइड 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। यामी अपने अभिनय से दर्शकों को बेहद प्रभावित करतीं है। इसके साथ ही उनकी सुंदरता के लोग कायल और दीवाने है।

ऋतिक रोशन ने की अनन्या की तारीफ

मुंबई। एक्टर ऋतिक रोशन ने फिल्म 'खो गए हम कहां' में एक्ट्रेस अनन्या पांडे की जमकर तारीफ की। पिछले साल दिसंबर में रिलीज फिल्म का निर्देशन अर्जुन वरैन सिंह ने किया है। इसमें सिद्धांत चतुर्वेदी, अनन्या और आदर्श गौरव मुख्य भूमिका में हैं। यह तीन दोस्तों की कहानी है, जो सोशल मीडिया के दबाव के बावजूद अपने लक्ष्य और रिश्तों को आगे बढ़ाते हैं। एक्स पर ऋतिक ने लिखा कि कुछ दिन पहले 'खो गये हम कहां' देखी। मैंने इसका भरपूर आनंद लिया। यह कोई आसान शैली नहीं थी। अनन्या पांडे आप एक स्टार हैं। सिद्धांत चतुर्वेर्दी और आदर्श गौरव आप लोगों का प्रदर्शन क्या शानदार था। अर्जुन वरैन ने बहुत अच्छा निर्देशन किया है। पूरी टीम को बधाई, यह फिल्म अवश्य देखनी चाहिए। फाइटर स्टार को जवाब देते हुए अनन्या ने कहा कि ऋतिक सर, आपने मेरा दिन बना दिया, आपके प्यारे शब्दों और सराहना के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। यह मेरे लिए बहुत प्रेरक है।

अदा ने डांस बार में बिताई रातें

मुंबई। एक्ट्रेस अदा शर्मा ने 'सनफ्लॉवर 2' में अपनी भूमिका को लेकर खुलासा किया है। एक्ट्रेस का कहना है कि उन्होंने अपनी भूमिका के लिए एक डांस बार में रातें बिताईं। वह स्क्रीन पर प्रभावकारी दिखना चाहती थीं। एक्ट्रेस अदा शर्मा ने कहा कि मैं प्रभावकारी दिखना चाहती थी। यह सिर्फ इस बारे में नहीं है कि आप डांस कब कर रहे हैं बल्कि यह इस बारे में है कि आप कैसे बैठते और खड़े होते हैं और परफॉर्मेंस नहीं करने के दौरान आप अपने शरीर के साथ कितने सहज हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि वह कभी-कभी ध्यान देने के लिए डांस बार में सुबह 5 बजे तक रुकती थीं। एक्ट्रेस ने आगे कहा कि वे इतने अच्छे थे कि उन्होंने मुझे बार में रुकने और चीजों को देखने की इजाजत दी। कस्टमर्स से बात करते समय उनके आत्मविश्वास को मैंने देखने की कोशिश की। मैं रात को 9 बजे जाती थी, कभी-कभी सुबह 4 से 5 बजे तक रुकती थी। वेब सीरीज 'सनफ्लॉवर' सीरीज एक हाउसिंग सोसाइटी के निवासियों के जीवन पर आधारित है। वे एक हत्या के रहस्य में उलझ जाते हैं। इसमें सुनील ग्रोवर और मुकुल चड्ढा मुख्य भूमिका में हैं।

उषा मेहता के किरदार में नहीं जमी सारा अली खान, इमरान हाशमी ने नाव बचाने की भरपूर कोशिश की

सारा अली खान स्टारर ऐ वतन मेरे वतन अब अमेजन प्राइम वीडियो पर उपलब्ध है। यह जीवनी नाटक उषा मेहता के जीवन पर आधारित है, जो एक स्वतंत्रता सेनानी थीं और उन्होंने 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान सक्रिय रूप से काम किया था। सारा जिन्हें आखिरी बार मर्डर मुबारक में एक ग्लैमरस भूमिका में देखा गया था, कन्नन अय्यर की नवीनतम रिलीज में एक शांत उषा की भूमिका निभा रही हैं। वह खादी साड़ियां पहनती हैं और हर मौके पर 'करो या मारो' चिल्लाती हैं लेकिन ऐ वतन मेरे वतन में भी अपने प्रदर्शन से प्रभावित करने में असफल रहीं। ऐ वतन मेरे वतन की शुरूआत कनिष्ठ उषा द्वारा अपने पिता से यह कहने से होती है कि वह उड़ना चाहती है। सचिन खेडेकर द्वारा अभिनीत, उषा के पिता उसे आकाश में ऊंची उड़ान भरने के लिए पंख खोजने के लिए कहते हैं। इसके बाद फिल्म 1940 के दशक की कहानी बताती है जब सारा अली खान को भारत में ब्रिटेन की भागीदारी पर अपने पिता के साथ मतभेद करते हुए देखा जा सकता है। हालाँकि, जल्द ही उषा को एहसास हुआ कि उनके पंख उनकी लड़ाई की भावना और राष्ट्र के प्रति प्रेम हैं। फिर उषा ने लोगों को एकजुट करने और भारत छोड़ो आंदोलन को प्रज्वलित करने के लिए

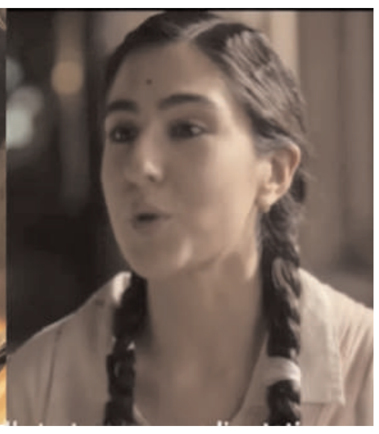

कांग्रेस रेडियो नाम से अपना रेडियो स्टेशन शुरू किया। उसके साथ दो अन्य कॉलेज मित्र और देशभक्त नागरिक, फहद (स्पर्श श्रीवास्तव द्वारा अभिनीत) और कौशिक (अभय वर्मा द्वारा अभिनीत) शामिल हैं। जबकि तीनों अपने रेडियो की मदद से लोगों को एकजुट करने के अपने रास्ते ढूंढ रहे हैं, उनकी मुलाकात राम मनोहर लोहिया (इमरान हाशमी द्वारा अभिनीत) से होती है। पहले भाग की धीमी गति के बावजूद, फिल्म दूसरे भाग में तेजी से आगे बढ़ती है जब मुंबई क्राइम ब्रांच के प्रमुख जॉन लायर को रेडियो बंद करने और अपराधियों को पकड़ने का काम सौंपा जाता है। थोड़ी लड़ाई-झगड़े, असंभव रोमांटिक पलों, दोस्ती के आह्वान और स्वतंत्रता संग्राम के साथ फिल्म अपने अंत तक पहुंचती है। कन्नन अय्यर, जिन्हें आखिरी बार एक थी डायन के लिए सराहना मिली थी, ऐ वतन मेरे वतन से ऐसी उम्मीद नहीं कर सकते। इस फिल्म के लेखन में गहराई की कमी है जो प्रदर्शनों में दिखाई देती है। स्पर्श और इमरान अपने शानदार प्रदर्शन से खामियों को छिपाने की भरपूर कोशिश करते हैं लेकिन ऐ वतन मेरे वतन और भी बेहतर हो सकता था। वास्तविक जीवन के किरदारों को पर्दे पर पेश करना हमेशा कठिन होता है, लेकिन भाग मिल्खा भाग और सरदार उधम जैसी फिल्मों ने मानक इतना ऊंचा कर दिया है कि ऐ वतन मेरे वतन लेखन और प्रस्तुति में कमजोर लगती है। कन्नन अय्यर का दूसरा भाग एक थ्रिलर वाइब बनाने की कोशिश करता है लेकिन जीवनी नाटक केवल एक नाटक बनकर रह जाता है। सारा अली खान का उषा मेहता का किरदार पूरी तरह अधूरा दिखता है। यहां तक कि बहुत ज्यादा हाथ हिलाने से भी वह स्क्रीन पर खराब दिखती हैं। इसके अलावा, जब भी वह स्पर्श और इमरान के साथ फ्रेम साझा करती हैं तो उनका गहन प्रदर्शन उजागर हो जाता है। लापता लेडीज अभिनेता स्पर्श श्रीवास्तव फहद के रूप में शानदार हैं। वह आपको स्वतंत्रता संग्राम के प्रति जागरूक करते हैं और ऑन-पॉइंट संवाद अदायगी से आपका दिल जीत लेते हैं। आप निश्चित रूप से इस नए जमाने के अभिनेता को और अधिक देखेंगे। इमरान हाशमी की बहुमुखी प्रतिभा हर प्रदर्शन के साथ बढ़ती जा रही है। एक अभिनेता जिसे इतने लंबे समय तक टाइपकास्ट किया गया था, उसने टाइगर 3 और ऐ वतन मेरे वतन जैसी फिल्मों के साथ बाधाओं को तोड़ दिया है। राम मनोहर लोहिया के वास्तविक जीवन के चरित्र का हाशमी का चित्रण प्रत्येक फ्रेम में सहजता से प्रवाहित होता है और अभिनेता अपने प्रदर्शन को महत्व देता है। आपको अभय वर्मा की कौशिक और सारा के ऑनस्क्रीन पिता के रूप में सचिन खेडेकर की कास्टिंग भी परफेक्ट लगेगी। उनका आखिरी पत्र पढ़ने का दृश्य मेरे लिए असाधारण था। सारा के कमजोर प्रदर्शन के अलावा, ऐ वतन मेरे वतन का एक और बड़ा आकर्षण इसका संगीत है। कोई भी फिल्म जो राष्ट्रीयता या देशभक्ति पर आधारित होती है, उसमें भावनात्मक गीतों और रोंगटे खड़े कर देने वाले गीतों की व्यापक गुंजाइश होती है। दुर्भाग्य से, संगीतकार उत्कर्ष और उमेश धोटेकर इस अवसर का लाभ उठाने में असफल रहे। इसलिए, फिल्म भी अपने दर्शकों के साथ एक बंधन बनाने में विफल रहती है क्योंकि ऐ वतन मेरे वतन का कोई भी गाना या बैकग्राउंड स्कोर उन्हें प्रभावित नहीं करेगा। यहाँ बड़ी निराशा है ! मैं ऐ वतन मेरे वतन को केवल 3 स्टार देना चाहूंगी क्योंकि फिल्म अपने दर्शकों के लिए कुछ भी नया नहीं पेश करती है। यह फिल्म हमारे स्वतंत्रता संग्राम के कई गुमनाम नायकों में से एक, उषा मेहता पर आधारित है। लेकिन इतनी बड़ी जिम्मेदारी होने पर भी मेकर्स ने एक धीमी और गैर दिलचस्प फिल्म पेश की है। हालाँकि, ऐ वतन मेरे वतन से एक अच्छी सीख निस्संदेह इमरान हाशमी और स्पर्श श्रीवास्तव हैं। यह फिल्म अब प्राइम वीडियो पर उपलब्ध है।

रंगीन रंगों से सजे नजर आए बॉलीवुड गलियारे, कुछ इस तरह सितारों ने मनाई होली

होली के खास दिन पर बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री की गालियां रंगीन रंगों से सजी नजर आयी। बॉलीवुड सितारों ने एक-दूसरे और अपने परिवारवालों के साथ जमकर होली खेली। होली सेलिब्रेशन की तस्वीरें और वीडियोज सितारों ने अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर फैंस को रंगों के त्यौहार की शुभकामनाएं दी। चलिए देखते हैं किसने किसके साथ और कैसे होली का त्यौहार मनाया।

टाइगर श्रॉफ ने अक्षय कुमार संग खेली होली, शेयर किया वीडियो– टाइगर श्रॉफ और अक्षय कुमार की जोड़ी जल्द ही फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' में नजर आने वाली है। ऐसे में इस बार की होली दोनों ने साथ में मनाई। इस दौरान अभिनेत्री दिशा पाटनी भी वहां मौजूद थी। अक्षय, टाइगर और दिशा ने जमकर एक-दूसरे के साथ मस्ती की। अभिनेत्री ने अपने सोशल मीडिया पर इस दौरान का वीडियो शेयर किया है, जिसमें तीनों सितारे रंगों से खेलते नजर आ रहे हैं।

कृति खरबंदा और पुलकित सम्राट ने मनाई पहली होली– कृति खरबंदा और पुलकित सम्राट हाल ही में शादी के बंधन में बंधे हैं। ये होली पति-पत्नी के तौर पर दोनों की पहली होली है। जोड़े ने चेहरे पर गुलाब लगी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की, जिसमें वे एक-दूसरे के साथ खुश नजर आ रहे हैं।

शहनाज गिल ने सिंपल तरीके से मनाई होली– पंजाब की कैटरीना कैफ के नाम से मशहूर सिंगर और अभिनेत्री शहनाज गिल ने बड़े ही सादे ढंग से होली मनाई। पिछली बार जहाँ उन्होंने पानी वाली होली खेली थी, वहीं इस बार उन्होंने गुलाब वाली होली खेली। सफेद रंग के कुर्ते में अभिनेत्री खूबसूरत लग रही थी और उनके चेहरे पर लगा गुलाल उनके चेहरे की चमक बढ़ा रहा था।

कियारा आडवाणी ने पति सिद्धार्थ मल्होत्रा संग मनाई होली– कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा की पति-पत्नी के तौर पर ये दूसरी होली थी। पिछली बार दोनों ने दिल्ली के अपने घर में परिवार के साथ होली मनाई थी। इस बार उन्होंने मुंबई में ही होली सेलिब्रेट की। दोनों ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर तस्वीर साझा की, जो होली खेलने के बाद की है।

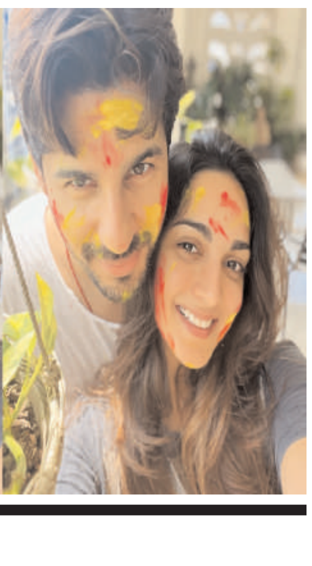

मस्क ने सोचा था ओपनएआई फेल हो जाएगी : ऑल्टमैन

सैन फ्रांसिस्को (आईएएनएस)। ओपनएआई के सीईओ सैम आल्टमैन का कहना है कि टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने सोचा था कि चैटजीपीटी-मेकर कंपनी फेल हो जाएगी। इसलिए उन्होंने अलग होने का फैसला किया। पॉडकास्टर लेक्स फ्रिडमैन के साथ एक इंटरव्यू में सैम ऑल्टमैन ने कहा, एलन मस्क ने सोचा कि ओपनएआई असफल (फेल) होने वाली है। वह इसे बदलने के लिए पूर्ण नियंत्रण चाहते थे। हम उस दिशा में

आगे बढ़ते रहना चाहते थे जो अब ओपनएआई बन गई है। वह यह भी चाहते थे कि टेस्ला एक एजीआई प्रयास बनाने में सक्षम हो। सैम ऑल्टमैन ने आगे बताया, कई बार वह ओपनएआई को एक लाभकारी कंपनी बनाना चाहते थे, जिसका कंट्रोल उनके पास हो या इसका टेस्ला के साथ विलय हो सके। हम ऐसा नहीं करना चाहते थे और उन्होंने जाने का फैसला किया, जो ठीक है। सैम ऑल्टमैन ने सुझाव दिया कि कंपनी अभी भी अपने मूल उद्देश्य के लिए प्रतिबद्ध है। कंपनी लोगों को मुफ्त में शक्तिशाली तकनीक दे रही है। उन्होंने आगे बताया, हम अपने फ्री वर्जन पर विज्ञापन नहीं चलाते। हम इसे अन्य तरीकों से मुद्रीकृत नहीं करते हैं। हम बस इतना कहते हैं कि यह हमारे मिशन का हिस्सा है। हम लोगों के हाथों में अधिक से अधिक शक्तिशाली उपकरण मुफ्त में देना चाहते हैं और उन्हें उनका उपयोग कराना चाहते हैं। हाल ही में, एलन मस्क ने ओपनएआई और ऑल्टमैन पर मुकदमा दायर किया था। एलन मस्क ने आरोप लगाया था कि उन्होंने एआई के आसपास अपने मूल संविदात्मक समझौतों का उल्लंघन किया है।

पलाश के फूलों का जंगल अब है वीरान, नहीं रही रौनक

जौनपुर (वार्ता)। रंगो का त्यौहार होली करीब आने के साथ ही प्राकृतिक रंग फिर सुर्खियों में है। वैसे तो प्राकृतिक रंग चुकन्दर, गुड़हल और गेंदे के फूल,अनार के छिलके से भी बनता है लेकिन परम्परागत रूप से पलाश (ढाक) के फूलों का प्रयोग सबसे अधिक लोकप्रिय रहा है। देश में रासायनिक उर्वरकों और रासायनिक रंगों के प्रयोग ने 40 से 50 वर्षों में ही अपनी यात्रा पूरी कर ली। आज सब तरफ जैविक खेती और जैविक रंगों के प्रयोग की चर्चा है, जो हमारी पुरातन व्यवस्था को स्वयं सिद्ध करती है।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार जिले में विकास खंड मछलीशहर की ग्राम पंचायत तिलौरा एवं बामी के

देश में रासायनिक उर्वरकों और रासायनिक रंगों के प्रयोग ने 40 से 50 वर्षों में ही अपनी यात्रा पूरी कर ली। आज सब तरफ जैविक खेती और जैविक रंगों के प्रयोग की चर्चा है, जो हमारी पुरातन व्यवस्था को स्वयं सिद्ध करती है।

बीच का कई वर्ग किलोमीटर में फैला जंगल 90 के दशक तक पलाश के फूलों का सबसे बड़ा स्रोत था। रामगढ़,करौरा,सेमरहो,अदारी,महापुर,जमुहर,खरुआंवा जैसे दर्जनों गांवों के लोग रंग बनाने के लिए फूल यहीं से तोड़कर ले जाते थे। समय के साथ जंगल का दायरा घटता गया और लोगों ने रासायनिक रंगों की ओर रुख कर लिया। आज स्थिति यह है कि पूरे जंगल में गिनती के 15 से 20 पेड़ बचे हुए है उनमें भी फूल अभी पूरी तरह नहीं आये है।

पौधशाला में काम करने वाले सेमरहो निवासी अमृत लाल अपने पुराने दिनों को याद करते हुए कहते है कि होली करीब आने पर जंगल में पलाश के फूलों को तोड़ने की होड़ मच जाती थी,पलाश की छाल का प्रयोग लोग बीमारियों के ईलाज में भी करते थे। अब बड़ा सवाल यह है कि प्राकृतिक रंगों की तरफ अब जब लोग लौट रहे है तो क्या पलाश के पेड़ों के इस जंगल के दिन भी बहुरेंगे ? उनकी संख्या बढ़ाने का प्रयास होगा ?

आज ही के दिन लगा था लॉकडाउन पसरा था सन्नाटा सड़कें दिखीं थीं वीरान

मुंबई (आईएएनएस)। देश में 24 मार्च लॉकडाउन की चौथी वर्षगांठ है। देश में चार साल पहले आज ही के दिन पीएम नरेंद्र मोदी ने कोरोना वायरस (कोविड-19) के बढ़ते प्रसार को रोकने के लिए 'लॉकडाउन' का ऐलान किया था। चीन के वुहान से शुरू कोरोना वायरस ने देखते ही देखते पूरी दुनिया को अपनी आगोश में ले लिया था।

कोविड-19 वायरस के घातक प्रसार के संभावित नतीजों को भांपते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने 11 मार्च 2020 को आधिकारिक तौर पर इसे वैश्विक महामारी घोषित किया था। इस वायरस ने दुनिया के लोगों और देशों को एक-दूसरे से अलग-थलग कर दिया गया था। इसके दो हफ्ते बाद, 24 मार्च 2020 को पीएम नरेंद्र मोदी ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय में सबसे पहले, पूरे देश में लॉकडाउन का ऐलान कर दिया था। जिसके बाद लोग अपने घरों में ही कैद हो गए। अपने गांवों को छोड़कर रोजी रोटी के लिए दूसरे शहर गए लोगों ने पैदल ही अपने घरों को रूख कर दिया था। कई महीनों तक देश में लोगों की जिंदगी घरों में ही कैद हो गई थी और सकड़ों व बाजारों में सन्नाटा पसर गया था। भारत में कुल

मामले
4,50,33,332
मौत
5,33,537

4,50,33,332 मामले दर्ज किए गए और 5,33,537 लोगों की मौत हुई है।

11,17,27,592 मामलों और सर्वाधिक 12,18,464 मौतों के साथ अमेरिका दुनिया में सबसे आगे है, जो भारत की तुलना में दोगुने से भी अधिक है। दुनिया में कुल मिलाकर अब तक 70,43,18,936 संक्रमण हुए और 70,07,114 लोगों की मौत हुई है। जब दुनिया कोविड-19 महामारी के प्रभाव से जूझ रही थी तब सऊदी अरब के मक्का और मदीना की वार्षिक हज यात्रा भी बंद कर दी गई थी। वहीं मुंबई में प्रतिष्ठित मोहम्मद अली रोड का रमज़ान स्ट्रीट फूड बाज़ार लगभग 250 साल पुराने इतिहास में पहली बार पूरे महीने बंद रहा। महामारी के कारण देश और दुनिया की हवाई यात्रा को भी बंद कर दिया गया था। इसके अलावा खरीदारी गतिविधि की जगह बड़े पैमाने पर ऑनलाइन शॉपिंग, दफ्तरों में काम करने वाले कर्मचारियों को घर से काम करने की अनुमति दी गई थी। लोगों को नमाज अदा करने के लिए मस्जिदों में जाने से रोक दिया गया था। लोगों ने घरों पर ही नमाज अदा की थी। वहीं लोगों न मंदिर जाने के वजाय घरों पर ही पूजा अर्चना की। इसके अलावा अन्य धर्मों के लोगों ने भी लॉकडाउन का पालन किया और घरों पर ही प्रार्थना की। बता दें कि मई 2023 में डब्ल्यूएचओ ने महामारी की समाप्ति की घोषणा की थी।

दाऊ जी मन्दिर में होती है प्रेम पगी देवर-भाभी की अनूठी होली

मथुरा (वार्ता)। तीन लोक से न्यारी मथुरा नगरी में बल्देव की होली देवर भाभी की ऐसी अनूठी होली है जो पारिवारिक एकता का संदेश देती है। इस बार यह होली 26 मार्च को खेली जाएगी। बल्देव की होली को दाऊ जी की होली कहा जाता है। इस होली में जहां श्रद्धा, भक्ति और संगीत की त्रिवेणी प्रवाहित होती है वहीं देवर भाभी की यह होली मर्यादा बनाये रखने का ज्वलंत उदाहरण पेश करती है। वैसे भी इस होली में मर्यादा इसलिए भी बनी रहती है क्योंकि मान्यता है कि होली खेलने के समय बल्देव और उनके छोटे भाई कान्हा मौजूद रहते हैं। यह मर्यादा इसलिए भी बनी रहती है क्योंकि इसमें कल्याणदेव के वंशज ही भाग लेते है।इस होली को हुरंगा कहा जाता है। इस होली के दौरान मन्दिर की छत से अनवरत गुलाल की वर्षा होती रहती है जिससे 'उड़त गुलाल लाल भये बादर' का दृश्य बन जाता है।

ब्रज वभूति डा घनश्याम पाण्डे ने बताया कि यहां पर होली केवल टेसू के रंग से खेली जाती है जो 40 फीट लम्बे, तीन फुट चौड़े और पांच फीट गहरे विशाल हौज में तीन दिन में तैयार किया जाता है। हुरंगे के दिन बाल भोग के बाद श्रंगार आरती के दर्शन खुलते हैं। दोपहर 12 बजे समाज गायन होता है इसके बाद राजभोग के दर्शन होते है जो होली शुरू होने का एक प्रकार से संकेत होता है।

यह होली प्रतीकात्मक रूप में कान्हा और उनके सखा तथा मां रेवती और उनकी सखियों के प्रतीक के रूप में होती है। हुरिहारिने जब हुलियारों के वस्त्र फाड़ती है तो मर्यादा बनी रहती है तथा कमर के नीचे के वस्त्र या पगड़ी को वे स्पर्श तक नही करती है। दाऊ जी मन्दिर के प्रबंधक कन्हैया पाण्डे ने बताया कि हुरंगे के लिए 50 मन गुलाल, 50 मन भुरभुर , 50 मन केसरिया रंग एवं 60 मन टेसू के फूल मगाए गए है इसके अलावा भक्त भी गुलाल आदि लाते है। समाज गायन समाप्त होने तक कल्याण देव के वंशज के घरों की बहुएं मन्दिर में एकत्र हो जाती है और उस समय तक मन्दिर में कृष्ण , बल्देव के प्रतीक दो झंडे आ जाते है। उधर कल्याण देव के वंशज अपनी भाभी से होली खेलने के लिए मन्दिर प्रांगण में इकट्ठा हो जाते है। इसी बीच रसिया के स्वर गूंज उठते है

लाला होरी तो ते तब खेलूं मेरी
पहुंची मे नग जड़वाय

इस रसिया के स्वर इतने मधुर होते है कि दर्शकों तक के पैर थिरक उठते है।

हुरिहार बाल्टियों में टेसू का रंग भरकर हुरिहारिनो पर हांथ से उलीच कर रंग डालते है या फिर किसी हुरिहारिन को रंग से सराबोर करते है तो हुरिहारिने भी हुलियारों के वस्त्र फाड़कर उसके गीले पोतनों से उनकी पिटाई करती है । मन्दिर में झंडे घूमते रहते है। अगर हुलियार किसी हुरिहारिन से अधिक बलशाली होता है तो दो तीन हुरिहारिने मिल कर उसके वस्त्र फाड़कर पोतनो से पिटाई करती है।इसी बीच रसिया के स्वर गूंज उठते है

आज बिरज में होरी रे रसिया

हुलियार इसी दौरान अपने किसी साथी को हुरिहारिनो के समूह के सामने उठाकर लाते है और वे उसकी पोतनों से पिटाई करती है।उधर मन्दिर की छत से रंग बिरंगे गुलाल की अनवरत वर्षा होती रहती है। हुलियार मस्ती में आकर बाल्टियों से दर्शकों को भी रंग से सराबोर करने का प्रयास करते है। हुरंगा की चरम परिणति में झंडे की लूट हुरिहारिनो द्वारा शुरू हो जाती है। वे पहले एक झंडे को लूटती है तथा बाद में दूसरे झंडे को लूटती है जो हुरंगा समाप्त होने का संकेत होता है। इधर हुलियार गाते हुए जाते है।

10 को रिलीज होगी अजय की 'मैदान'

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन की आने वाली फिल्म मैदान ईद के अवसर पर 10 अप्रैल को रिलीज होगी। फिल्म मैदान फुटबॉल कोच सैय्यद अब्दुल रहमान के जीवन पर आधारित है। अमित शर्मा द्वारा

निर्देशित इस फिल्म में अजय देवगन ने 1952 से 1962 तक रहे भारतीय फुटबॉल कोच सैयद अब्दुल रहीम की भूमिका निभाई है। उन्हें आधुनिक भारतीय फुटबॉल का वास्तुकार भी कहा जाता है। यह फिल्म सैयद अब्दुल रहीम की सच्ची कहानी की झलक पेश करेगी, जिन्होंने अपना जीवन फुटबॉल के लिए समर्पित कर दिया और भारत को बहुत गौरव दिलाया। अजय देवगन ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फिल्म मैदान का नया पोस्टर जारी किया, जिसमें वह फुटबॉल खेलते नजर आ रहे है।

सुधीर, मिश्कत ने साझा किए बचपन की होली के किस्से

मुंबई (आईएएनएस)। टीवी एक्टर राहुल सुधीर और मिश्कत वर्मा ने अपने 'पसंदीदा' त्योहार होली के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि वह बचपन में पुराने कपड़े पहनते थे और अपने-अपने पड़ोस में पानी के गुब्बारे और रंग उड़ाते थे। एक्टर राहुल सुधीर ने बताया, बड़े होने के साथ होली हमेशा मेरे पसंदीदा त्योहारों में एक रहा है। जब मैं बच्चा था, तब हर साल होली के दिन सुबह, मैं और मेरे दोस्त अपने रंगीन कारनामों को अंजाम देते थे। हम पानी के गुब्बारे उड़ाते थे। उन्होंने आगे बताया, मेरी सबसे प्यारी यादों में से एक यह है कि जब मैं घर वापस जाता था तो अपनी मां के हाथों बनाई गई गुझिया और ठंडाई का मजा लेता था। ये यादें मेरे लिए बहुत कीमती हैं, जो मुझे उन मौज-मस्ती के

पलों की याद दिलाती हैं जो हम बचपन में किया करते थे। इसलिए, एक बार फिर मैं सभी को होली की शुभकामनाएं देना चाहता हूं। वहीं टीवी एक्टर मिश्कत वर्मा ने कहा, होली मेरे

पसंदीदा त्योहारों में से एक है। मैं हर साल इसके आने का बेसब्री से इंतजार करता हूं। होली के दिन, मैं पूरे उत्साह के साथ उत्सव में डूब जाता हूं। होली से पहले के दिन उत्साह और तैयारी से भरे हुए थे। उन्होंने आगे कहा, बचपन में बड़ी बहन मिहिका (एक्ट्रेस) और मैं माता-पिता को अलग-अलग रंग, पानी के गुब्बारे और पानी की बंदूकें इकट्ठा करने में मदद करते थे। हम अपने दोस्तों के साथ अपने पड़ोस में होने वाली होली पार्टी के बारे में भी योजना बनाते थे।

होली की सुबह, हम आस-पड़ोस में गूंजती हंसी और गानों की आवाज़ से जागते थे। एक्टर ने कहा, हम पुराने कपड़े पहनकर उत्सुकता से कलर के पैकेट और पानी की बंदूकों से लैस होकर सड़कों पर निकलते थे। मेरे बचपन की होली की ये यादें मेरे जीवन के सबसे सुखद और सबसे रंगीन पलो में से कुछ के रूप में मेरे मन में बसी हैं।

अंकिता लोखंडे परिवार, दोस्तों के लिए होली पार्टी होस्ट करेंगी

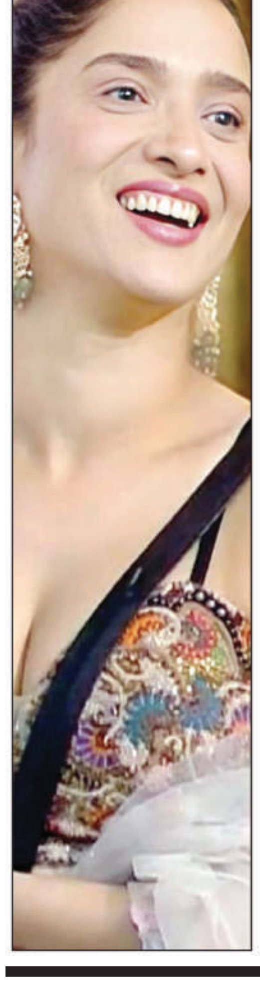

मुंबई (आईएएनएस)। एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे इन दिनों अपनी लेटेस्ट रिलीज 'स्वातंर्त्य वीर सावरकर' का जश्न मना रही हैं। अंकिता लोखंडे अपने दोस्तों और परिवार के लिए एक होली पार्टी की मेजबानी करेंगी। अंकिता लोखंडे और उनके पति विक्की जैन होली पार्टियों की मेजबानी करते रहे हैं। 'अन्वी की रास-लीला' (अंकिता-विक्की की रास-लीला) नाम से यह उनका तीसरा साल होगा। एक्ट्रेस और संदीप सिंह के साथ होली की योजना के बारे में प्रोड्यूसर ने बताया, अंकिता ने मुंबई में पार्टी रखी है। उन्होंने अपने सभी दोस्तों को बुलाया है। जिस पर, अंकिता ने कहा, इसे अन्वी की रास-लीला कहा जाता है। यह हमारा तीसरा साल है। मैं न सिर्फ अपने दोस्तों के साथ बल्कि अपने प्रोड्यूसर और अपने परिवार के साथ भी मौज-मस्ती करूंगी।

शुभांगी अत्रे
होली पर क्या व्यंजन तैयार करेंगी

मुंबई (आईएएनएस)। 'भाबीजी घर पर हैं' की एक्ट्रेस शुभांगी अत्रे उर्फ 'अंगूरी भाभी' ने बताया कि इस बार होली पर वह क्या-क्या व्यंजन तैयार करने वाली हैं। एक्ट्रेस गुजिया, जलेबी, बेसन के लड्डू, चकली और भाकरवड़ी जैसे कुछ व्यंजन तैयार करेंगी। शुभांगी अत्रे ने इस साल होली सेलिब्रेशन के बारे में बताया, मैं हर साल त्योहार मनाने के लिए अपने दोस्तों के लिए ढेर सारी मिठाइयां और स्नैक्स तैयार करती हूं। इस साल भी कुछ अलग नहीं होगा। मैं अपने गृह नगर भोपाल के कुछ व्यंजन तैयार करूंगी। एक्ट्रेस ने आगे कहा, मेरी बेटी आशी, हर साल त्योहार के आसपास हमारे मेहमानों के लिए कुछ दिलचस्प खेलों की योजना बनाती है। मैं हमेशा उन्हें लेकर काफी उत्साहित रहती हूं। लेकिन इस साल वह अमेरिका में है और मुझे उसकी बहुत याद आएगी। आपकी होली अद्भुत और सुरक्षित हो।

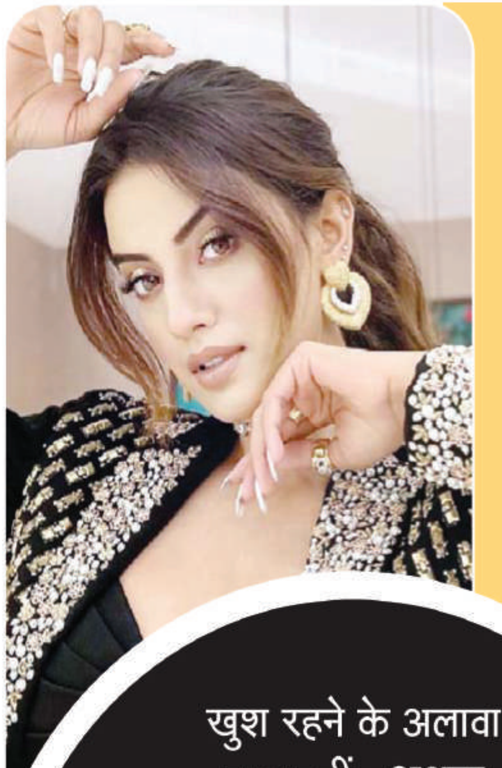

खुश रहने के अलावा चारा नहीं : अक्षरा

मुंबई (आईएएनएस)। भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने खुलासा किया है कि वह लगभग 24 घंटे शूटिंग कर रही हैं। अक्षरा ने 'तबादला', 'सरकार राज' और 'सत्या' जैसी फिल्मों में काम किया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपना टच अप करवाते हुए एक वीडियो साझा किया। अभिनेत्री ने कहा : सुबह के 5.10 बज रहे हैं और हमारी 24 घंटे से शूटिंग चल रही है। और अब वापस से मैं टच अप, फ्रेश मेकअप करा रही हूं। दूसरे शॉट के लिए। हम लगभग 24 घंटे से सेट पर काम कर रहे हैं...। ये सेकंड दिन का सवेरा देखकर हमारा पैक अप होने वाला है। मेकअप आर्टिस्ट ने एक्ट्रेस से पूछा कि इतनी मेहनत करने के बाद भी वह कितनी खुश हैं। अभिनेत्री ने जवाब के साथ इसे कैप्शन दिया, खुश रहने के अलावा और कोई चारा नहीं, वीरे।

मनोज वाजपेयी की फिल्म 'साइलेंस 2' का टीजर रिलीज

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता मनोज वाजपेयी की आने

वाली फिल्म साइलेंस 2 का टीजर रिलीज हो गया है। मनोज वाजपेयी ने वर्ष 2021 में प्रदर्शित फिल्म 'साइलेंसः कैन यू हियर इट?' में काम किया था। इस फिल्म में मनोज वाजपेयी ने एसीपी अविनाश का किरदार निभाया था। मनोज वाजपेयी अब 'साइलेंसः कैन यू हियर इट?' के सीक्वल'साइलेंस 2ः नाइट आउल बार शूटआउट' में नजर आयेंगे। इस फिल्म का टीजर रिलीज कर दिया गया है। मनोज बाजपेयी ने 'साइलेंस 2ः नाइट आउल बार शूटआउट' का टीजर सोशल मीडिया पर शेयर किया है।वीडियो के साथ मनोज वाजपेयी ने कैप्शन में लिखा, क्रिमिनल्स को दोबारा साइलेंट करने, एसीपी अविनाश फिर से आ रहा है। वीडियो की शुरुआत एक सवाल से होती है,'अपराध अपने चरम पर है, कहां है एसीपी अविनाश?'मनोज बाजपेयी के हाथ में एक पेपर होता है, जिसमें उनका ही आर्टिकल छपा हुआ है। न्यूज चैनल में भी एसीपी छाए हुए है और सवाल पूछा जा रहा है कि आखिर वह कहां है? फिर मनोज बाजपेयी मुड़कर कहते है, इन्होंने मुंबई को क्राइम कैपिटल बना दिया है। सीरियल किलर्स, हाई-प्रोफाइल मर्डरर्स, कॉपीकैट पैटर्न्स और पता नहीं क्या-क्या।

होली की खुशियां मातम में बदली, सड़क हादसे में बाइक सवार दो की मौत

रिश्तेदारी से लौट रहे बाइकर्स गुरैनी में हादसे के हुए शिकार

मृतक सनोज यादव उर्फ नाटे, दिलीप यादव की फाइल फोटो।

प्रखर खेतासराय (जौनपुर)। कस्बा निवासी दो युवक की सोमवार की दोपहर सड़क हादसे में मौत हो गई । वह रिश्तरदारी से होली मिलन कर लौटते समय अज्ञात चार पहिया वाहन ने रौंद दिया । ग्रामीणों की मदद से पुलिस ने घायलों को पीएचसी सोंधी पहुचाया । हालत नाजुक होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया । जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया । मौत की सूचना पर परिजनों में कोहराम मच गया वही नगर में शोक का माहौल व्याप्त हो गया ।

पोस्ट आफिस मोहल्ला निवासी सनोज यादव उर्फ नाटे(38) पुत्र स्व.लालचंद्र यादव और इसी मोहल्ला के दिलीप यादव (30) पुत्र स्व.गोरखनाथ यादव दोपहर बाद क्षेत्र के सफीपुर रिश्तेदारी मे होली मिलने गए थे। वापस लौटते समय गुरैनी बाजार में सामने से आ रही अज्ञात चार पहिया वाहन ने उनकी बाइक को सीधे टक्कर मार कर फरार हो गए । जिससे दोनों गम्भीर रूप से घायल हो गए । दोनों को स्थानीय पीएचसी सोंधी के बाद जिला अस्पताल ले गए जहाँ डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया ।

हादसे के बाद दोनों परिवारों में कोहराम मचा है। मृतक सनोज नगर मे वेल्डिंग का काम करता था। जबकि मृतक दिलीप आजमगढ़ जनपद के फुलैस मे एक निजी स्कूल मे ड्रायविंग का काम करता था। इस बाबत पूछे जाने पर एसएचओ दीपेंद्र सिंह ने बताया कि अज्ञात वाहन से बाइक सवार दो युवक की मौत हुई है । तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्यवाही की जायेगी।

होली के दिन नशे में जमकर हुई मारपीट, एक की गई जान

प्रखर जौनपुर । होली का पर्व मनाते समय डीजे के सामने नाचने को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई , इस खूनी संघर्ष में एक की मौत हो गई तथा कई लोग घायल हो गए है। यह वारदात रामपुर थाना क्षेत्र के मई गांव में हुई है होली की दोपहर डीजे पर नाचने को लेकर दो पक्ष शराब के नशे में हाथापाई हुई। जिसके बाद नंदकिशोर पक्ष के लोग घर पर चले आए। बताया जाता है कि दूसरे पक्ष के लोग घर पर लाठी डंडा लेकर आ गए। जिसको लेकर एक बार फिर मामला गर्म हुआ और कहासुनी के बाद लाठी चटकने लगी। देखते ही देखते नंदकिशोर पक्ष के नौ लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को सीएचसी रामपुर इलाज के लिए ले गए। जहां से पांच लोगों को गंभीर हालत देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया, ईलाज के दौरान नंदकिशोर की मौत हो गई । जबकि उनके बड़े भाई नंदलाल पटेल की हालत गंभीर देखते हुए डॉक्टरों ने ट्रामा सेंटर वाराणसी रेफर कर दिया है। सूचना पर एसपी डॉक्टर अजय पाल शर्मा ,एडिशनल एसपी शैलेंद्र कुमार सिंह, उप जिलाधिकारी मड़ियाहूं समेत आला अधिकारी मौके पर पहुंचकर घटना की जांच में जुटे हुए हैं। घटना की जानकारी देते हुए एसपी ग्रमीण शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि थाना रामपुर अंतर्गत मई गॉव में दो पक्षों के बीच नाँच गाने को लेकर हुई मारपीट में एक व्यक्ति की उपचार के दौरान मृत्यु हो गई। केस दर्ज कर नामजद 06 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही प्रचलित है।

मिजार्पुर में सोमवार की देर रात चार दोस्तों को ट्रक ने रौंदा सभी की मौत

प्रखर मिजार्पुर। जिले की देहात कोतवाली क्षेत्र के समोगरा गांव के पास सोमवार की देर रात ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार चार युवकों की मौत हो गई। चारों मृतक एक ही गांव के निवासी हैं। देहात कोतवाल राणा प्रताप यादव ने बताया कि समोगरा गांव निवासी पवन कुमार प्रजापति (21) पुत्र सुरेश कुमार, विकास प्रजापति (21) पुत्र सेवालाल, सोनू प्रजापति (21) पुत्र नंदलाल और छुक्कू सिंह (22) पुत्र लल्लू सिंह चारों एक बाइक पर सवार होकर घर से होली मिलने अपने मित्र के घर जा रहे थे। जैसे ही घर से 500 मीटर दूर पहुंचे, तभी विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में

बाइक सवार चारों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी होते ही मृतक के परिजन भी पहुंच गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया। घटना के बाद चालक ट्रक छोड़कर मौके से भाग निकला। पुलिस ट्रक कब्जे में लेकर चालक की तलाश में जुट गई है।

रमजान अल्लाह का मुसलमानों के लिए है तोहफा : मौलाना क्यामुद्दीन

जौनपुर। मोहल्ला आलम खा नवाब साहब का आहाता स्थित मदीना मस्जिद में सोमवार को नमाज ए तरावीह में कुरान मुकम्मल हो गया । इस मौके पर मुल्कों मिल्लत की तरक्की के लिए दुआ की गई। मदीना मस्जिद के पेश इमाम मौलाना क्यामुद्दीन ने दुआ कराई । तरावीह की नमाज मौलाना साबिर ने अदा कराई। उन्होंने कहा कि इबादत का यह पाक महीना रमजान बेहतर अखलाक और सभी से मोहब्बत का पैगाम देता है । इस्लाम मुसलमानों को इस पर अमल करना चाहिए, रमजान अल्लाह का मुसलमानों के लिए तोहफा है। इसलिए इस महीने में बरकतो और रहमतों की बारिश होती है। मौलाना ने कहा कि रोजा सिर्फ भूखे रहने का नाम नहीं है, बल्कि हर तरह की बुराई गुनाह से बचना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि बेहद खुश नसीब है वह मां-बाप जिनके बच्चों ने अल्लाह के कलाम को अपने सीनो में महफूज कर लिया। जन्नत में कुरान पाक हिफ्ज करने वालों का मर्तबा बड़ा ही ऊंचा होगा। इस मौके पर जफर अहमद शेरू. हाजी मोइनुद्दीन, जलालुद्दीन उसैद, शकील मंसूरी, नफीस खां ,हाजी अफजाल, हाजी अब्दुल हकीम, हाफिज मोहम्मद शाद रईस ,गोलू , शहजादे आदि लोग ने शिरकत किया

सौहार्दपूर्वक मनाया गया होली, फगुआ गीतों पर थिरके ग्रामीण एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर दी बधाई

वाराणसी। मिजार्मुराद क्षेत्र के गौर गांव, खजुरी, मेंहदीगंज, बेनीपुर, नागेपुर, कलीपुर, रखौना, चक्रपानपुर, प्रतापपुर, लालपुर, राने गांव, खालिसपुर, रूपापुर, चित्रसेनपुर, पूरे, ठठरा, कछवांरोड सहित आदि गांवो में रंगों का अद्भूत पर्व होली लोक प्रचलित परंपराओं के साथ होली का पर्व खुशी एवं सौहार्द पूर्वक मनाया गया` रंगों की इंद्रधनुषी फुहारों व अबीर- गुलाल व जोगीरा के राग के साथ अलमस्तों की टोली हुड़दंग करती सड़को पर झूमती-गाती थिरकती रही जिससे सड़के लाल, नीले, पीले, हरे व गुलाबी रंगों से रंगीन हो गई वही दोपहर बाद ग्रामीण नए कपड़ो में अबीर गुलाल हाथ में लेकर अपने बड़े बुजुर्गो मित्रो परिवारीजनों को अबीर लगाकर आशीर्वाद लिया तो कही गले मिलकर खुशी जताई` होली के मद्देनजर सुरक्षा को देखते हुए एसीपी राजातालाब अजय श्रीवास्तव व मिजार्मुराद थानाध्यक्ष आनंद चौरसिया पूरे क्षेत्र में फोर्स के साथ भम्रण करते नजर आए वही क्षेत्र के नवयुवक एक-दूसरे के साथ टोली बनाकर चट्टी चौराहो व प्रमुख मार्गो पर एकत्र हो गए एक-दूसरे संग जमकर फगुआ फिल्मी गानों पर डांस करते हुए रंग खेला` सड़को से गुजरने वाले राहगीरों को भी नही बख्शा वाहन सवारों को रोक- रोककर बुरा न मानो होली कहकर रंग दिया` चट्टी- चौराहो व गलियों में लाउडस्पीकरो पर 'बलम पिचकारी, जो तूने मुझे मारी' और 'होली खेले रघुवीरा,अवध में होली खेले रघुवीरा' आदि गीत बजते रहे वही मिजार्मुराद बाजार में सुरक्षा को देखते हुए एसआई दिगम्बर उपाध्याय, राम चन्द्र यादव, पुलिसकर्मी वैभव त्रिपाठी समेत अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

मुख्तार अंसारी की बांदा जेल में तबियत खराब होने पर आईसीयू में हुए भर्ती

सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही को लेकर दो दिन पूर्व ही शासन ने एक जेलर और दो डिप्टी जेलर को निलंबित कर दिया था

प्रखर एजेंसी। बांदा जेल में बंद माफिया मुख्तार अंसारी की तबीयत अचानक खराब हो गई। उसे मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। आईसीयू जोन में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। जानकारी के अनुसार जिला जेल में बंद माफिया मुख्तार अंसारी की अचानक तबीयत बिगड़ गई। सोमवार की आधी रात के बाद उसे रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। आईसीयू में उसका इलाज चल रहा है । मेडिकल कॉलेज के आईसीयू जोन को पुलिस-प्रशासन ने छावनी में तब्दील कर दिया है। अफसरों ने चुप्पी साध रखी है। मुख्यार की तबीयत को लेकर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। मुख्तार अंसारी की सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही को लेकर दो दिन पूर्व ही शासन ने एक जेलर और दो डिप्टी जेलर को निलंबित कर दिया था। वर्चुअल पेशी के दौरान मुख्तार अंसारी ने न्यायालय में जेल प्रशासन पर स्लो प्वाइजन देने का आरोप लगाया था। तकरीबन एक सप्ताह से लगातार मुख्तार की तबीयत खराब चल रही है। सोमवार की आधी रात के बाद अचानक तबीयत ज्यादा बिगड़ गई। इससे जेल प्रशासन में अफरातफरी मच गई। हालत गंभीर होने पर आनन-फानन में मुख्तार को गुपचुप तरीके से मेडिकल कॉलेज में भर्ती करा दिया गया। सूत्रों के मुताबिक मुख्तार अंसारी के भाई अफजाल अंसारी समेत परिवार के सदस्य दोपहर तक मेडिकल कॉलेज पहुंच जाएंगे। मुख्तार के वकीलों ने अनहोनी की आशंका जताई है। वहीं कुछ दिनों पहले मुख्तार ने खुद की जान को खतरा बताया था। 19 मार्च को मिले खाने में उसने विषैला पदार्थ मिलाने का आरोप लगाया था।

देश का युवा ही राष्ट्र और समाज निर्माण का सबसे बड़ा स्रोत : प्रो. राकेश यादव

सुईथाकला, जौनपुर। बाबा द्वारिका दास हरि महाविद्यालय एवं एस एस कॉलेज ऑफ फामेर्सी सारी बडौना में शनिवार को श्री हरि लोक ट्रस्ट द्वारा प्रबुद्ध सामान्य ज्ञान प्रश्न मंच प्रतियोगिता के मेधावियों का सम्मान समारोह आयोजित हुआ।कार्यक्रम का शुभारंभ वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पूर्व कार्यक्रम समन्वयक एवं गांधी स्मारक पीजी कॉलेज समोधपुर इतिहास के विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ राकेश कुमार यादव ने सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पूजा अर्चना करके किया। अतिथियों द्वारा हाई स्कूल और इंटरमीडिएट के स्थान प्राप्त छात्र-छात्राओं को ट्रॉफी, मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में टॉप- 5 के छात्र-छात्राएं सूरज गौतम, अमर यादव, श्रेया तिवारी, प्रियांशी, दिव्यांश दुबे रहे। विद्यालय स्तर पर श्री गांधी स्मारक इंटर कॉलेज समोधपुर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया ।मुख्य अतिथि ने कॉलेज के प्रबंधक एवं वरिष्ठ दंत चिकित्सक डा. सूर्यभान यादव के शिक्षा, समाज सेवा ,अध्यात्म एवं चिकित्सा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान को सराहा। प्रोफेसर यादव ने शहीद दिवस पर तीनों वीर शहीदों भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को श्रद्धा सुमन अर्पित किया। डॉ राम मनोहर लोहिया के जन्मदिन पर उनके योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि विद्यालय प्रबंध तंत्र का विवेकपूर्ण कार्य ही छात्रों के भविष्य को उज्वल और बेहतर बनाता है। उन्होंने युवाओं को राष्ट्र और समाज के निर्माण का सबसे बड़ा स्त्रोत बताया। अध्यक्षता करते हुए संत प्रकाश दास जी महाराज ने शिक्षा को आजीवन आनंद प्रदान करने वाला सबसे बड़ा निवेश बताया उन्होंने बताया कि ज्ञान से ही मानव की पहचान होती है शिक्षा का तात्पर्य आत्मज्ञान से है। आभार एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रबंधक डॉ सूर्यभान यादव ने किया ।उन्होंने कहा कि महाविद्यालय शिक्षा और प्रतिभा निर्माण में अपना एक अलग कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। प्रतियोगिताओं के द्वारा प्रतिभाओं में निखार आता है। आज के बच्चे कल के भविष्य हैं। उन्होंने सिविल सेवा और विभिन्न प्रतियोगिताओं में सफलता प्राप्त करने के लिए छात्र-छात्राओं से आह्वान किया। प्रबंधक ने समय के सदुपयोग और शिक्षा पर बल दिया। सफलता के लिए उन्होंने जज्बा व लगन को सबसे जरूरी बताया। विशिष्ट अतिथि पूर्वांचल विश्वविद्यालय कर्मचारी संघ के महामंत्री रमेश यादव ने बताया कि सकारात्मक सोच के साथ कार्य करने पर ही राष्ट्र का सर्वांगीण विकास हो सकता है। विशिष्ट अतिथि डॉ जितेंद्र यादव ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताओं के आयोजन से छात्र-छात्राओं में बौद्धिक विकास होगा इससे ग्रामीण अंचल में शिक्षा के पिछड़ेपन की समस्या दूर होगी। पूर्व सदस्य जिला पंचायत विवेक यादव विक्की, शिवानंद दास आदि लोगों ने भी अपने विचार प्रकट किये। राधा रानी कहो तो अभी जान दे दूं, मोरे सुन्ने - सुन्ने पैर, मुरली बजाते हो पीछे-पीछे आते हो की उत्कृष्ट प्रस्तुति ने समां बांध दिया। छात्राओं ने लोकगीत के माध्यम से दहेज प्रथा, महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्याओं की तरफ संकेत किया। संचालन प्राचार्य डॉ कुंवर सिंह यादव ने किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि डॉ उमेश चंद्र तिवारी गुरुजी, डा. आलोक सिंह पालीवाल, डा. अतुल यादव, संतोष कुमार पांडेय प्रधानाचार्य, वंश बहादुर पाल भाजपा नेता, अमरजीत यादव प्रधान ,लवकुश मौर्य ,स्नेहा यादव, प्रदीप कुमार यादव ,विकास यादव ,अमित कुमार ,संतोष कुमार, बिंदु प्रजापति, रीना यादव, शशांक शेखर, दिनेश यादव,राम सकल मौर्य आदि उपस्थित रहे।

11 एनडीआरएफ वाराणसी द्वारा पुष्कर तालाब में चलाया गया वृहद स्वच्छता अभियान

वाराणसी। 11 एनडीआरएफ वाराणसी के उप महानिरीक्षक मनोज कुमार शर्मा के नेतृत्व में 26 मार्च मंगलवार को पुष्कर तालाब में वृहद स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया` यह अभियान स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के तहत आयोजित किया गया था जिसमें एनडीआरएफ बचाव कर्मियों, नगर निगम, सृजन संस्था के सदस्यों तथा ब्रह्मावेद विद्यालय के छात्रों और शिक्षकों ने भाग लिया। इस अभियान में एनडीआरएफ के बचाव कर्मियों, सामाजिक संस्था के कार्यकताओं और विद्यालय के छात्रों ने तालाब से कचरा, गंदगी, शैवाल और जलकुंभी हटाकर तालाब तथा तालाब की सीढ़ियों को स्वच्छ बनाया इस अवसर पर मनोज कुमार शर्मा,उप महानिरीक्षक ने बताया कि एनडीआरएफ आपदाओं के दौरान राहत बचाव कार्यों के साथ ही स्वच्छता अभियान के लिए भी हमेशा तत्पर रहती है उन्होंने कहा कि हमें अपने आसपास के क्षेत्र को साफ रखने में एक जिम्मेदार नागरिक की तरह कार्य करना चाहिए ` स्वच्छ भारत से ही हम सशक्त भारत बना सकते हैं उन्होंने लोगों से सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने का भी आग्रह किया। इस कार्यक्रम में सृजन संस्था से अनिल सिंह, नगर निगम से निरीक्षक प्रदीप कुमार वर्मा, सरिता, पार्षद रविंद्र, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ प्रदीप कुमार शर्मा, ब्रह्मावेद विद्यालय के छात्र एवं स्थानीय लोगों ने बढ़ - चढ़कर भाग लिया।

संक्षिप्त खबरें

शव आते ही मची चीख पुकार, घरों में नही जले चूल्हे, होली की खुशी मातम में बदली

खेतासराय (जौनपुर)। सोमवार को गुरैनी में सड़क हादसे में दो युवक की मौत से पोस्ट ऑफिस वार्ड में मातम छा गया। देर रात्रि लाश आते ही दोनों घरों में चीख पुकार से हर किसी की आंखे छलक उठी। मंगलवार की भोर में शवों का पिलकिछा घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। सनोज यादव उर्फ नाटे 38 की मौत से पत्नी कुसुम देवी जहाँ विधवा हो गई वही 4 वर्ष का मात्र एक बेटा रेहान का पिता का साया उठ गया। पत्नी का रो रो कर बुरा हाल है। मृतक आठ भाइयों में दूसरे नम्बर पर था। वह वेल्डिंग का काम करके परिवार का भरण पोषण करता था। वही दिलीप 30 ड्राइविंग कर परिवार की गाड़ी को आगे बढ़ा रहे थे। सनोज के साथ वह भी बाइक से होली मिलन कर वापस घर आ रहा था। दोनों एक ही मुहल्ले के निवासी है। दिलीप के चार बच्चे है। पत्नी संगीता को बज्र पात हो गया है। अब किसके सहारे वह पहाड़ सी जिंदगी को काटेगी। कौन चलाया गया परिवार की आजीविका। ये तमाम सवाल अनुत्तरित रहेगा। मृतक के बच्चे पायल (11), सानू (9), सौम्या (7), दीप (5) अब अनाथ हो गए। दोनों परिवारों के करुण क्रंदन से पूरे वार्ड में मातम छा गया। लोगों के घरों में चूल्हे नही जले। घर पर शोक संवेदना के लिए घर पर तांता लगा हुआ है।

होली खेलने ससुराल गए युवक का तालाब में मिला शव

पिंडरा। फूलपुर थाना क्षेत्र के कथौली स्थित स्थित अपने घर से होली खेलने ससुराल गए युवक की लाश मंगलवार की सुबह तालाब में उतराई मिली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर भेज दिया। बताते चलें कि कथौली निवासी सुनील पटेल 40 वर्ष घर से दो किमी दूर स्थित पुरारघुनाथपुर स्थित अपने ससुराल होली खेलने गया था। बताते हैं कि शाम तक होली लोगों के साथ खेला और सबके साथ गांव के ही तालाब में नहाने गया। सभी लोग नहा कर घर लौट आये लेकिन उसे घर न लौटने पर ससुराल के लोग समझे कि वह अपने घर चला गया। लेकिन जब मंगलवार की सुबह 9 बजे उसकी लाश तालाब में उतराई मिली तो लोग उसके घर के साथ पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने उसके शव को कब्जे में लेकर अंत्यपरीक्षण हेतु भेज दिया। उसे एक लड़की और लड़का है। पिता अमरनाथ के मुताबिक वह मजदूरी करता था। वही ग्रामीणों के मुताबिक होली पर नशे में था।

युवा एथलीट ने ट्रेन से कटकर दी जान,शोक में डूबा माहौल

पिंडरा। फूलपुर थाना क्षेत्र के पिंडरा बाजार निवासी व युवा एथलीट शुभम विश्वकर्मा ने डिप्रेशन में ट्रेन से कटकर जान दे दी। घटना की होते ही सैकड़ो की संख्या में लोग उसके घर पहुच गए। नेशनल इंटर कॉलेज पिंडरा का इंटर का छात्र शुभम विश्वकर्मा एथलीट था और स्कूली स्तर पर नेशनल व स्टेट लेबल पर कई मेडल जीत चुका था। प्रतिदिन की भांति घर से अलसुबह अभ्यास के लिए दौड़ने के लिए निकला। सुबह 6 बजे पिंडरा रोड हाल्ट (कनकपुर) के पास ट्रेन के कटकर जान दे दी। बताते है कि ट्रेन के आगे कूदने से उसका शरीर क्षत विक्षत हो गया था। प्रतिदिन दौड़ते हुए देखने के चलते लोग उसे पहचान गए और परिवार के लोगों को सूचना दी।।परिवार के लोगों ने पहचान के बाद पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया। शुभम एक बेहतरीन एथलीट था। उसने इंटर तक की नेशनल स्तर पर गोल्ड जीता था और उसका सपना एक बड़ा एथलीट बनने का था। अपने फेसबुक पर वह हर जीत का फोटो डालने के साथ जोश भरने और लड़ने वाला बनने से सम्बंधित पोस्ट भी डालता था। ऐसे में क्यो आत्महत्या की यह लोगों के जेहन में प्रश्न उठता रहा। वही सूत्रों के मुताबिक हाल में ही गुजरात मे होने वाले दौड़ प्रतियोगिता में तीसरा स्थान प्राप्त किया था। लेकिन इसके पूर्व वह यूपी के में हुई दौड़ प्रतियोगिता में भाग न ले पाने के कारण तनाव में रहता था। पिता हुबलाल की पिंडरा बाजार में हार्डवेयर की दुकान है और दो भाई और एक बहन के बीच दूसरे नम्बर पर था। उसके निधन पर पिंडरा बाजार में शोक का माहौल रहा।

शुभम ने पिंडरा से लेकर गुजरात तक अपनी प्रतिभा दिखाई थी- शुभम एक तेज धावक के साथ कई उपलब्धि को अपने नाम कर चुका था। इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य रामाश्रय सिंह व खेल शिक्षक अमर सिंह यादव ने बताया कि वह दिसम्बर माह पिंडरा में आयोजित मैराथन दौड़ में प्रथम स्थान और जौनपुर में आयोजित स्कूली मण्डल प्रतियोगिता में भी प्रथम स्थान प्राप्त किया था। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि रामु गुप्ता ने बताया कि ओपन नेशनल एथलेटिक्स प्रतियोगिता गुजरात मे तीसरा स्थान प्राप्त किया था। जिसपर घर पहुचने पर स्वागत किया गया। शिक्षक व गांव के लोग उसके आत्महत्या के घटना से हतप्रभ दिखे और उसे एक होनहार धावक बताया।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं